{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 26 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 64
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स – 84,587.01
निफ्टी – 25,884.80
सोना – 1,27,040
चांदी – 1,67,000
डॉलर – 89.12

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एसआईआर के खिलाफ छठी याचिका

नई दिल्ली। देश के 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में 4 नवंबर से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया चल रही है। तमिलनाडु में भी हो रही एसआईआर प्रक्रिया को एमडीएमके प्रमुख वाइको ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। वाइको ने कहा कि राज्य की यह रिवीजन प्रक्रिया कई नियमों और लोगों के मूल अधिकारों का उल्लंघन करती है। कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 2 दिसंबर को करेगा। तमिलनाडु में वाइको की याचिका के अलावा पांच अन्य याचिकाएं लगाई गई हैं।

चारधाम में पहुंचे 50 लाख श्रद्धालु

देहरादून। उत्तराखंड में चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होते ही इस साल की चारधाम यात्रा भी संपन्न हो गई है। इस साल 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आए। यात्रा अक्षय तृतीया के दिन, यानी 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने से शुरू हुई थी। पूरे 6 महीनों तक उत्तराखंड की वादियां 'जय बद्री-विशाल' और 'हर-हर महादेव' की गूंज से भरी रहीं। पिछले साल की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां 2024 में केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन करने वालों ने रिकॉर्ड बनाए थे, वहीं 2025 ने यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, केदारनाथ में 2024 में 16 लाख 52 हजार 76 लोग पहुंचे और इस साल 17 लाख 68 हजार से ज्यादा लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं बद्रीनाथ में 2024 में 14 लाख 35 हजार 341 और इस साल 16 लाख 52 हजार 971 लोगों ने बद्री विशाल के दर्शन किए।

ट्रक-ऑटो की टक्कर में 6 की मौत

शेखपुरा। शेखपुरा में मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें इलाज के लिए नालंदा के पावापुरी भेजा गया है। 13 लोगों से भरा ऑटो नेशनल हाईवे पर ट्रक से टकरा गया। टक्कर आमने-सामने हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के वक्त दोनों गाड़ियों की स्पीड 70 से 80 किलोमीटर थी। इस हादसे में मां-बेटी और दादी-पोती की भी मौत हुई है। हादसा नगर थाना क्षेत्र के एकसारी बीघा और कंबल गढ़ गांव के बीच शेखपुरा-सिकंदरा हाईवे पर हुआ है। टक्कर के बाद लोग गाड़ी से उछलकर सड़क पर जा गिरे। सड़क पर लाशें बिखर गईं।

कुछ ना कहना

अयोध्या राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा, पीएम मोदी बोले

धर्म ध्वजा भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक

अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य; इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया

अयोध्या। अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी। पीएम भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम कर कहा कि सदियों के घाव भर रहे हैं, सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों से आस्था डिगी नहीं, एक पल भी विश्वास टूटा नहीं। धर्म ध्वजा केवल ध्वजा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है। आने वाले सदियों तक यह ध्वज प्रभु राम के आदर्शों का उद्घोष करेगा। यह ध्वज प्रेरणा देगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए।

पीएम ने कहा कि आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। यह मानसिकता इतनी हावी हो गई थी कि वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया गया। ध्वजारोहण से पहले पीएम मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। पीएम रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। पीएम ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक डेढ़ किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान स्कूली छात्रों ने काफिले पर फूल बरसाए और जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पहले चर्चा थी कि ध्वजारोहण समारोह के लिए अमिताभ बच्चन समेत कई सेलिब्रिटीज को न्योता भेजा गया है, लेकिन कोई नहीं पहुंचा।

हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा

पीएम ने कहा कि अयोध्या वह भूमि है, जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं। यह वही भूमि है, जहां राम ने जीवन शुरू किया। इसी धरती ने बताया कि एक व्यक्ति अपने समाज की शक्ति से कैसे मर्यादा पुरुषोत्तम बनता है। जब भगवान यहां से गए तो युवराज राम थे, लौटे तो मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे। पीएम ने कहा कि हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बने हैं। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति-नीयत से समझौता न करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हों। आज से 190 साल पहले 1835 में लॉर्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। 2035 में उस अपवित्र घटना को 200 साल पूरे हो रहे हैं। हमें आने वाले 10 सालों में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना है। मैकाले ने जो सोचा था, उसका प्रभाव व्यापक हुआ। हमें विकार आ गया कि विदेशी चीज अच्छी है, हमारी चीज में खोट है। हर कोने में गुलामी की मानसिकता ने डेरा डाला है। नौसेना के ध्वज पर ऐसे प्रतीक बने थे, जिनका हमारी विरासत से कोई संबंध नहीं था। हमने गुलामी के प्रतीक को हटाया है। हमारे राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। जब देश का हर व्यक्ति सशक्त होता है तो संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगता है। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी धर्म पथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखने वाला। अगर समाज को सामर्थ्यवान बनाना है तो भीतर राम की स्थापना करनी होगी।

जिन्होंने प्राण अर्पण किए, आज उनकी आत्मा तृप्त हुई

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण हो गया हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। रथ चलाने के लिए सात-सात घोड़े हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए लगाम है। रस्सा नहीं है, सारथी नहीं है तो ऐसी गाड़ी नहीं चल सकती। शांति बांटने वाला भारतवर्ष खड़ा करना है.. यही विश्व की अपेक्षा है।

पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई

सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है। 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष और बदहाली का शिकार बन चुकी थी, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। यहां हर दिन पर्व है, हर दान प्रताप है और हर दिशा में रामराज्य की पुनर्स्थापना की दिव्य अनुभूति हो रही है।

राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत मौतों पर शीर्ष कोर्ट की सख्त टिप्पणी

हिरासत में हिंसा और मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस हिरासत में हिंसा और मौतें हमारी व्यवस्था पर एक बड़ा दाग हैं और देश अब इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट एक मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है, जो देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी के ठीक से न चलने से जुड़ा है। अदालत ने इस दौरान राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत मौतों पर गहरी चिंता जताई। दो जजों की बेंच न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता ने मामले में कहा, देश अब ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हिरासत में मौत को कोई भी व्यक्ति सही नहीं ठहरा सकता। लेकिन कोर्ट इस बात से नाराज हुआ कि केंद्र सरकार ने अब तक अपना अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं किया है। अदालत ने इस पर तीखा सवाल किया और पूछा केंद्र सरकार इस अदालत को हल्के में क्यों ले रही है? इसके बाद केंद्र ने तीन हफ्ते के भीतर हलफनामा देने का वादा किया। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 और 2020 में आदेश दिया था कि, सभी पुलिस थानों, सीबीआई, ईडी, एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दफ्तरों में फुल कवरेज वाले सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाएं। लेकिन कोर्ट को बताया गया कि, केवल 11 राज्यों ने ही अब तक अपनी रिपोर्ट दाखिल की है। कई राज्य और केंद्र के कई विभागों ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी। तीन केंद्रीय एजेंसियों में सीसीटीवी लग चुके हैं, लेकिन बाकी अभी भी पीछे हैं।

वहीं शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मध्य प्रदेश ने बेहद अच्छा काम किया है, हर पुलिस स्टेशन और चौकी को डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम से लाइव जोड़ा गया है। इसे बेंच ने काबिल-ए-तारीफ बताया।

मामले की सुनवाई के दौरान बातचीत में अमेरिका के मॉडल का जिक्र आया, वहां सीसीटीवी की लाइव स्ट्रीमिंग भी होती है और कुछ निजी जेलें भी हैं। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि कुछ समय पहले एक सुझाव आया था कि सीएसआर फंड से प्राइवेट जेल बनाई जाएं। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह पहले से ही ओपन एयर प्रिजन मॉडल पर एक केस देख रहा है, जो भीड़भाड़ की समस्या, जेलों में हिंसा जैसे मुद्दों को कम कर सकता है।

पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी एंटी एसआईआर विरोधी रैली में बोलीं

चुनाव आयोग अब बन गया है भाजपा आयोग

यह निष्पक्ष संस्था नहीं; मुझे चुनौती दी तो भाजपा की नींव हिला दूंगी

बोनगांव। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष संस्था नहीं रहा, यह भाजपा आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बंगाल में चुनौती दी गई, तो वे पूरे देश में भाजपा की नींव हिला देंगी। ममता बोनगांव में एंटी-एसआईआर रैली में को संबोधित कर रही थीं। ममता ने दावा किया कि यदि राज्य के मतुआ-बहुल क्षेत्रों में रहने वाले लोग नागरिकता (संशोधन) अधिनियम -सीएए के तहत स्वयं को विदेशी घोषित करते हैं, तो उन्हें तुरंत मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। सीएम ममता ने एसआईआर को लेकर भाजपा और केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि एक एसआईआर पूरा होने में तीन साल लगते हैं। हमने इसका कभी विरोध नहीं किया, बस इतना ही कहा कि किसी भी वास्तविक वोटर का नाम नहीं काटा जा सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने दफ्तर में बैठकर लिस्ट फिक्स कर रही है। सीएम ममता ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि ईसीआई का काम निष्पक्ष रहना है, भाजपा कमीशन बनना नहीं। अगर आप (वोटर) अवैध हैं, तो 2024 में आपने जिस सरकार को वोट दिया था, वह भी

अवैध है। उन्होंने मतुआ समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी असली वोटर हैं। आपने 2014 में मोदी सरकार को वोट दिया था। अगर आप अवैध हो गए, तो वह सरकार भी अवैध हो जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर विरोधी रैली में केंद्र और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर के नाम पर बंगाल के लोगों को डराया जा रहा है और यह पूरी कवायद राजनीतिक मकसद से की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा मेरे खेल में मुझसे लड़ नहीं सकती, मुझे हरा नहीं सकती। अगर भाजपा ने बंगाल में मुझ पर हमला करने की कोशिश की, तो मैं पूरे भारत में उसकी नींव हिला दूंगी। इससे पहले, सीएम ममता बनर्जी सड? मार्ग से नॉर्थ 24 परगना जिले के मतुआ बाहुल्य बनगांव पहुंचीं। सीएम ममता ने भाजपा पर साजिश कर हेलीकॉप्टर की उड़ान रोकने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी पार्टी नहीं चाहती थी कि मैं यहां आऊं। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा कि भाजपा को बार-बार कहती हूं, मेरे साथ खेलने की कोशिश मत करो। चाहे जितनी एजेंसियां लगा दो, चाहे पूरी केंद्र सरकार की ताकत लगा दो, मेरे साथ खेल नहीं पाओगे। सीएम ममता ने दावा किया कि चुनाव से पहले पैसे बांटने की कोशिश होगी,लेकिन लोग पैसे ले लेंगे और फिर भी भाजपा को वोट नहीं देंगे।

संसद के शीत सत्र में विपक्ष से न हो टकराव

सरकार ने 30 को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहे संसद सत्र को ठीक ढंग से चलाने के लिए सभी विपक्षी दलों को बातचीत के लिए साथ लाने की कोशिश शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसी कड़ी में संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार इसके जरिए शीत सत्र की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश करेगी।

बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025, जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं। -नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य। -कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना। -सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम- इन तीन पुराने कानूनों को समेटकर एक ही सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल और एक समान होंगे।

अमेरिका के रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर कम्पैशनेट इकोनॉमिक्स की स्टडी में खुलासा

प्राइवेट अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजातों की मौत का खतरा अधिक

नई दिल्ली। भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण इलाकों में प्राइवेट अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों की मौत का खतरा सरकारी अस्पतालों की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक है। यह खुलासा अमेरिका के रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर कम्पैशनेट इकोनॉमिक्स के शोधकर्ता नाथन फ्रांज की नई स्टडी में हुआ है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के 77 हजार डिलीवरी केसेस का विश्लेषण किया गया। इसमें सामने आया कि प्राइवेट अस्पतालों में नवजात मृत्यु दर प्रति 1000 में से 51 है, जबकि सरकारी अस्पतालों में यह सिर्फ आंकड़ा प्रति 1000 पर 32 का है। प्राइवेट अस्पताल चुनने वाली माताएं अधिक संपन्न, शिक्षित और बेहतर पोषण वाली होती हैं। इसके बावजूद उनके बच्चों का जोखिम अधिक है। इसका मुख्य वजह है कि प्राइवेट अस्पताल ज्यादा कमाई के लालच में गैर जरूरी मेडिकल इंटरफेरेंस करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, किसी जिले के बॉर्डर के दोनों ओर बसे गांव, जो सामाजिक-आर्थिक तौर पर एक जैसे हैं, लेकिन प्रशासनिक दूरी की वजह से अलग-अलग अस्पतालों पर निर्भर हैं, वहां नवजात मौतों में बड़ा अंतर है। जहां प्राइवेट अस्पतालों तक पहुंच आसान होती है, वहां डिलीवरी का झुकाव 8 प्रतिशत ज्यादा प्राइवेट सेंटर्स केंद्रों की ओर हो जाता है और इसके साथ नवजात मौतें 11 प्रति 1000 तक बढ़ जाती हैं। यह फर्क माताओं की स्वास्थ्य स्थिति से नहीं, बल्कि निजी अस्पतालों में होने वाली गलत प्रक्रियाओं से पैदा होता है। बिहार के निजी केंद्रों में बच्चे को जन्म के तुरंत बाद मां से अलग करने की दर यूपी से भी अधिक है।

प्राइवेट अस्पताल में डिलीवरी ज्यादा

रिपोर्ट के अनुसार, यूपी के ग्रामीण जिलों जहां भी प्राइवेट अस्पताल का उपयोग बढ़ा, वहां नवजात मृत्यु दर भी समान रूप से बढ़ जाती है। किसी गांव में प्राइवेट अस्पताल में डिलीवरी का प्रतिशत सिर्फ 10 प्रतिशत बढ़ जाए, तो नवजात मौतें 3 प्रति 1000 तक बढ़ जाती हैं। हैरानी यह भी है कि यहां के परिवार औरों से ज्यादा संपन्न और शिक्षित हैं। यूपी के प्राइवेट अस्पतालों में जन्म के तुरंत बाद मां-बच्चे को अलग करने की दर लगभग 35 प्रतिशत है, जबकि सरकारी अस्पतालों में यह 25 प्रतिशत है। यह अलगाव ही वह पहला कदम है, जिससे अनावश्यक हस्तक्षेपों का सिलसिला शुरू होता है (गलत तरीके से वार्मर लगाना, अत्यधिक दवा, शुरुआती नहलाना) जो सीधे नवजात बच्चों की जान पर भारी पड़ता है।

तो 1.1 लाख नवजातों की बच सकती है जान

ग्रामीण भारत में प्राइवेट अस्पतालों में डिलीवरी नवजातों के लिए खतरनाक है क्योंकि वे माताओं का स्वास्थ्य नहीं, बल्कि निजी अस्पतालों के ज्यादा सेवाएं ज्यादा कमाई मॉडल पर आधारित है। तमाम कमियों के बावजूद सार्वजनिक अस्पताल में डिलीवरी को अधिक प्राकृतिक और सुरक्षित रखा जाता है। न बच्चे को तुरंत अलग किया जाता है और न ही अनावश्यक दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर प्राइवेट अस्पताल सरकारी अस्पतालों की तरह काम करने लगें, तो यूपी-बिहार में हर साल 37,000 से ज्यादा नवजातों की जान बच सकती है। सिर्फ अस्पताल बदल देने से यूपी-बिहार में हर साल 1.1 लाख से ज्यादा नवजातों की जान बच सकती है। सबसे आसान सुधार यह है- प्राइवेट अस्पतालों में अनावश्यक हस्तक्षेप रोकें और कमाई मॉडल खत्म करें।

एसआईआर सबसे बड़ा चुनावी घोटाला, देश में 17 बीएलओ की मौत-संजय सिंह

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला बता दिया है। संजय सिंह ने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है, जबकि 563 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई और हजारों परिवार भय और उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं।

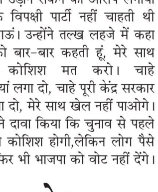

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव डेड़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की सुनियोजित साजिश? संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय पर सरकार जानबूझकर चुप है और नकली मुद्दों के जरिए जनता को भ्रमित करना चाहती है। आप सांसद ने कहा कि बीजेपी सरकार की तानाशाही और एसआईआर जैसे चुनावी घोटालों के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी इसे पूरी ताकत से उठाएगी।

संजय सिंह ने कहा कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक लाखों वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए है। एक ही विधानसभा में 50-60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि रिटायर्ड आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया है। क्या इसका मतलब है कि वे भी घुसपैठिए हैं? उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त अज्ञानेश कुमार बीजेपी सरकार के एजेंडा को पूरा करने में इतनी तेजी दिखा रहे हैं कि सरकारी कर्मचारी आत्महत्या तक करने लगे हैं। यह प्रशासनिक नहीं, राजनीतिक निर्देश है और इसके लिए चुनाव आयोग सीधा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 17 बीएलओ की मौत पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

पाथरगांव के आक्रोषित ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट गेट पर 3 घंटे प्रदर्शन

सरपंच पर आर्थिक शोषण, अवैध वसूली, अनियमितता का लगाया आरोप ,जांच व कार्रवाई की मांग

सिटी रिपोर्टर ।
पदमेश न्यूज। बालाघाट ।

आज ग्राम पाथरगांव के ग्रामीणों ने वर्तमान सरपंच पर आर्थिक शोषण, अवैध वसूली, अनियमितता और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं में अवैध राशि की मांग की जाती है, और पैसा न देने पर पात्र लोगों के नाम सर्वे से हटाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सड़क और सभामंच निर्माण में भारी अनियमितताएं की गई हैं, जिसके कारण केवल दो वर्षों में ही निर्माण कार्य जर्जर होने लगे हैं। इसी तरह ग्रामीणों ने सरपंच पर नए पंचायत भवन का निर्माण पुराने भवन की जगह न कराकर अपने टोले में करवाने की कोशिश का भी आरोप लगाया है।

इन्हीं सभी मुद्दों को लेकर ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर कार्यालय के गेट पर लगभग दो से तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कोतवाली थाने का पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों को शांत कराया। ज्ञापन लेने पहुंचे डिप्टी कलेक्टर को भी प्रदर्शन के दौरान लगाए गए गेट के ताले खुलने का इंतजार करना पड़ा, जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा।

लांजी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाथरगांव के लगभग एक सैकड़ा ग्रामीण 25 नवंबर को जिला मुख्यालय पहुंचे, यहां उन्होंने गांव के सरपंच के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जनपद सदस्य युवराज पटेल ने बताया कि ग्राम पंचायत पाथरगांव के सरपंच अरुण कबीरे द्वारा पिछले कुछ वर्षों से पंचायत के विकास कार्यों में अनियमितताएं की जा रही हैं। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर हितग्राहियों से राशि वसूली जाती है और आम जनता को परेशान किया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत भवन का निर्माण उसके पुराने स्थान पर न कराकर दूसरी जगह किए जाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि ग्राम के अधिकांश ग्रामीण इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं और चाहते हैं कि नया पंचायत भवन पूर्व स्थान पर ही बनाया जाए। जनपद सदस्य ने आरोप लगाया कि सरपंच कुछ लोगों के साथ मिलीभगत कर पंचायत भवन के स्थानांतरण का निर्णय जबरन लागू करने की कोशिश कर रहा है, जिससे ग्रामीण अत्यधिक परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि ग्राम पंचायत में हुए सभी विकास कार्यों तथा शासकीय योजनाओं के लिए ग्रामीणों से ली गई राशियों की जांच कराई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर जांच और कार्रवाई नहीं की गई तो ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कलेक्टर कार्यालय के गेट पर हुआ प्रदर्शन

ग्रामीणों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचे तोमेश्वर राहंगडाले ने बताया कि ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में हो रही अनियमितताओं और हितग्राहियों से राशि वसूले जाने की शिकायत उनसे की थी। जिसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक लगभग एक सैकड़ा ग्रामीणों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर गेट के बाहर लगभग 2 से 3 घंटे तक प्रदर्शन किया। ज्ञापन सौंपते समय उन्होंने एसडीएम, अपर कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर को सरपंच द्वारा किए जा रही अनियमित कार्यों की जानकारी देकर मांग की कि सरपंच पर जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, अन्यथा वे तत्काल उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इधर प्रदर्शन उग्र होता देख कोतवाली पुलिस दलबल के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराकर प्रदर्शन समाप्त करवाया। वहीं ज्ञापन लेने पहुंचे डिप्टी कलेक्टर को प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर कार्यालय का गेट बंद होने की वजह से कुछ समय गेट खुलने का इंतजार करना पड़ा, जिसका दृश्य मौके पर मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

जल उपयोगिता समिति के फैसले का विरोध-27 को सड़क पर उतरेंगे किसान

पद्मेश न्यूज। कटंगी। विधानसभा क्षेत्र कटंगी-खैरलांजी के किसान 27 नवंबर को दो राज्य की सीमा में बसे तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। पठार संघर्ष समिति और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने जल उपयोगिता समिति के फैसले का विरोध करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों से फैसला वापस लेने की मांग को लेकर बोनकट्टा में बैठक करने का फैसला लिया है। इसे ही किसान आंदोलन का नाम दिया गया है। गत दिवस 30 अक्टूबर को जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न हुई थी। इस बैठक में लघु, मध्यम और वृद्ध सिंचाई परियोजनाओं में पानी की उपलब्धता के आधार पर रबी के सीजन में धान के लिए पानी दिया जाना संभव नहीं है यह भी तय करते हुए केवल रबी की प्रमुख फसल गेहूं, चना, उड़द, सूरजमुखी और कुसुम को ही पानी आंवटित करना सुनिश्चित किया गया है। इस फैसले का किसानों के द्वारा जमकर विरोध किया जा रहा है। दरअसल, कटंगी की मध्यम सिंचाई परियोजना नहलेसरा, जमुनिया जलाशय और तिरोड़ी तहसील के ग्राम कुड़वा में स्थापित दो राज्यों की संयुक्त सिंचाई परियोजना के लिए बने कुड़वा डैम के जरिए रबी के सीजन में मिलने

वाले पानी से किसान धान और गन्ने का उत्पादन करते है। लेकिन बैठक में समिति ने धान के लिए पानी नहीं दिए जाने का फैसला ले लिया है जिससे धान उत्पादक किसान बेहद चिंतित और परेशान है इसी तरह का डर पठार अंचल के करीब 20 से अधिक गांवों के गन्ना उत्पादक किसानों में भी है।

किसानों के आंदोलन के फैसले के बाद गत प्रशासनिक अमले से लेकर राजनीतिक महकमे में भी हलचल मची हुई हैं। किसानों के आंदोलन की सूचना मिलते ही विधायक ने भी जल संसाधन सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली। आंदोलन की इस चेतावनी के बाद कृषि विभाग डिप्टी डायरेक्टर फूलसिंह मालवीय, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एच.सी. डहेरिया, कृषि विस्तार अधिकारी महेंद्र मर्सकोले ने 22 नवंबर को पठार अंचल के गांवों का दौरा किया। इन अधिकारियों ने आंजनबिहरी में पठार संघर्ष समिति संयोजक सरपंच दीपक पुष्पतोड़े और किसानों के साथ चर्चा भी की। अधिकारी किसानों को यह समझते रहे कि वह रबी के सीजन में हल्की फसल का उत्पादन करें लेकिन किसानों ने साफ कर दिया है कि वह विभाग द्वारा चिन्हित की गई फसलों का उत्पादन करने में पूरी तरह से असमर्थ हैं। किसानों ने तो यहां तक कहां है कि अगर विभाग द्वारा चिन्हित फसल लगाकर अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है तो विभाग ही किसानों की जमीन को ठेके पर लेकर फसल का उत्पादन कर ले। आखिरकार किसानों के इस जवाब के बाद अधिकारी निरूत्तर होकर वापस लौट गए।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर ने बताया कि नहलेसरा और जमुनिया से मिलने वाले पानी से क्षेत्र का किसान धान का उत्पादन करते है। गेहूं-चना लगाने के लिए किसानों को खरीफ के सीजन में लगने वाली प्रमुख फसल धान की कटाई के बाद ही जमीन तैयार करनी पड़ती है। किंतु बड़ी संख्या में किसान ऐसा ना करते हुए धान का उत्पादन करते है। किसानों को खेती के लिए भी जो बिजली प्रदान करना तय किया गया है उसके वितरण की प्रणाली की व्यवस्था ठीक नहीं है एक साथ बिजली प्रदान ना कर अलग-अलग वक्त में बिजली दिए जाने से भी किसान परेशान है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, में मनाया गया गुरु तेगबहादुर का 350वां शहीदी दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, 24 नवंबर को सिखों के नौवें गुरु श्री तेगबहादुर का 350वां शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, द्वारा कार्यक्रम का प्रारंभ गुरु तेगबहादुर जी और देवी सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। विशिष्ट अतिथियों ने सिख धर्म, गुरु नानक देव जी के सच्चे सौदा और लंगर सेवा के उद्भव पर प्रकाश डाला। गुरुदयाल सिंह भाटिया ने सिख गद्दी की जानकारी देते हुए स्कूल-कॉलेज पाठ्यक्रम में सिख इतिहास शामिल करने की मांग की। कमलजीत सिंह छाबड़ा ने देश की रक्षा में सिख समाज के योगदान को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता हीरा सिंह छाबड़ा ने गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान को याद करते हुए युवाओं से संस्कृति को बचाने का आह्वान किया। डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने सर्वधर्म समभाव और एकता पर जोर दिया। अंत में सभी ने गुरुजी को श्रद्धांजलि दी और उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कंचन मसराम ने किया। गुरुद्वारा सिंग सभा बालाघाट के अधिकारीगण, मुख्य अतिथि हीरासिंह भाटिया, विशिष्ट अतिथि श्री कमलजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह सलूजा, डॉ. पी.एस. कातुलकर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. सीमा श्रीवास्तव और सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया।

In The Court Of Manish Kumar Singh,I Civil Judge Senior Division,District Court,Balaghat

Presiding Officer: मनीष कुमार सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000020/2025)

हरिदास चौरे....................................आवेदक

Vs

प्रवीण अहिंगारे..................................अनावेदक

T-2934
प्रक्रिया आईडी-/2025
पेशी तारीख- 19/12/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता (जो भी आपत्तिकर्ता हो) पता- आम जनता
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक **हरिदास चौरे** पता वार्ड नंबर 8 कटिंगटोला आवलाझरी जिला बालाघाट ने मृतक अरूणा अहिंगारे का म प्र ग्रामीण बैंक की शाखा बिरसा में खाता क्रमांक 20186101000881 में जमा राशि रुपए 400000/- राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 19 **December** 2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 19 December 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 20 **November** 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड
बालाघाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी शहर के अर्जुननाला में स्थित शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में मंगलवार को ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण अंचलों में पारम्परिक तौर पर खेले जाने वाले खेल जैसे रस्साकशी, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें

कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केसर बिसेन के मुख्य आतिथ्य, विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज, कानपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ अनिल द्विवेदी बतौर अतिथि के रूप में शामिल हुए। इन अतिथियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र का पूजन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाएं छिपी हुई होती है उन्हें निखारने की जरूरत होती है। स्कूल से लेकर कॉलेज में होने वाले आयोजन यहीं काम करते है। डॉ अनिल द्विवेदी ने कहा कि कॉलेज स्तर पर आयोजन होने वाली प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को विकासखंड से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक खेलने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार अग्रसर है। विद्यार्थियों ने इन खेलों को अत्यंत उत्साह और पूरे जोश के साथ खेलते हुए खेल भावना का परिचय दिया। खेलों के दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सभी विद्यार्थी अपने बचपन की सुनहरी यादों में लौट आए हों। इस दौरान आदित्य बिसेन, सहायक प्राध्यापक उमाशंकर देशमुख, सहर जावेद, सुभाष नंदी, ओम राजपुत, एन.के.पटले सहित अन्य जन मौजूद रहे।

वार्षिक सम्मेलन में पेंशनर्स का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा कटंगी द्वारा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन पंवार सदन के सभागार में किया गया, जिसमें तहसील के पेंशनर्स साथियों का भावपूर्ण स्वागत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डी. सी. चौधरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एम. एल. पटले और विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त संयुक्त कलेक्टर जी. एल. पटले, सेवानिवृत्त वन संरक्षक अरुण कुमार वाहने और प्रांतीय उपाध्यक्ष ए. एल. मोहारे रहे। सम्मेलन में लांजी एवं तिरोड़ी शाखा के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता दी। उद्बोधन के दौरान वक्ताओं ने पेंशनर्स की एकजुटता, संगठन की मजबूती, स्वास्थ्य जागरूकता और वेतन आयोग संबंधी सतर्कता पर जोर दिया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। साथ ही तहसील शाखा कटंगी द्वारा 150 से अधिक पेंशनर्स साथियों को शाल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष डी. सी. चौधरी ने सभी पेंशनर्स साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन के साथ सक्रिय बने रहने की अपील की।

सेंट मैरी इंग्लिश स्कूल का वार्षिक उत्सव संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विघार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भटेरा चौकी सेंट मैरी इंग्लिश स्कूल द्वारा मंगलवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। नगर के रेंजर कॉलेज मैदान में आयोजित इस एक दिवसीय वार्षिक उत्सव में स्कूल के एनसीसी कैडेटस ने परेड की शानदार प्रस्तुति दी तो वही स्कूली बच्चो के बीच विभिन्न प्रकार के खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जिसमें स्कूल के करीब 1100 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने भीतर छुपी विभिन्न प्रतिभाओं को पेश किया।आयोजित इस वार्षिक उत्सव की शुरूआत अतिथियों के आगमन के साथ की गई।इसके उपरांत स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने परेड की शानदार प्रस्तुति देकर अतिथियों को सलामी दी। इसके उपरांत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का दौर शुरू हो गया।जिसमें स्कूली बच्चों ने 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में भाग लिया, तो वही रस्सा खींच, डेस्ट ऑन डेस्ट, रिले रेस, लंगडी दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बीच संपन्न कराई गई। वही स्कूली बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर अतिथियों सहित अभिभावकों का दिल जीत लिया और जमकर तालियां बटोरी।आयोजित वार्षिक उत्सव के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी, खेल अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी, सेंट मैरी इंग्लिश स्कूल प्रबंधक फादर जयप्रकाश, सिस्टर पावना ,फादर नरेंद्र,सिस्टर अंजना, सिस्टर रंजीता, और सिस्टर संध्या सहित अन्य स्कूली स्टाफ के अलावा अलग-अलग स्कूलों के प्रबंधक व प्राचार्य भी इस वार्षिक उत्सव में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सावरी गाँव में 11 एकड़ सरकारी भूमि की बिक्री का आरोप!!

गांव से लगे जंगल की शासकीय भूमि अपने नाम कर रहे कथित बिक्री

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

भूमि पर अतिक्रमण से जुड़ा ताजा मामला खैरलांजी जनपद पंचायत के ग्राम सावरी से सामने आया हैं।यहां ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के साथ ही अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ही परिवार से सम्बंधित कुछ लोगों ने करीब 11 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण कर ,उक्त भूमि को अपने नाम करवा लिया है। जबकि 2016-17 की गीरदावरी में उक्त भूमि जंगल की शासकीय भूमि बता रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि कब्जाधारी लोगो द्वारा अब उक्त भूमि की धड़ल्ले से कथित बिक्री की जा रही है। जिस पर आपत्ति लगने के बावजूद भी अब तक मामले की जांच न होने पर ग्रामीण प्रशासन से काफी नाराज है और उन्होंने ज्ञापन सौपते हुए मामले की जांच कर, शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने और दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

61 एकड़ में से 11 एकड़ की भूमि पर किया गया कब्जा

खैरलांजी तहसील ,ग्राम सावरी के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि की कथित कब्जा व बिक्री का आरोप लगाते हुए शिकायत के बावजूद भी कार्यवाही न होने पर कड़ी आपत्ति जताई है ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में 61 एकड़ 21 डिसमिल शासकीय भूमि है।जो रिकार्ड में शासकीय जंगल है,जिसमें से 11 एकड़ 40 डिसमिल भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर फर्जी तरीके से अपना नाम दर्ज कर लिया है।यह भूमि सरकारी रिकॉर्ड में शासकीय दर्ज है, फिर भी इसे नौ व्यक्तियों के नाम पर कर, उसे बेचे जाने की कोशिश की गई है। इस मामले में तहसील कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय न होने से ग्रामीणों में गहरा रोष है।

शासकीय जमीन को अपने नाम कैसे कर लिए-मोहनलाल बनोटे

ग्रामीणों के साथ शिकायत करने कलेक्ट्रेट पहुंचे पूर्व सरपंच मोहनलाल बनोटे ने बताया कि सावरी गांव में स्थित जमीन शासकीय भूमि है, लेकिन अचानक ही वह जमीन दस्तावेजों में लगभग नौ लोगों के नाम पर दर्ज दिखाई देने लगी। वह लोग अब उसकी बिक्री कर रहे हैं। हमने तहसील खैरलांजी में इस पर आपत्ति लगाई है। आपत्ति के आधार पर रजिस्ट्री को रुकवा दिया गया है, लेकिन उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।हम यह जानना चाहते हैं कि शासकीय भूमि आखिर किन परिस्थितियों में निजी नामों पर दर्ज हो गई।

यदि शासकीय भूमि इस प्रकार निजी व्यक्तियों को दी जाती रही, तो गांव की सामुदायिक संपत्तियों को भारी नुकसान होगा।हमारी मांग है कि उक्त शासकीय भूमि की पूरी जांच कराई जाए, उन नौ लोगों के नाम दर्ज होने की प्रक्रिया की जांच की जाए, कराई जा रही रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त किया जाए और भूमि को पुनः शासकीय दर्ज किया जाए। जब तक मामले का उचित निराकरण नहीं होता, वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

बेटी और पत्नी के साथ मिलकर महिला से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिचोली में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ मिलकर एक महिला को मारपीट कर घायल कर दिए घायल महिला मीरा पति रामदास ठाकरे 47 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने इस महिल के गांव के महादेव पिता पतिराम सुरपाम, उसकी पत्नी लीला पति महादेव सुरपाम और बेटी उलझा पति ईश्वर के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज कर किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीरा ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। मीरा ठाकरे और महादेव के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। महादेव और उसकी पत्नी लीला ने मीरा ठाकरे की दूसरी बंधी में जबरदस्ती कब्जा कर रखे हैं। तीन दिन पहले दोपहर 12ः00 बजे मीरा ठाकरे ने धान के करीब 50 बोझे बांधकर अपनी दूसरी बंधी में रख कर आई थी। तभी महादेव की बेटी उलझा आई और उसने धान के बोझे उठाकर मीरा ठाकरे की पहली बंधी में लाकर फेंक दी थी। मीरा ठाकरे ने उसे बोली की मेरे धान के बोझे क्यों फेंक रही है। और उसने उलझा को बोले कि तुम लोगों ने हमारी बंधी में जबरदस्ती कब्जा करके रखे हो। किसी को लेकर उलझा और उसका पिता महादेव, मीरा ठाकरे को अश्लील गालियां देने लगे तभी महादेव की पत्नी लीला भी वहां पर आ गई और तीनों ने मिलकर मीरा ठाकरे को अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए और हमारी बंधी में आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में मीरा ठाकरे घायल हो चुकी थी जिसने घर जाकर घटना के संबंध में अपने पति रामदास ठाकरे को बताएं और रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची खैरलांजी पुलिस ने मीरा ठाकरे का इलाज और मुलाहिजा वहीं के अस्पताल में करवाये और मीरा ठाकरे द्वारा की गई रिपोर्ट पर महादेव सुरपाम उसकी पत्नी लीला सुरपाम और बेटी उलझा के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

कलेक्टर ने ली शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 25 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। छात्रवृत्ति से संबंधित ओटीआर, आवास सहायता योजना, ओबीसी, एसटी, एससी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर व शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह के भीतर ओटीआर रजिस्ट्रेशन पूर्ण करायें। सीएम हेल्पलाइन की समस्याओं का निराकरण शीघ्र करें और छात्रवृति पोर्टल 2.0 बंद होने की स्थिति में सहायक आयुक्त को निर्देशित किया गया कि महाविद्यालय के लंबित समस्त प्रकरण ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त कर स्वीकृति संबंधी आगामी कार्यवाई करें। इसके अतिरिक्त प्रतिभा किरण, गांव की बेटी आदि योजनाओं की भी समीक्षा की गई और समन्वय बनाकर लंबित प्रकरणों का निराकरण करने कहा गया।

बैठक में छात्रों की छात्रवृत्ति संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई और ओटीआर के संबंध में लंबित प्रकरणों की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री मीना ने लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के हित में जल्द से जल्द कार्यवाई की जाए और लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। सहायक आयुक्त को छात्रवृत्ति पोर्टल-2.0 के लंबित प्रकरणों की जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए गये।

जिले में 2333 छात्रा ओटीआर के लिए लम्बित है जिसे निराकरण के निर्देश दिये गये हैं। जिसमें एसटी के छात्र- छात्राओं को 6 हजार 900 रुपये कि आवास सहायता राशि का लाभ मिल रहा है वही मुख्यालय पर 1 हजार 250 रुपये एवं तहसील मुख्यालय पर 1 हजार रु आवास सहायता की राशि दी जा रही है, और 6673 छात्रों ने छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया है।

ग्राम मंझारा में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ महिलाओं का विरोध

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मंझारा की आधा दर्जन से अधिक महिलाओं ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर शराबबंदी की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण महिलाओं ने गांव में बढ़ती अवैध शराब बिक्री को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण महिला विमला सहारे ने बताया कि गांव में अवैध शराब की बिक्री तेजी से बढ़ रही है, जिसके कारण गांव का माहौल बिगड़ता जा रहा है। शाम होते ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

लग जाता है, लोग नशे में सड़कों पर गुजरने वालों के साथ गाली-गलौज करते हैं और आए दिन विवाद की स्थिति बन जाती है। महिलाओं ने कहा कि शराबखोरी के कारण युवा पीढ़ी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और घरों में कलह बढ़ रही है। महिलाओं ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में बिक रही अवैध शराब पर रोक लगाई जाए तथा ऐसे कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे गांव में शांति और सुरक्षित माहौल स्थापित हो सके। महिलाओं का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

आजादी के बाद पहली बार गांव में बन रही पक्की सड़क

20 वर्षों से संघर्ष को मिली सफलता, स्वीकृत हुआ पक्का मार्ग, करीब 1.04 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा कोहकाडीबर से पेंडईरी मार्ग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती और अपनी मांग को लेकर किया गया संघर्ष एक न एक दिन जरूर फल देता है।यह कहावत जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोहकाडीबर और पेंडईरी के प्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने एक बार फिर सिद्ध करके दिखा दिया है। जहां के स्थानीय ग्रामीण कोहकाडीबर से लेकर पेंडईरी तक के मुख्य मार्ग का पक्का निर्माण किए जाने की मांग पिछले कई वर्षों से कर रहे थे,बताया गया की आजादी के बाद से उक्त मार्ग का पक्का निर्माण नहीं कराया गया था, जिसके चलते स्थानीय लोगों को आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। तो वही कोहकाडीबर, पेंडईरी सहित आसपास के अन्य गांव के ग्रामीण भी उक्त कच्चे व ऊबड़खाबड़ मार्ग से काफी परेशान थे। जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार आवेदन निवेदन व ज्ञापन देकर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा था लेकिन शासन प्रशासन ने पक्की सड़क की उनकी यह मांग पूरी नहीं कि थी। यहां तक की ग्रामीण और स्थानीय प्रतिनिधियों ने भोपाल पहुंचकर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की थी, बावजूद उसके भी अब तक उनकी इस मांग को पूरा नहीं किया गया था।जिसके चलते ग्रामीण काफी परेशान थे।जिन्होंने अपनी इस मांग को लेकर पिछले वर्ष चक्काजाम आंदोलन कर, सामूहिक भू हड़ताल भी की थी। करीब 20 वर्षों से सड़क की मांग को लेकर चले आ रहे इस संघर्ष का परिणाम यह रहा कि मध्य प्रदेश शासन ने अपने बजट में इस मार्ग को बनाए जाने की स्वीकृति दे दी, जहां पानी निकासी के लिए दो पुलिया और कोहकाडीबर से पेंडईरी गांव के बीच पक्की सड़क की सौगात दी गई है। जिसका बुधवार को भूमि पूजन कर गुरुवार से पक्का मार्ग बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा।जिसकी जानकारी मिलते ही स्थानिक ग्रामीणों में खुशियों का माहौल है। जिन्होंने ग्रामीणों के इस संघर्ष पर हर्ष व्यक्त करते हुए पक्की सड़क की सौगात मिलने पर मंगलवार को एक दूसरे को मिठाई खिलाकर,अपनी खुशी का इजहार किया। तो वहीं उन्होंने इस उपलब्धि को 20 वर्षों का कड़ा संघर्ष बताया है।

केवल हम ही नहीं समस्त ग्रामीण खुश हैं

चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीण पार्वतीबाई और कक्षा ग्यारहवीं के छात्र गगन मस्करे ने संयुक्त रूप से बताया की पहले कोचिंग जाने में बहुत परेशानी होती थी। साइकिल से कई बार गिर जाते थे। ग्रामीण और आसपास की जनता को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यहां तक की गाड़ा बैल भी इस मार्ग से नहीं जा पाता था। अभी यह मार्ग बन रहा है इसीलिए सभी लोग खुश हैं। सरपंच ने भी इसके लिए बहुत प्रयास किया है।

कल से शुरू होगा मार्ग का निर्माण- सुरेश नगपुरे

पूर्व सरपंच सुरेश नगपुरे ने बताया कि हम लोगों ने रोड के लिए काफी संघर्ष किए हैं,चक्काजाम भूखहड़ताल आंदोलन किए हैं जिसका परिणाम है कि इस मार्ग को पक्का बनाए जाने की स्वीकृति मिली है। पूर्व सरपंच व सरपंच प्रतिनिधि आतीश लिल्हारे ने भी इस मार्ग के लिए कड़ा संघर्ष किया है। तब कहीं जाकर इस मार्ग को पक्का किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।जिसका बुधवार को भूमि पूजन होना है।गुरुवार से मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इससे आसपास के विभिन्न गांव के लोगों को सुविधा मिलेगी।

मार्ग के लिए करना पड़ा कड़ा संघर्ष -आतीश लिल्हारे

पूर्व सरपंच आतीश लिल्हारे ने बताया कि उनका गांव बालाघाट गोंदिया के केंद्र में पड़ता है।आजादी के बाद से यहां पक्की सड़क नहीं बनाई गई थी, जिससे गड्ढे भरे रास्ते से लोगों को आवागमन करना पड़ता था करीब 20 - 25 वर्ष पहले अस्थाई रूप से पत्थर की रोड बना दी गई थी लेकिन उसे पक्की नहीं किया जा रहा था। इस मुख्य मार्ग से ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी होती थी। बच्चे भी स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बार स्कूल वैन पलटते हुए बची थी। लगातार इस मार्ग पर हो रहे हादसो को देखते हुए गांव की जनता के साथ कई बार आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौपा गया था, यहां तक की तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल आवास पहुंचकर उन्हें ज्ञापन दिया गया था। लेकिन इस मार्ग को स्वीकृति नहीं मिल पा रही थी। सड़क निर्माण की मांग को लेकर चक्काजाम आंदोलन व भूख हड़ताल की गई है हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिलता था। उस समय विधायक मधु भगत ने भी विधायक निधि से उक्त मार्ग को बनाने की घोषणा की थी,और हमारा आंदोलन समाप्त कराया था। आज 20 वर्ष बाद हमारे इस संघर्ष को सफलता मिली है, कल मार्ग निर्माण का भूमि पूजन भी होना है और परसों से काम शुरू हो जाएगा इस बात की समस्त ग्रामीणो में खुशी है।

दहेज में 2 लाख रुपए, मोटरसाइकिल और सोने के जेवरात की मांग करने का आरोप

महिला के पति ससुर जेठ देवर सहित पांच लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र से महाराष्ट्र राज्य में बिहाई एक महिला ने अपने पति, ससुर, जेठ,देवर, चाचा ससुर के विरुद्ध दहेज में दो लाख रुपए, मोटरसाइकिल और सोने की जेवरात की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाई। खैरलांजी पुलिस ने इस 26 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रितेश लिल्हारे,ससुर बबूतलाल लिल्हारे, देवर कितेश लिल्हारे, पिंकेश लिल्हारे और चाचा ससुर मन्नूलाल लिल्हारे सहित पांच लोग सभी ग्राम पिपरिया सावरा थाना तिरोड़ा गोंदिया महाराष्ट्र के निवासी के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 मार्च 2023 को इस महिला की शादी ग्राम पिपरिया (सावरा) निवासी रितेश लिल्हारे के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। इस महिला का पति रितेश लिल्हारेअडानी कंपनी तिरोड़ा में काम करता है। विवाह के समय इस महिला को उसके माता-पिता और रिश्तेदारों ने अपनी हैसियत से दैनिक उपयोग के सामान दिए थे। शादी के बाद यह महिला अपने पति के घर ग्राम पिपरिया सावरा में रहने लगी थी। शादी के कुछ दिन तक उसे ठीक से रखा गया।किन्तु शादी के दो माह बाद इस महिला से उसके चाचा ससुर मुन्नालाल ने कहा कि तुम्हारे ससुर की तबीयत खराब है। जिसके इलाज के लिए रुपए की जरूरत है। हमने तुमको जो सोने चांदी की जेवर गहने दिए थे। वह वापस कर दो ,तब इस महिला ने ससुराल पक्ष से दिए गए सोने चांदी के जेवर जिनमे छल्ला, अंगूठी, दो मंगलसूत्र, करधन और पैजान, पायजेब अपने चाचा ससुर मुन्नालाल लिल्हारे को अपने पति रितेश लिल्हारे के सामने वापस कर दी थी। उसके बाद इस महिला को उसके ससुराल के लोग सामान कम लाई है कहकर ताने और गालियां देने लगे थे। महिला का पति रितेश लिल्हारे आए दिन शराब पीकर उसे गालियां देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था यहां तक की उसे मारपीट भी करते रहता था। और मायके से 2 लाख रुपये नगद, एक मोटरसाइकिल, एक सोने का हार, एक जोड़ी सोने के झुमके की मांग करने लगा और मांग पूरे होने पर अच्छे से रखने कहने लगे। मार्च 2024 में यह महिला अपने पिता के घर आई और ससुराल पक्ष द्वारा की जा रही दहेज की मांग के संबंध में अपने माता-पिता को बताई। इस संबंध में मीटिंग भी रखी गई थी। मीटिंग में महिला के पति और चाचा ससुर और ससुर भी आए थे। मीटिंग में इन लोगों को समझाया गया। जिसके बाद महिला को रितेश लिल्हारे अच्छे से रखूंगा कहकर अपने साथ लेकर गया था। किंतु एक माह बाद पुनः दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने लगे और उसे जान से मारने की धमकी देने लगे थे।डर के कारण 24 मई 2025 को यह महिला अपने मायके आ गई आ गई। 4 सितंबर को सुबह 11ः00 बजे इस महिला का पति रितेश लिल्हारे,ससुर बबूतलाल लिल्हारे, बड़े भाई कितेश लिल्हारे छोटा भाई पिंकेश लिल्हारे चाचा मन्नूलाल लिल्हारे के साथ महिला के मायके आए और इस महिला को 2 लाख रुपये, एक मोटरसाइकिल सोने के जेवर लेकर अभी तक क्यों नहीं आई कहकर सभी गालियां देने लगे। वहीं पर इस महिला को उसके पति रितेश लिल्हारे ने हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा।जिसका बीच बचाव उसके मम्मी पापा ने किया और इन लोगों ने इस महिला को बिना रुपए और सामान के आने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चले गए। इस घटना की रिपोर्ट इस महिला ने तुरंत नहीं की थी।। हाल ही में इस महिला ने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचकर रिपोर्ट की थी। खैरलांजी पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर पति रितेश लिल्हारे ससुर बबूतलाल लिल्हारे जेठ कितेश लिल्हारे देवर पिंकेश लिल्हारे और चाचा ससुर मन्नू लाल लिल्हारे के विरुद्ध इस महिला को दहेज की मांग को लेकर मारपीट जान से मारने की धमकी देकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

रतनजोत का फल खाने से तीन बच्चे बीमार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मरी में रतनजोत वृक्ष का नशीला फल खाने से तीन बच्चे बीमार हो गए। तीनों बच्चे प्रियांश आमाडारे 5 वर्ष, मयंक भातपिरे 9 वर्ष और अर्थव भातपिरे 3 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

24 नवंबर को दोपहर करीब 4 बजे तीनों बच्चे एक साथ मोहल्ले में खेल रहे थे और खेलते खेलते तीनों बच्चे रतनजोत वृक्ष से नशीला फल तोड़कर खाने लग गए थे। जिन्हें खाते हुए पूनम आमाडारे ने देखी और इन बच्चों के परिवार वालों को बताई। जिसके बाद तीनों बच्चों को उनके परिजनों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

काम के बोझ तले दबी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सांसे !!

एसआईआर का भार और बीएलओं का प्रभार ले गया जान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 11 किमी दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 में पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बूथ नंबर 10 की बीएलओं पर एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) कार्य का दबाव अधिक होने के चलते वह बीमार हो गई थी। जिसका उपचार नागपुर के निजि अस्पताल में चल रहा था। सोमवार की रात करीब 12 बजे उपचार के दौरान हद्यगति रूक जाने से निधन हो गया। इस तरह से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मृत्यु का कारण बीएलओं का अतिरिक्त प्रभार एवं वर्तमान में चल रहे एसआईआर के अत्यधिक कार्य के दबाव को बताया जा रहा है। वहीं बीएलओं श्रीमती अनिता नागेश्वर की एसआईआर के कार्य के दबाव के चलते मानसिक तनाव में आने एवं बीमार हो जाने से उसकी मौत हो जाने की जानकारी लगने पर मंगलवार को अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी ग्राम बोट्टा पहुंचकर मृतिका आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओं के परिजनों से मुलाकात का ढढांस बांधा और कहा कि सभी को एसआईआर का काम दिया गया है लेकिन उनकी तबियत एसआईआर के काम से नही हुआ है, तबियत खराब होने से हुई है। वहीं मृतिका बीएलओं के परिजनों एवं ग्रामीणों ने बीएलओं का अतिरिक्त प्रभार के साथ ही एसआईआर के अत्यधिक काम के दबाव के चलते उनकी की बात कही है एवं मृतिका बीएलओं के बेटी को शासकीय नौकरी देने की मांग प्रशासन से की है।

तीन शहरों में इलाज, फिर भी नही बची जान

आपकों बता दे कि सरकार के निर्देश पर पूरे देश में बीएलओं के माध्यम से एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के चलते बीएलओं पर उ'चाधिकारियों के द्वारा दबाव भी बनाया जा रहा है कि समय पर काम पूर्ण करे। इसी तरह एसआईआर कार्य के लिए बोट्टा के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 में पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 46 वर्षीय श्रीमती अनिता नागेश्वर को गत 15 दिन पूर्व आंगनवाड़ी के नियमित कार्यों के साथ-साथ बीएलओं का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया था। वहीं एसआईआर का कार्य बहुत जटिल है और उक्त कार्य को समय पर करना भी होता है इसलिए वे इस कार्य में व्यस्त थी। जिसके कारण उन्हे अत्यधिक मानसिक और शारीरिक दबाव होने के कारण वे बीएलओं का अतिरिक्त प्रभार मिलने के 4 से 5 दिन बाद उनका स्वास्थ्य खराब हो गया था। जिनका बालाघाट एवं गोंदिया में उपचार किया गया, लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नही आने पर बेहतर उपचार के लिए नागपुर के निजि अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान सोमवार की रात करीब 12 बजे उनका दु:खद निधन हो गया। वहीं ग्राम बोट्टा की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओं श्रीमती अनिता नागेश्वर का निधन होने की खबर लगते ही चित-परिचितों एवं प्रशासनिक अमले में शोक की लहर व्याप्त हो गई। वहीं मृतिका आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का शव ग्राम बोट्टा में पहुंचने पर ग्रामीणजनों की भीड़ लग गई। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भी ग्राम में पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर शोक व्यक्त किया। वहीं परिजनों एवं ग्रामीणजनों का कहना है कि श्रीमती अनिता नागेश्वर को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ बीएलओं का अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद से एसआईआर के काम का दबाव अधिक होने के कारण वह कुछ दिनों से लगातार थकान और अस्वस्थता महसूस कर रही थी। लेकिन विभागीय कार्यों को समय पर पूरा करने के दबाव के चलते वह पर्याप्त आराम नहीं ले पाई और बीमार हो गई। वहीं काम के बोझ के दबाव के चलते उनकी मौत हुई है।

कर्मचारी वर्ग में शोक और रोष व्याप्त

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओं श्रीमती अनिता नागेश्वर की असामायिक निधन की खबर से क्षेत्र के समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं कर्मचारी वर्ग में शोक की लहर के साथ ही रोष भी व्याप्त है। वहीं इस घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए सहयोगी कर्मचारियों ने कहा कि अतिरिक्त जिम्मेदारियों और फिल्ड वर्क का लगातार बढ़ता दबाव कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर विपरित असर डाल रहा है। उन्होंने प्रशासन से अतिरिक्त कार्यभार के संबंध में पुनर्विचार करने और कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा पर ध्यान देने की मांग की है। वहीं अतिरिक्त जिम्मेदारियां और फिल्ड वर्क का अत्यधिक दबाव कई बार कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालता है। अनिता नागेश्वर का निधन इसी दबाव का दु:खद परिणाम है।

नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

मंगलवार को ग्राम बोट्टा के स्थानीय मोक्षधाम में स्व. अनिता नागेश्वर का अंतिम संस्कार शोकाकुल माहौल में किया गया। इस दौरान ग्रामीण, उनके सहकर्मी और जिला प्रशासन के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से दिवंगत आत्मा को श्रध्दांजली दी और ईश्वर से प्रार्थना की है कि इस दु:ख की घड़ी को सहन करने की शक्ति परिवार को प्रदान करें।

परिवार के एक सदस्य को दी जाये अनुकंपा नियुक्ति - मथुरा

मथुराप्रसाद बिसेन ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का चयन पूर्व में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नहीं हुआ था। जिसकी वजह से उन्हें निर्वाचन से संबंधित काम की उतनी अ'छी समझ नहीं थी और अचानक उन्हे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ-साथ उन्हे बीएलओं का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था और एसआईआर का काम करवाया जा रहा था। जिससे वे अत्यधिक मानसिक तनाव में आ गई थी क्योंकि यह काम ऑनलाइन था और इसमें जानकारी अत्यधिक भेजना था, जिससे उनका स्वास्थ्य खराब हो गया था। श्री बिसेन ने बताया कि बीएलओं के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति नही करना चाहिए था बल्कि उनके स्थान पर जो योग्य कर्मचारी है उन्हे दिया जाना चाहिए। काम के दबाव के चलते उनकी मृत्यु हुई है, प्रशासन से मांग है कि मृतिका बीएलओं के परिवार के एक सदस्य को नौकरी दे प्रशासन।

एसआईआर के दबाव के चलते हुई है मृत्यु - व्यंकटराव

बांदरी सरपंच व्यंकटराव राहंगडाले ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनिता नागेश्वर को 15 दिन पूर्व बीएलओं का प्रभार दिया गया था और वर्तमान में एसआईआर का कार्य चल रहा है। उक्त कार्य के दबाव के चलते उनका स्वास्थ्य खराब हो गया और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। साथ ही यह भी बताया कि एसआईआर काम के दबाव के कारण वे मानसिक तनाव में थी जिसके चलते उनकी मृत्यु हुई है, प्रशासन से मांग है कि छोटे कर्मचारियों को काम का दबाव न बनाये।

प्रशासन सौहार्दपूर्वक और सहयोग से करवाये एसआईआर का कार्य - अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की निधन पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। प्रशासन को एसआईआर कार्य करवाने के नाम पर कर्मचारियों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। ऐसे कार्य सौहार्दपूर्वक और सहयोग की भावना से करवाये जाने चाहिए ताकि तनाव जनित घटनाएं न हो। प्रशासन को यदि एसआईआर कार्य करवाना है तो कर्मचारियों को विश्वास में लेकर सौहार्दपूर्वक और सहयोग से करवाये।

तनाव नही बीमारी के चलते हुई है मृत्यु - धुर्वे

अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों को शासन स्तर के दायित्व सौंपे जाते है, जिसका निर्वहन करना उनका कर्तव्य है। यदि कर्मचारी उस काम को अधिक दबाव लेकर करता है जिससे उसके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, उसमें शासन-प्रशासन कुछ नहीं कर सकता, शासन के निर्देशों पर काम करना ही पड़ता है। आगे बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जिसे बीएलओं का भी प्रभार था, उनकी मृत्यु बीमारी के चलते हुई है, न की काम के दबाव के चलते। एसआईआर के काम के दबाव के चलते मृत्यु होने की बात कही जा रही है वह निराधार है।

सफलता की मिसाल

सिलाई से शुरू हुआ सफर, कैंटीन होते हुए ई-रिक्शा तक पहुंचा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की बदौलत ग्राम हीरापुर की श्रीमती पुष्तकला ठकरेले ने वह कर दिखाया, जो कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गया है। कभी सिलाई का काम करके घर-परिवार चलाने वाली पुष्तकला दीदी ने मेहनत, हिम्मत और सही दिशा में उठाए कदमों से न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी, बल्कि अपने परिवार को लखपति परिवार बनने की राह पर भी अग्रसर किया है। बालाघाट विकासखंड के ग्राम हीरापुर की निवासी पुस्तकला ठकरेले ने गरीबी को करीब से देखा है और अभावों के जीवन ने उसे कई तरह के अनुभव भी दिये है। परिवार की आर्थिक स्थिति को बदलने के लिए वह 01 सितंबर 2019 को कल्याणी आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उसमें आत्मविश्वास का संचार हुआ और तभी से उसकी जिंदगी ने नई दिशा पकड़ ली। समूह से जुड़ने के थोड़े समय बाद उन्होंने समूह से रिवाल्विंग फंड की 10 हजार रुपये की राशि लेकर रंगोली व्यवसाय शुरू किया। उसकी लगन एवं मेहनत से इस छोटे से व्यवसाय ने उसे 20 हजार रुपये की आय दिला दी। इस आय ने उसे आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी दिया।

कैंटीन व्यवसाय से मिली मजबूत उड़ान

रंगोली व्यवसाय से मिली सफलता ने पुस्तकला के मन में बड़े सपने जगाए। उसने सीसीएल के माध्यम से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर जनपद पंचायत बालाघाट में 'आजीविका दीदी' के नाम से कैंटीन शुरू किया। कैंटीन शुरू होते ही उसकी मेहनत रंग लाई। कैंटीन से उसे रोज़ाना 02 से ढाई हजार रुपये तक की कमाई होने लगी।

किसान सम्मेलन कार्यक्रम 27 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में किसान संघ लालबर्रा के तत्वाधान में 27 नवंबर को प्रात: 11 बजे से किसान सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में किसान संघ लालबर्रा के पदाधिकारी ठानेन्द्र ठाकरे ने बताया कि 27 नवंबर को लालबर्रा के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में प्रात: 11 बजे से किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन में किसानों की मांगों एवं समस्याओं पर चर्चा की जायेगी। साथ ही सरकार से धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिये जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करवाने की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रभर के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री ठाकरे ने की है।

जनता की सेवा, गांव और नहर का विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता है - अनुभा

कंजई में सीसी सड़क सहित अन्य निर्माण कार्य का किया गया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंजई में सोमवार को विभिन्न विकास कार्यों का विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के हस्ते भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम विधि-विधान से पूजा अर्चना कर राज्यसभा सांसद निधि से आदिवासी हरिजन समुदाय मोक्षधाम पहुंच मार्ग सी. सी. सड़क निर्माण कार्य 5 लाख रूपये की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने प्रधानमंत्री गौण खनिज मद एवं विधायक निधि मद से गांव की कुलदेवी माता माई मंदिर पहुंच मार्ग सी. सी. सड़क एवं रिर्टनिंग वॉल निर्माण कार्य लागत 8 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगात कंजई पंचायत को देते हुए कहा कि विगत दिनों माननीय पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राज्यसभा सांसद से दिल्ली आवास पर सौजन्य भेंट कर क्षेत्र के विकास कार्यों हेतु पत्र सौंपा है। जिस पर माननीय पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह जी ने सहृदय से स्वीकार करते हुए अपनी राज्यसभा सांसद निधि से आदिवासी हरिजन समुदाय मोक्षधाम पहुंच मार्ग पर सी. सी. सड़क

निर्माण कार्य हेतु 5 लाख रूपये की तत्काल स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है और सड़क बन जाने से आने-जाने में सुविधा होगी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि जनता की सेवा, हर गांव, बालाघाट शहर के 33 वार्ड का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है और धीरे धीरे पूर्ण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ढालसिंह भाऊ बिसेन वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व मार्केटिंग अध्यक्ष, अधि. बालकृष्ण बिसेन पूर्व सरपंच, कुशनाजी तुरकर पूर्व उपसरपंच, डॉ. हुकुमचंद ठाकरे पूर्व सोसा, अध्यक्ष, श्रीमती कामिनी बिसेन पूर्व सरपंच, धनेन्द्र भलावी जनपद सदस्य, सुदर्शन बिसेन पूर्व सोसा. अध्यक्ष, शिवलाल भगत, पं. राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, मदन गोपाल श्रीवास, सुरेन्द्र पारधी (समाजसेवी), रमेश मरठे पंडा बाबा, लोकेश बिसेन पूर्व पंच, हरिचंद पंचेश्वर, शिवप्रशाद पन्द्रे पंच, भूमिदानदाता रमेश भीकूलाल बिसेन, सेवा नि. व्याख्यता खोवानंद होलीराम बिसेन, पूर्व उपसरपंच गौरीशंकर कटरे, नंदकिशोर राणा, अशोक राहांगडाले, अनिल बगारे, अधि. आनंद बिसेन सरपंच, जिला सचिव विधिक संरक्षक जिला सरपंच संघ बालाघाट, आशीष बिसेन, श्रीमती अनुराधा तिरेन्द्र कुमरे, तुलसीराम कोडापे, से.नि. डाकघर अधिकारी, श्रीमती आशा मुकाशी, श्रीमती रमा रूपलाल सलामे, मो. फिरोज खान, फूलचंद पंद्रे, बंसी परते, चिन्दूलाल राउतकर, शिवप्रसाद पंद्रे, समाजसेवी फुलचंद (मुन्ना) मदनकर, सुरेश डोगरे, सुन्दरलाल परते, अर्जुन मर्सकुले, कैलाश, सेवकराम इनवाती, राजू वट्टी, सुभाष मडावी,आशीष बिसेन, श्रीमती अनुराधा तिरेन्द्र कुमरे, सचिव, रोजगार सहायक, पंचगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आईरिस और फिंगरप्रिंट के क्लोन से आधार अपडेशन के आरोप में चेतन गिरफ्तार

भरवेली पुलिस ने की कार्यवाही, लेपटाप एवं अन्य सामग्री की जप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पुलिस ने आईरिस और फिंगरप्रिंट का क्लोन तैयार करके देश में व्यक्ति की पहचान आधार का अपडेशन काम करने वाले शातिर आरोपी मोहसिन खान के बाद लालबर्रा से दूसरे आरोपी चेतन मोहारे को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस ने लालबर्रा आधार सेंटर से आईरिस और फिंगरप्रिंट के क्लोन के आधार पर अपडेशन का कार्य में उपयोग सामग्री लेपटाप, आईरिस, हम डिवाइस अन्य अन्य उपकरण जप्त कर लिया है। साथ ही गिरफ्तार आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर वहां से जेल भेज दिया है। आपकों बता दे कि जिले में कुछ लोग गलत तरीके से आधार केन्द्र का संचालन कर आधार अपडेशन का कार्य कर रहे थे। जिसकी शिकायत मिलने पर गत 23 नवंबर को भरवेली पुलिस ने बायोमेट्रिक क्लोन तैयार का आधार अपडेशन का कार्य करने के आरोप में मुख्य आरोपी मोहसिन खान को भरवेली से गिरफ्तार किया था। वहीं पुलिस ने मोहसिन खान को रिमांड में लेकर पूछताछ की तो उसनें पुलिस रिमांड में बताया था कि मानपुर (लालबर्रा) निवासी 25 वर्षीय चेतन मोहारे को उसने आईरिस और फिंगरप्रिंट का क्लोन दिया है, जो भी उसी तरह से आधार अपडेशन का काम कर रहा है। जिसके बाद मंगलवार को भरवेली पुलिस लालबर्रा स्थित सांदीपनी स्कूल के सामने सामुदायिक भवन में संचालित आधार सेंटर पहुंची और आधार सेंटर संचालक चेतन मोहारे को फर्जी तरीके से आधार अपडेशन का कार्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आधार सेंटर संचालक के खिलाफ भरवेली थाने में अपराध क्रमांक 295/2025 धारा 336(3), 341(2), 342(1) के तहत मामला पंबीबध्द कर मंगलवार को न्यायालय में पेशकर वह से जेल भेज दिया है।

वीपीएन का उपयोग करता था

आईरिस और फिंगरप्रिंट का क्लोन तैयार कर आरोपी मोहसिन खान जिले के अन्य क्षेत्रों के परिवार और परिचितों के नाम से आधार का टेंडर लेकर, एक ही जगह से सभी सेंटरों की आधार मशीन, अवैधानिक रूप से भरवेली में अपने कियोस्क सेंटर से आधार अपडेशन का काम कर रहा था। जो आधार कार्ड मशीन का लोकेशन छिपाने के लिए वीपीएन का उपयोग करता था। जिसके खिलाफ की गई शिकायत के बाद भरवेली पुलिस ने 23 नवंबर को मोहसिन खान को गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ में चेतन मोहारे की जानकारी पुलिस को मिली थी। इस तरह से भरवेली पुलिस ने बायोमैट्रिक क्लोन तैयार का आधार अपडेशन का फर्जी तरीके से कार्य करने वाले दो आरोपी को तीन दिनों के अंदर गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जाती है तो इस कार्य में संलिप्त अन्य लोगों के भी नाम सामने आ सकते है और इस बड़े मामले का खुलासा हो सकता है। वहीं भरवेली थाना प्रभारी संजय ऋषिश्वर ने बताया कि क्लोन से आधार अपडेशन के मामले में लालबर्रा आधार केन्द्र संचालक चेतन मोहारे को गिरफ्तार कर लिया गया है और मुख्य आरोपी को आज रिमांड पर खत्म होने पर न्यायालय में पेश किया गया है। जिसे मामले में और पूछताछ के लिए कोर्ट से रिमांड मांगा गया है।

आधार कार्ड मशीन का लोकेशन छिपाने के लिए

कमरों की कमी से जूझ रहा झालीवाड़ा स्कूल

विद्यार्थियों की शिक्षा पर पढ़ रहा असर परिजनों ने पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराने शासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित है। जहां पर हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल का भवन अलग है जहां कक्षा ९ से कक्षा १२वीं का संचालन किया जाता है। किंतु कमरों की कमी से गुणवत्ता युक्त शिक्षा वितरण करने में परेशानी उत्पन्न हो रही है। तो वहीं सबसे बड़ी समस्या बैठक व्यवस्था बनी हुई है जिसको लेकर विद्यार्थियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके द्वारा अपने परिजनों से भी यह शिकायत की जाती है जिसको लेकर बीते लंबे समय से परिजनों के द्वारा शिक्षा विभाग से व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। किंतु आज तक इस पर कोई कार्य नहीं किया गया है जिससे समस्या यथावत बनी हुई है। इस दौरान विद्यार्थियों को जो गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त होनी चाहिए उस पर एक बड़ा असर पड़ता हुआ दिख रहा है। स्कूल की प्रयोगशाला में कक्षा लगाने से नियमित प्रयोग नहीं हो पा रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा आईटी व इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर टेक्नोलॉजी सहित इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर जैसे विषय के लिए अलग से कोई कक्षा नहीं है। जहां टीन शेड की कक्ष निर्माण कर व्यवस्था बनाई गई है जहां विद्यार्थी शिक्षा अध्ययन कर रहे हैं।

स्कुल में आवश्यकता है २३ कमरों की उपलब्ध है १३ कमरे

हाई स्कुल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल झालीवाड़ा में पर्याप्त कक्षा व्यवस्था नही होने के कारण विद्यार्थियों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान एक विषय समाप्ति के बाद उन्हें दूसरी कक्षा में जाकर अध्ययन करना पड़ रहा है। कुछ व्यावसायिक विषय के लिए टीन शेड लगाकर कार्य चलाया जा रहा है। लंबे समय से रसायन शास्त्र भौतिक शास्त्र और जीव विज्ञान की प्रयोगशाला केवल शोभा की सुपारी बनी हुई है। क्योंकि प्रयोगशाला में कक्षा संचालित होने से प्रयोग नियमित रूप से नहीं किया जा रहे हैं जो बाधित पड़े हुए हैं। वहीं स्टोर रूम ना होने के कारण जगह जगह सामग्री फेंकी पड़ी हुई है। जबकि यह विद्यालय में कक्षा ९ से १२ वीं तक २१५ बालक ,२७४ बालिकाएं कुल ४८९ विद्यार्थी शिक्षा अध्यनरत है। यह विद्यार्थी झालीवाड़ा के अलावा समीपस्थ ग्राम कौलीवाडा, मेहंदीवाडा, बोदलकसा ,खापा, सिंगोडी ,लालपुर ,बांसी जैसे ग्रामों से आकर शिक्षा अध्ययन करते हैं। ऐसे में कमरों की कमी इन विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित कर रही है जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। यह स्थिति बीते करीब १ दशक से बनी हुई है लगातार ग्रामीण सहित स्कूल प्रबंधन के द्वारा व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जाती रही है। किंतु अभी तक समस्या का निराकरण नहीं होना बताता है कि किसी भी जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा उक्त समस्या पर गंभीरता से नहीं लिया गया है। जबकि यह देश के भविष्य निर्माण का विषय है।

भारी परेशानी के बीच विद्यालय हो रहा है संचालित

एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झालीवाड़ा में कक्षा १ से १२ तक संचालन किया जाता है। जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय का भवन अलग बना हुआ है जहां पर्याप्त व्यवस्था है। किंतु हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल का एक भवन अलग है जहां पर कक्षा ९ से १२ संचालित होती है। विद्यालय के १३ कमरों में स्कूल संचालित हो रही है। जिसमें कक्षा ९ वीं तीन कमरों में ,कक्षा दसवीं दो कमरों में ,कक्षा ग्यारहवीं एक कमरे में और कक्षा १२वीं दो कमरे में प्रशासनिक कार्य और प्रिंसिपल ऑफिस दो कमरों में ,वही तीन कमरों में रसायन भौतिकी और जीव विज्ञान की प्रयोगशाला में कक्षा ग्यारहवीं और १२ वीं की ५ कक्षाएं संचालित हो रही है। वहीं इनफॉरमेशन कंप्यूटर टेक्नोलॉजी की कक्षा एक कमरे में संचालित की जा रही है। इसके अलावा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर की कक्षा के लिए टीन शेड डालकर दो कक्ष जन सहयोग और स्कूल के द्वारा निर्मित किए गए हैं जहां कक्षा लगती है। वहीं इसके अलावा स्टोर रूम स्टॉक रूम स्टाफ रूम लाइब्रेरी रसायन शास्त्र भौतिक शास्त्र जीव विज्ञान की प्रयोगशाला जैसे अन्य कार्यों के लिए कोई कमरे उपलब्ध नहीं है। जबकि आवश्यकता अनुसार विद्यालय में २३ कमरों की जरूरत है किंतु वर्तमान में १३ कमरों में व्यवस्था बनाकर विद्यालय संचालन हो रहा है जिससे यह समस्या उत्पन्न हो गई है।

टीन शेड डालकर प्रयोगशाला में कक्षा लगा रहे है विद्यार्थी परेशान है-मोनू

ग्रामीण मोनू देशमुख ने बताया कि हमारे गांव में हायर सेकेंडरी स्कूल है यहां कमरों की बड़ी समस्या है। विद्यार्थी परेशान होते हैं टीन शेड डालकर या प्रयोगशाला में कक्षा लगा रहे हैं। इससे विद्यार्थी बहुत चिंतित है यहां विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक है क्योंकि आसपास के ग्राम के बच्चे पढ़ाई का स्तर देख यहां पर आ रहे हैं। लगातार संख्या बढ़ रही है करीब १० वर्ष से यह समस्या है परंतु किसी के भी प्रशासनिक अधिकारी ने इस पर ध्यान नहीं दिया है। यही कारण है कि बच्चों की शिक्षा में असर पड़ रहा है जगह कम है ध्यान देने की जरूरत है।

झालीवाड़ा शासकीय स्कूल में बैठक व्यवस्था की बड़ी समस्या है-पंकज

उपसरपंच पंकज डोंगरे ने बताया कि हमारे गांव के शासकीय स्कूल में बैठक व्यवस्था की बड़ी समस्या है। जिसके लिए हमने प्राचार्य से भी बात की थी तो उन्होंने अतिरिक्त कमरे की जरूरत बताई थी। जो आज तक पूरा नहीं हुई है यहां पर मेरा लड़का भी पढ़ाई करने के लिए जाता है। एक विषय पढ़ने के बाद कमरा बदलना पड़ता है विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल बराबर नहीं होते हैं। जिससे शिक्षा की गुणवत्ता नहीं सुधार पा रही है क्योंकि बच्चे पढ़कर सीख रहे हैं उसका प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। बहुत ज्यादा समस्या बनी हुई है और बहुत जरूरत है की शासन इधर ध्यान देकर अतिरिक्त कमरों का निर्माण करवाये।

विद्यालय को १० कमरों की आवश्यकता बनी हुई है-डी डी राहगंडाले

प्रभारी प्राचार्य डी डी राहगंडाले ने बताया कि हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालन के लिए १३ कमरे हमारे यहां पर है। जहां अध्ययन कार्य हो रहा है तीन प्रयोगशाला में भी हमने कक्षा लगवाई हुई है। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर की कक्षा टीन शेड के नीचे लगा रहे हैं कंप्यूटर साइंस की लैब के लिए एक कमरा हमने दिया है। समस्या बहुत है एक विषय पढ़ने के बाद विद्यार्थी इधर उधर जाते हैं जो उनके समय पर असर डाल रहा है। प्रैक्टिकल भी बीते ५ वर्षों से नहीं हो पाए हैं इसके लिए हमने पूर्व में जिला प्रशासन को जानकारी देकर पत्र भी लिखा था। अभी हाल ही में ७ नवंबर को राज्य शासन का एक पत्र प्राप्त हुआ जिसमें झालीवाड़ा में कमरे के लिए प्रस्ताव बताया गया है। किंतु अभी किसी के द्वारा विद्यालय को संपर्क नहीं किया गया है समस्या यथावत है। हम यही चाहते है कि अति शीघ्र कमरे बनाए जाऐ विद्यालय को अभी १० कमरों की आवश्यकता बनी हुई है।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि अतिरिक्त कक्ष निर्माण शासन स्तर की व्यवस्था है। प्राचार्य को स्थानीय स्तर पर व्यवस्था बनानी चाहिए।

अश्विनी उपाध्याय
डीईओ बालाघाट

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ५ बीएलओ का एसडीएम ने किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय में २५ नवंबर को उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें वारासिवनी विधानसभा के पांच बीएलओ का सम्मान पुष्प माला भेंट पर किया गया जिसमें उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए बधाई दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। जिसमें वर्ष २००३ के मतदाता की पहचान पर नाम जोड़ने और काटने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जिसके लिए एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा लगातार शासकीय अधिकारी कर्मचारियों को अभी प्रेरित कर तीव्र गति से कार्य करवाया जा रहा है। ऐसे में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक ११२ के पांच बूथ के बीएलओ के द्वारा ९९ प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिससे उन्हें सम्मानित किया गया।

जिसमें बूथ क्रमांक ८५ सिकंद्रा की बीएलओ सरोज चौरे ,बूथ क्रमांक १३४ मंगेझरी की बीएलओ दुर्गन बाई के द्वारा १०० प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार बूथ क्रमांक ७१ मदनपुर के बीएलओ मनोज गजभिए ९९.६४ प्रतिशत ,बूथ क्रमांक ५१ वारासिवनी की बीएलओ सपना अग्रवाल ने ९९.६० प्रतिशत, बूथ क्रमांक ९० थानेगांव के बीएलओ हुडकीराम चुन्ने ने ९९.७ प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया है। यह लक्ष्य निर्धारित समय से जल्द ही प्राप्त कर लिया गया है, जिसको लेकर पांचो बीएलओ को उपस्थित जनों के बीच में सम्मानित किया गया। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य गहन रूप से चल रहा है जिसका कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। महाविद्यालय में लगातार बीएलओ के द्वारा जमा किए गए फॉर्म को ऑनलाइन भी करवाया जा रहा है। हर मतदाता को जोड़ने का कार्य यह चल रहा है इस दौरान पांच बूथ के बीएलओ के द्वारा बेहतर कार्य किया गया है। समय से पहले लक्ष्य पूर्ति कर लिया गया है या करने की दिशा में है आप सभी से भी अपेक्षा है कि लगातार आप अपने इस कार्य को गंभीरता से लेकर समय सीमा के अंदर पूर्ण करें ताकि कोई मतदाता अपना नाम जोड़ने से चूक ना सके। इस अवसर पर शासकीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

नपा ने बेघर व्यक्तियों के लिये ठंड से बचाव की समुचित व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नपा परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने गरीबो के लिये रैन बसेरा की शुरूवात की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा की मुख्यमंत्री व शासन के निर्देशो के बाद गरीब वर्ग को कडकडाती ठंड में रात बिताने के लिये सुरक्षित आश्रय स्थल की शुरूवात कर दी गयी है। अब बस स्टैड सहित विभिन्न सार्वजनिक जगहो पर गरीब वर्ग विषम स्थिति में परेशान नही होगें। वार्ड पांच के अटल बिहारी वाजपेयी सामुदायिक भवन में प्रदान की गयी सुविधा में बिस्तर कंबल के साथ गरम हीटर व गर्म पानी की सुविधा भी मुहैया करायी जा रही। नगरीय प्रशासन एवं विकास म. प्र. भोपाल के द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार शीतऋ तु के आगमन के साथ ही रात्रीकालीन तापमान में गिरावट होने से निकायो में खुले में रहने वाले बेघर व्यक्तियो को ठंड से बचाव हेतु समुचित आश्रय की आवश्यकता होती है। इसी परिप्रेक्ष्य में समस्त नगरीय निकायो को अपने नगरो में आश्रय स्थल संचालन किये जाने एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था किये जाने निर्देश जारी किए गए है। इस संबंध मे सूर्य प्रकाश उके मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा अवगत कराया कि शासन एवं जिला कलेक्टर बालाघाट के निर्देशो के परिपालन में नगरीय क्षेत्र वारासिवनी में शहरी बेघर व्यक्तियों को ठण्ड से बचाव हेतु समुचित व्यवस्था प्रदान किये जाने अस्थाई आश्रय स्थल का शुभारंभ वार्ड नं. ५ में नगर पालिका के भवन अटल बिहारी बाजपेयी सामुदायिक भवन में किया गया है। जो १० बिस्तर की क्षमता युक्त है जिसमें महिला एवं पुरूष दोनो के लिए ५-५ बिस्तरीय व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त ५ अन्य बिस्तर की व्यवस्था भी रखी गई है। जिसमे पलंग, गद्दे, तकिया, चादर, कंबल एवं रूम हिटर की उपलब्धता है। साथ ही रैन बसेरे में गरम पानी की व्यवस्था के साथ अलाव की व्यवस्था भी रहेगी। श्री उके ने बताया कि शहरी क्षेत्र में रात्री के समय सड़क किनारे बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, अन्य सार्वजनिक स्थानो पर खुले में रहने वाले व्यक्तियों को रेस्क्यु करके वाहन के माध्यम से सुविधाजनक तरीके से आश्रय स्थल तक लाने हेतु भी टीम का गठन किया गया है। जिसमे रात्री में नगरीय क्षेत्र में भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति खुले में न रह पाये सभी को आश्रय प्राप्त हो सके। इस दौरान श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष नगर पालिका, संदीप मिश्रा पार्षद,योगेन्द्र मोनु लिमजे , पवन धुर्वे , मनोज दांदरे, सूर्यप्रकाश उके सी.एम.ओ.,श्रीमती अंशिका चौहान उपयंत्री, सुमित मोटवानी उपयंत्री, हितेश हलमारे, राजदीप तुरकने ,श्रीमती आशा गौतम , सुरेन्द्र लड़कर, योगेन्द्र जोगी, अमोल देशपाण्डे, नितिन सिरसाठे, शैलेन्द्र तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय संविधान दिवस खैरलांजी में समारोह आज

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। संविधान फाउंडेशन बालाघाट एवं खैरलांजी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह का आयोजन जनपद पंचायत प्रांगण अवंतीबाई प्रतिमा स्थल के समीप किया गया है। सर्वसमाज के द्वारा आयोजित संविधान दिवस की १५ वीं वर्षगांठ को भव्य स्वरूप देते हुए इसे आयोजन समिति द्वारा इसे राज्य स्तरीय स्वरूप दिया गया है। इस अवसर पर दोपहर १२ बजे से संविधान रेली कार्यक्रम का आयोजन कर बोधिसत्व प्रस्तुति टीम प्रकाश सागर के द्वारा किया जाएगा। रैली उपरांत भोजनदान कार्यक्रम,सांयकाल ७ बजे से मंचीय कार्यक्रम,आगंतुक अतिथियों का स्वागत सत्कार, प्रतिभावन छात्र छात्राओं को प्रशस्ती पत्र एवं शील्ड वितरण पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे के द्वारा दिया जायेगा। तत्पश्चात रात्रि ९ बजे से धम्म प्रबोधन कार्यक्रम संपन्न होगा। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में नानाभाऊ पडोले पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महा. कांग्रेस कमेटी, डॉ बी चन्द्रशेखर बोरकर पूर्व कमिश्नर जबलपुर संभाग, विवेक विक्की पटले विधायक वारासिवनी खैरलांजी,गौरवसिंह पारधी विधायक कटंगी खैरलांजी,कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवीण मेश्राम सामाजिक चिंतक उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योति भगत सिंह नगपुरे सरपंच, आशु गुनाराम बघेले अध्यक्ष जनपद पंचायत, सुनिता मानसिंह बहेटवार सदस्य जिला पंचायत, प्रकाश ऊके सदस्य जिला पंचायत, स्वपनिल लोक डोंगरे , डी एल हुमनेकर ,राजकुमार गेडाम ,आर बी ढोक, हनीफकुरैशी,श्रीमती रविकांता महेश बोरकर सदस्य जिला पंचायत, ए पी तिवारी जिला अध्यक्ष अंधश्रद्धा निवारण समिति, अमित फुलमारी जिला उपाध्यक्ष संविधान फाउंडेशन, अजय वाहने सरपंच ग्राम पंचायत चंगेरा, हर्षित रेड्डी सामाजिक कार्यकर्ता, सदाराम लिल्हारे गायक,भिमेश भारती,दीक्षा वाहुले होंगे। आयोजन समिति की ओर से रामकुमार नगपुरे, दुर्गा प्रसाद लिल्हारे,भारत शिवहरे, योगेश सुलकिया, खुमेश डोंगरे, अनिल अग्ने,संतोष मेश्राम,हरेंद्र बागड़े ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों से उपस्थिति की अपील की है।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

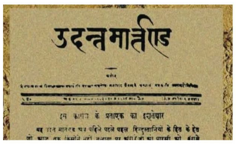

भारत ने पहले ही आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को कर्ज दिए जाने का विरोध किया था, अब खुद आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में कर्ज के दुरुपयोग की तस्दीक की है, जो भारत की चेतावनी पर तो मुहर है ही, पाकिस्तान के लिए राष्ट्रीय शर्मिंदगी का भी विषय है।

कर्जदार का भ्रष्टाचार

पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के भारी कर्ज के बोझ तले दबे और अधिक कर्ज की मांग कर रहे पाकिस्तान में भ्रष्टाचार की स्थिति को लेकर खुद आईएमएफ की रिपोर्ट ने जो कड़वा सच सामने रखा है, उसे उस मुल्क की राष्ट्रीय शर्मिंदगी का प्रमाणपत्र कहा जाए, तो यह अतिशयोक्ति नहीं। रिपोर्ट में पिछले दो दशकों के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि भ्रष्टाचार-नियंत्रण के मामले में पाकिस्तान दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शुमार है और यहां शासन के उच्च स्तरों तक भ्रष्टाचार व्याप्त है। यह कोई पहली बार नहीं है, जब किसी वैश्विक संस्था ने पाकिस्तान के लिए इतने कठोर शब्दों का इस्तेमाल किया हो। अभी पिछले ही महीने विश्व बैंक ने भी पाकिस्तान को लताड़ते हुए कहा था कि आईएमएफ द्वारा भारी कर्ज दिए जाने के बावजूद देश गरीबी को कम करने में विफल रहा है। गौरतलब है कि यह रिपोर्ट विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन के समय आई है, जो पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की शक्तियों को बढ़ाता है तथा सर्वोच्च न्यायालय के ऊपर एक अन्य न्यायालय की स्थापना करके उसकी शक्तियों को कम करता है। दरअसल, पाकिस्तान आज जिस हाल में है, उसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि वह विदेशी कर्ज लेने में तो आगे रहता है, लेकिन कर्ज की राशि के उपयोग की जिम्मेदारी वह भ्रष्ट सत्ताधीशों पर छोड़ देता है। सबसे कड़वा सच तो यही है कि जिस संस्था के आगे पाकिस्तान झोली फैलाए खड़ा है, वही उसे बता रही है कि उसका समृद्ध तबका शासन व्यवस्था पर इतना अधिक हावी है कि कर्ज का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के करीबियों की जेब में चला जाता है।

इसका अंदेशा तभी गहराने लगा था, जब कुछ महीने पहले पाकिस्तान आईएमएफ के सात अरब डॉलर के बेल आउट पैकेज की दूसरी समीक्षा में पांच में से तीन शर्तों को पूरा करने में विफल रहा था। दरअसल, भारत आईएमएफ के इस कर्ज का विरोध करते हुए कहता आया है कि पाकिस्तान इस राशि का इस्तेमाल पहलगाम जैसी आतंकी गतिविधियों के लिए कर सकता है। आईएमएफ की पिछली बैठक में भी भारत ने आगाह किया था कि वैश्विक वित्तीय संस्थानों की प्रक्रियाओं में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसके बावजूद, आईएमएफ ने उसे कर्ज देना जारी रखा। लेकिन अब उसकी ताजा रिपोर्ट के निष्कर्ष और पाकिस्तानी शासन में बढ़ते सैन्य दखल को देखते हुए भारत की चेतावनियों को खारिज नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि आईएमएफ ने आईना दिखाया है, लेकिन उसमें अपनी सूरत देखने की ईमानदारी पाकिस्तान बरतेगा, इसमें संदेह ही है।

आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया

सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट भले ही महंगाई में रिकॉर्ड कमी का दावा करे। लेकिन, इससे पैदा हुआ विरोधाभास सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक समस्या है। नौकरियों और आय वृद्धि के बिना, जीवनयापन की लागत को कम करने के उपाय कर्ज के बोझ व गुजारे के खर्च को ही बढ़ा रहे हैं।

हाल ही में, भारत के सांख्यिकी मंत्रालय ने बताया कि अक्तूबर में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति गिरकर 0.25 प्रतिशत पर आ गई है, जो जनवरी 2012 के बाद सबसे कम है। दरअसल, इस महीने खाद्य मुद्रास्फीति घटकर -5.02 प्रतिशत रह गई। कीमतों में यह गिरावट आधार प्रभाव से और भी बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, अक्तूबर 2024 में खाद्य महंगाई 9.7 प्रतिशत थी, जिससे अक्तूबर 2025 की तुलना का प्रभाव बदल जाता है। सच्चाई तो यह है कि न हर चीज सस्ती हुई है और न ही हर जगह दाम घटे हैं। तेल में 11.1 फीसदी, पर्सनल केयर में 23.8 फीसदी और फलों में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केरल में सीपीआई 8.5 फीसदी है। दिलचस्प बात यह है कि यह विपक्षी शासित राज्यों कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और तमिलनाडु में राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। कृषि प्रधान और कम शहरीकृत राज्यों में मुद्रास्फीति भी राष्ट्रीय औसत से कम देखी जा रही है। बिहार में मुद्रास्फीति सबसे निचले स्तर पर है, जो -1.97 फीसदी है। उसके बाद उत्तर प्रदेश में 1.71 फीसदी, मध्य प्रदेश में 1.62 फीसदी, असम में 1.5 फीसदी, ओडिशा में 1.39 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 1.2 फीसदी है। सवाल यह है कि क्या इन राज्यों के लोग (खासकर बिहार में, जहां महंगाई चुनाव में एक बड़ा मुद्दा थी) दिखावे पर यकीन करते हैं या एच जी वेल्स के शब्दों में, हालांकि घरेलू लोगों के लिए कम मुद्रास्फीति के दावे उतने ही बेतुके लगते हैं, जितना कि यह कहना कि ठोस धरती तरल थी। यह निराशावाद वैश्विक है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति लगभग 2.2 प्रतिशत (और चीन में 0.2 फीसदी) के निचले स्तर पर चल रही है। फिर भी, मुद्रास्फीति में गिरावट की खबरों पर जनता की प्रतिक्रिया उसे खारिज करने से लेकर एक ईमानदार सवाल तक होती है: महंगाई कम होती दिखती क्यों नहीं? यह राजनीतिक अर्थ-भ्रम की बात है। राजनेता ब्याज दरों में गिरावट को कीमतों में गिरावट के रूप में प्रस्तुत करने में तत्पर रहते हैं। फिर यह तथ्य भी है कि कीमतों में वृद्धि की दर भले ही धीमी हो, लेकिन घरेलू उपभोग की वस्तुओं की कुल कीमतें ऐतिहासिक शिखर पर हैं। कम मुद्रास्फीति के आभास ने बढ़ती महंगाई पर वैश्विक आक्रोश को और भड़का दिया है। कुछ दिनों पहले, ट्रंप ने टैरिफ की आलोचना करने वालों को मूर्ख कहकर उनका मजाक उड़ाया और अमेरिकी परिवारों को 2,000 डॉलर का लाभांश देने की घोषणा की। उन्होंने बीफ, केला, कोको, कॉफी, टमाटर, चाय और एवोकाडो पर हर देश पर लगाए गए टैरिफ वापस ले लिए। ट्रंप की रेटिंग गिरकर 36 फीसदी पर आ गई है, ऐसे में सबसे जरूरी बात है खर्च करने की क्षमता। मौसमी राजनीतिक फैसले लेने की प्रथा सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। भारत में, बिहार चुनाव व दिवाली से ठीक पहले जीएसटी दरों में कटौती की गई थी। हर चुनाव नकद लाभ हस्तांतरण के कारवां के साथ आता है। योजनाएं हमेशा चुनावों का इंतजार नहीं करतीं, बल्कि बीच में भी आ सकती हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राशन कार्डधारकों को रियायती दामों पर दालें, चीनी व नमक उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना शुरू की। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 25 दिसंबर को सौ अटल कैंटीन का शुभारंभ करेंगी, जिसमें पांच रुपये में भोजन मिलेगा।

जीवनयापन की लागत को लेकर गुस्सा दुनिया भर में दिखाई दे रहा है। अमेरिका के हालिया चुनावों में रिपब्लिकन डेमोक्रेट्स से हार गए हैं। पूंजीवाद की राजधानी और वॉल स्ट्रीट के केंद्र न्यूयॉर्क ने समाजवादी जोहरान ममदानी को चुना है, जो किराया स्थिर रखने का वादा करते हैं। इस नाराजगी को कम करने के लिए ट्रंप ने 50 साल के बंधक का विचार पेश किया है। ब्रिटेन में, कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर सरकार आंतरिक गृहयुद्ध और निगेल फराज की रिफॉर्म पार्टी के उदय का सामना कर रही है। भयभीत स्टार्मर और चांसलर रेचेल रीव्स कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन जुटाने हेतु अमीरों पर कर बढ़ाने की तैयारी में हैं। फ्रांस में, प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों की विवादास्पद पेंशन सुधार योजना को बंद कर दिया। जर्मनी में, ओलाफ सोल्ज को भी जीवनयापन की बढ़ती लागत को लेकर जनता का आक्रोश सहना पड़ रहा है। जापान में, प्रधानमंत्री साने ताकाइची के नेतृत्व वाली नई सरकार द्वारा 14 खरब येन से अधिक के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा किए जाने की उम्मीद है, ताकि परिवारों को नुकसान कम हो। जीवनयापन की लागत का संकट मजदूरी और मुद्रास्फीति के समीकरण से बढ़ रहा है। हालांकि, 2022 से मजदूरी में सुधार हुआ है, लेकिन वास्तविक मजदूरी में कोई सुधार नहीं हुआ है, क्योंकि मुद्रास्फीति ने क्रय शक्ति को कम कर दिया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, बाइडन शासन में श्रमिकों की क्रय शक्ति में 2,900 डॉलर से ज्यादा की कमी आई थी। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) से जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वास्तविक मजदूरी 2021 के स्तर से नीचे बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा तैयार व्यापक नमूने में, न्यूनतम मजदूरी मुद्रास्फीति से नीचे बनी हुई है। 160 में से 70 से अधिक देशों में वास्तविक मजदूरी वृद्धि नकारात्मक है। 2025 के जी-20 दस्तावेज के अनुसार, विषम वितरण के कारण, शीर्ष व निचले 10 फीसदी के बीच का अंतर भारत और इंडोनेशिया में सबसे ज्यादा है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में श्रम का हिस्सा घटकर 52.3 प्रतिशत रह गया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में तो और भी कम है। भारत में, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि %कर्मचारियों के वेतन में कॉरपोरेट मुनाफे के अनुरूप वृद्धि नहीं हुई हैं, जो कि नई ऊंचाइयों पर है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर कर्मचारियों पर पड़ेगा, क्योंकि इससे खपत कम हो जाएगी।

चाहे जो भी हो, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मेक्सिको और अमेरिका में श्रमिकों की आय में हिस्सेदारी घट रही है। लोकतांत्रिक देशों में सरकारें इस प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठा रही हैं। इससे घाटा बढ़ गया है-ओईसीडी के 31 देश घाटे में हैं और केवल छह के पास अधिशेष है। जी-7 देशों में से पांच राजकोषीय घाटे में हैं, जिनमें अमेरिका सात प्रतिशत और 370.64 खरब डॉलर (जीडीपी का 125 प्रतिशत) ऋण के साथ सबसे ऊपर है। भारत में, चुनावी रियायतों के विस्तार ने राज्यों के घाटे और कर्ज को बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने पहले ही कहा है कि वैश्विक कर्ज, जो अब 1,110 खरब डॉलर पर है, असहनीय है। ट्रंप बढ़ते घाटे के बावजूद टैरिफ नियंत्रण जारी रखना चाहते हैं, और फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती करने के लिए कह रहे हैं।

वैश्विक सरकारें एक दुविधा का सामना कर रही हैं। नौकरियों और आय वृद्धि के बिना, जीवनयापन की लागत को कम करने के उपाय कर्ज के बोझ और जीवनयापन की लागत को भी बढ़ा रहे हैं।

शंकर अय्यर, वरिष्ठ पत्रकार

स्मृतिशेष

जिंदगी एक फिल्म की तरह होती है- धर्मेन्द्र

मुझे अपनी जिंदगी में वह सब मिला, जिसका मैं हकदार था और उससे कहीं ज्यादा। मैं पंजाब के एक गांव का लड़का था। मुझे एक्टिंग का ए भी नहीं मालूम था। ऐसा लगता है कि यह अभी कुछ दिन पहले की बात है, जब मैं लुधियाना के एक गांव से सपने संजोकर मुंबई आया था। मेरी जेब में कुछ नहीं था, लेकिन आंखों में सपने थे। फिर वह दिन, जब मैंने पहली बार खुद को बड़े परदे पर देखा। सबसे खूबसूरत पल तब आया, जब मेरे बच्चों ने अपने रास्ते चुने और मैंने उन्हें कलाकार बनते देखा। मेरी पूरी जिंदगी इन्हीं पलों में बसती है। मेरी जिंदगी ही एक फिल्म के समान है। मैं खुद को हमेशा खुश रखने की कोशिश करता हूं। मन और तन, दोनों को शांत और सक्रिय रखना मेरी जिंदगी की आदत बन चुकी है। यही मेरी असली दवा है, जो मुझे हर दिन जिंदा और तरोताजा बनाए रखती है। मैं रोज आलाप की प्रैक्टिस करता हूं, ताकि मेरी आवाज की पकड़ बनी रहे, वह भी एक तरह की साधना है। जिंदगी में आप जितना देते हैं, उतना ही अच्छा पाते हैं। खेत की मिट्टी और पेड़ों की छांव सिर्फ हाथों पर ही नहीं, दिल पर भी असर करती है। मुझे अपना पहला रोल पाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। मुंबई आने के कुछ ही समय बाद मैं अपने प्यारे दोस्त अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे के लिए कैमरा फेस कर रहा था, और मुझे एक्टिंग का कोई एक्सपीरियंस नहीं था। जब कैमरा ऑन होता था, तो मुझे समझ नहीं आता था कि कहां देखूं। फिल्म निर्माताओं ने कहा कि मैं हैंडसम हूं। एक अच्छा चेहरा और माता-पिता का आशीर्वाद मुझे यहां तक ले आया। इतने वर्षों बाद भी, मुझे देश के लोगों से बहुत प्यार मिलता है! मैंने जरूर पिछले जन्म में कुछ सही किया होगा। प्रशंसकों का प्यार मेरे लिए सबसे कीमती तोहफा है। मैं चाहता हूं कि मैं जब जाऊं, तो मुझे मुस्कराकर याद किया जाए। सच तो यह है कि मुझे लगता है कि मुझे इस धरती पर प्यार फैलाने के लिए भेजा गया है। जिंदगी में आप जितना देते हैं, उतना ही अच्छा पाते हैं। मैं एक किसान का बेटा हूं। खेत की मिट्टी सिर्फ हाथों पर नहीं, दिल पर भी असर करती है। उसी मिट्टी से मुझे जड़ें मिली हैं, सादगी मिली है। आज भी जब मैं फार्महाउस पर होता हूं, तो नजदीक बैठता हूं, पेड़ों की छांव में कुछ पल गायों से बातें करता हूं, उनके साथ वक्त गुजारता हूं। वहां मुझे चैन मिलता है। मैं यह नहीं कहूंगा कि राजनीति में आना कोई गलती थी, लेकिन एक अभिनेता को राजनीति में नहीं आना चाहिए, क्योंकि इससे दर्शकों और प्रशंसकों के बीच आपकी आम स्वीकार्यता बंट जाती है। एक अभिनेता को हमेशा अभिनेता ही रहना चाहिए। मेरे लिए, इतने सालों में मेरे प्रशंसकों से मिला प्यार और समर्थन ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुझे राजनीति में घुटन महसूस होती थी। जिस दिन मैंने हां कहा, मैं वॉशरूम गया और शीशे में अपना सिर पटककर अपने किए पर पछतावा किया। राजनीति ऐसी चीज है, जो मैं कभी नहीं करना चाहता था। उम्र और मौत एक ऐसी सच्चाई है, जिसका हम सबको सामना करना पड़ता है। राजा हो या रंक, सबको जाना ही पड़ता है। कोई ख्वाहिश बाकी नहीं, मैंने पूरी जिंदगी जी है। भगवान की कृपा से, मेरे सभी बच्चे अच्छा कर रहे हैं। मैं अपने बच्चों से बहुत कुछ कहे बिना भी जुड़ा रहता हूं। जानता हूं कि वे समझदार हैं, मेहनती हैं और अपने रास्ते खुद बना रहे हैं। मैं बस चुपचाप उनके लिए दुआ करता हूं। जब उन्हें पर्दे पर देखता हूं या उनकी कोई बात सुनता हूं, तो ऐसा लगता है कि मेरी जिंदगी का सफर अब भी चल रहा है, उनके कदमों में, उनके फैसलों में। जो सपना कभी मैंने देखा था, अब वह मेरी अगली पीढ़ी जी रही है। यही सबसे बड़ी तसल्ली है। हम सिर्फ पिता-पुत्र या पिता-पुत्री नहीं हैं, हम एक-दूसरे के हमसफर हैं।

क्यों हर पीढ़ी पिछली से अलग होती है?

बहुत से लोग मानते हैं कि इन्सान ने सभ्यता और तकनीक की शक्ति के दम पर प्रकृति को हरा दिया है। कुछ यह भी सोचते हैं कि हम अन्य जीवों से अलग हैं, इसलिए अब हमें किसी विकास या परिवर्तन की जरूरत नहीं। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल उलट है। हर जीव की तरह मनुष्य ने भी विकास की प्रक्रिया से ही आकार लिया है और वह आज भी लगातार बदल रहा है। समय के साथ हमने ऐसे गुण विकसित किए हैं, जो हमें वातावरण में जीवित रहने और फलने-फूलने में मदद करते हैं।

अनुकूलन के गुण होते हैं, उनके जीवित रहने की माइकल ए. लिटिल

एक मानवविज्ञानी होने के नाते मैं यह अध्ययन करता हूं कि इन्सान अलग-अलग परिस्थितियों में खुद को कैसे ढालता है, क्योंकि अनुकूलन ही विकास का मूल आधार है। जिनके पास अधिक संभावना होती है। हाथ-पैर और दिमाग से हमें विचार करने, उपकरण बनाने, योजनाएं तैयार करने व जीने की क्षमता मिलती है। इन सब गुणों ने हमें संस्कृति विकसित करने में भी मदद की। हमारी संस्कृति ने हमें अपने वातावरण को बदलने की भी शक्ति दी, जैसे उपकरण बनाना और खेती करना आदि। हालांकि, हमने पिछले हजारों वर्षों में अपने पर्यावरण को काफी बदल दिया है, मगर हम अब भी विकासशील हैं। हमारा विकास आज अलग-अलग तरीकों से हो रहा है, जो हमारे पूर्वजों से अलग है। लगभग दस हजार साल पहले, हमारे पूर्वजों ने गाय व बकरी जैसे जानवरों को पालतू बनाना शुरू किया। फिर लगभग दो हजार साल बाद, उन्होंने उनका दूध निकालना सीखा। बदकिस्मती से, उस समय अधिकांश लोग दूध नहीं पचा पाते थे। लेकिन कुछ लोगों में ऐसे जीन थे, जिन्होंने उन्हें दूध पचाने की क्षमता दी। जो लोग ऐसा कर सकते थे, वे ज्यादा समय तक जीवित रहे और उनके जीन आबादी में फैल गए। इसे सांस्कृतिक और जैविक सह-विकास कहा जाता है। इसी तरह, ग्रीनलैंड के इनुइट लोगों में ऐसे जीन पाए जाते हैं, जो उन्हें वसा पचाने में मदद करते हैं, और तुर्काना लोग अफ्रीका के बेहद सूखे इलाके केन्या में

जानवर चराते हैं। उनके पास एक ऐसा जीन होता है, जिसकी वजह से वे लंबे समय तक ज्यादा पानी पिए बिना रह सकते हैं। 14वीं सदी में फैले ब्यूबोनिक प्लेग के दौरान जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक जीन थे, वे बच गए। कोविड-19 के वक्त कुछ लोगों के जीन इस वायरस से लड़ने में सक्षम थे, इसलिए बीमारी का असर उन पर कम हुआ। इन्सान अलग-अलग तरह के बदलते माहौल का सामना करते रहते हैं। इसलिए उनमें विकास (इवोल्यूशन) पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है, जो आज भी जारी है।

अनुकूलन ही विकास का मूल के गुण होते हैं, उनके जीविते रहने आधार हैं। जिनके पास अनुकूलन् की अधिक संभावना होती है।

ग्रीनलैंड के इनुइट लोगों में वसा पचाने में मददगार जीन पाए जाते हैं, और केन्या के तुर्काना लोग अपने खास जीन की वजह से लंबे समय तक ज्यादा पानी पिए बिना रह सकते हैं।

समय के साथ इन्सान ने ऐसे गुण विकसित किए हैं, जो उसे वातावरण में जीवित रहने और फलने-फूलने में मदद करते हैं।

बहुत से लोग मानते हैं कि इन्सान ने सभ्यता और तकनीक की शक्ति के दम पर प्रकृति को हरा दिया है। कुछ यह भी सोचते हैं कि हम अन्य जीवों से अलग हैं, इसलिए अब हमें किसी विकास या परिवर्तन की जरूरत नहीं। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल उलट है। हर जीव की तरह मनुष्य ने भी विकास की प्रक्रिया से ही आकार लिया है और वह आज भी लगातार बदल रहा है। समय के साथ हमने ऐसे गुण विकसित किए हैं, जो हमें वातावरण में जीवित रहने और फलने-फूलने में मदद करते हैं।

अनुकूलन के गुण होते हैं, उनके जीवित रहने की माइकल ए. लिटिल

एक मानवविज्ञानी होने के नाते मैं यह अध्ययन करता हूं कि इन्सान अलग-अलग परिस्थितियों में खुद को कैसे ढालता है, क्योंकि अनुकूलन ही विकास का मूल आधार है। जिनके पास अधिक संभावना होती है। हाथ-पैर और दिमाग से हमें विचार करने, उपकरण बनाने, योजनाएं तैयार करने व जीने की क्षमता मिलती है। इन सब गुणों ने हमें संस्कृति विकसित करने में भी मदद की। हमारी संस्कृति ने हमें अपने वातावरण को बदलने की भी शक्ति दी, जैसे उपकरण बनाना और खेती करना आदि। हालांकि, हमने पिछले हजारों वर्षों में अपने पर्यावरण को काफी बदल दिया है, मगर हम अब भी विकासशील हैं। हमारा विकास आज अलग-अलग तरीकों से हो रहा है, जो हमारे पूर्वजों से अलग है। लगभग दस हजार साल पहले, हमारे पूर्वजों ने गाय व बकरी जैसे जानवरों को पालतू बनाना शुरू किया। फिर लगभग दो हजार साल बाद, उन्होंने उनका दूध निकालना सीखा। बदकिस्मती से, उस समय अधिकांश लोग दूध नहीं पचा पाते थे। लेकिन कुछ लोगों में ऐसे जीन थे, जिन्होंने उन्हें दूध पचाने की क्षमता दी। जो लोग ऐसा कर सकते थे, वे ज्यादा समय तक जीवित रहे और उनके जीन आबादी में फैल गए। इसे सांस्कृतिक और जैविक सह-विकास कहा जाता है। इसी तरह, ग्रीनलैंड के इनुइट लोगों में ऐसे जीन पाए जाते हैं, जो उन्हें वसा पचाने में मदद करते हैं, और तुर्काना लोग अफ्रीका के बेहद सूखे इलाके केन्या में जानवर चराते हैं। उनके पास एक ऐसा जीन होता है, जिसकी वजह से वे लंबे समय तक ज्यादा पानी पिए बिना रह सकते हैं। 14वीं सदी में फैले ब्यूबोनिक प्लेग के दौरान जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक जीन थे, वे बच गए। कोविड-19 के वक्त कुछ लोगों के जीन इस वायरस से लड़ने में सक्षम थे, इसलिए बीमारी का असर उन पर कम हुआ। इन्सान अलग-अलग तरह के बदलते माहौल का सामना करते रहते हैं। इसलिए उनमें विकास (इवोल्यूशन) पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है, जो आज भी जारी है।

अनुकूलन ही विकास का मूल के गुण होते हैं, उनके जीविते रहने आधार हैं। जिनके पास अनुकूलन् की अधिक संभावना होती है।

ग्रीनलैंड के इनुइट लोगों में वसा पचाने में मददगार जीन पाए जाते हैं, और केन्या के तुर्काना लोग अपने खास जीन की वजह से लंबे समय तक ज्यादा पानी पिए बिना रह सकते हैं।

- माइकल ए लिटिल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। लेवाली के चलते मंगलवार को चना आशिक सुधार पर रहा। मूंग में लटक आयी। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में कालीमिर्च में सुधार का रूख रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में निचले भावों पर माँग से बाजार सुधार के रहे। मूंग में मामूली लटक बनी। खाद्य तेलों में टिकाव बना रहा। तिलहनों में सोयाबीन मामूली बढ़त पर रही। उधर, किराना जिंसों में कालीमिर्च में छुटपुट लेवाली के बीच बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4190, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-800, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1425-1430, राजकोट तेलिया 2340-2350, सोया साल्वेंट 1180-1185, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1245, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450-1500, मुम्बई पाम 1255, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 4800-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 159500, चाँदी (99) 159300, टंच 158300, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 127800,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.25 पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपया नीचे आया है। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की मजबूती के साथ 89.05 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.02 पर खुला और शुरुआती दौर में हल्की बढ़त दर्ज करते हुए 89.05 के स्तर पर पहुंचा। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की नरम कीमतें रुपये को सहारा दे रही हैं, हालांकि डॉलर की वैश्विक मजबूती रुपये पर दबाव बनाए हुए है। सोमवार को घरेलू मुद्रा 50 पैसे बढ़कर 89.16 पर बंद हुई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.06 फीसदी बढ़कर 100.13 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। ऑटो, आईटी और निजी बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 313.70 अंक नीचे आकर 84,587.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.70 अंक नीचे आकर 25,884.80 पर बंद हुआ। वहीं लार्जकैप शेयरों में बिकवाली दर्ज की गयी। इसके विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 216.40 अंक याकी तेजी के साथ 60,298 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.80 अंक की मजबूती के साथ 17,730.30 पर था। सेक्टोरल आधार पर आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.44 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.44 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.55 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.62 फीसदी, निफ्टी कमोडिटी 0.15

फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर 0.37 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी ऑटो 0.23 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.57 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.80फीसदीऔर निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.23 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एसबीआई, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट रुख के साथ खुले। सेंसेक्स ने 100 अंकों की बढ़त के साथ 85,008 पर कारोबार की शुरुआत की, लेकिन खुलते ही इसमें कमजोरी नजर आई। इसी तरह निफ्टी-50 भी 25,998 पर खुला, लेकिन जल्द ही इसमें उतार-चढ़ाव दिखा। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 6.75 अंक फिसलकर 25,952 पर पहुंच गया। दूसरी ओर एशियाई बाजार मंगलवार को तेजी के साथ खुले। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.65 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

केंद्र की नई फास्ट ट्रैक जीएसटी योजना से पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी

नई दिल्ली ।एजेंसी। केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से फास्ट ट्रैक जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू की। इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को तेज़, आसान और पारदर्शी बनाना है। जीएसटी परिषद ने सितंबर में 56वीं बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। पहले 15 दिनों में 1,42,000 आवेदनों को मंजूरी मिली, जिनमें दो-तिहाई पंजीकरण स्वचालित रूप से हुए। कुल 2,17,000 पंजीकरण मंजूर किए गए। सबसे तेज मंजूरी 21 मिनट में दी गई। पहला पंजीकरण 1 नवंबर को जारी हुआ। नई प्रणाली के तहत तीन कार्यदिवसों में पंजीकरण उन आवेदकों को मिलेगा जिन्हें सिस्टम डेटा से पहचाना जा सके और जिनकी मासिक देयता 2.5 लाख रुपये से अधिक न हो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, इससे 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होगा। अधिकारियों के अनुसार, नई ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के एक अ ?धिकारी ने बताया कि छोटे कारोबारी और पेशेवर अब 24 घंटे में पंजीकरण प्राप्त कर रहे हैं।

अफगानिस्तान सोने की खदानों में पैसा लगाएं भारतीय कंपनियां, टैक्स में मिलेगी छूट

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारत में अफगानिस्तान के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी अपनी छह दिन की यात्रा पूरी कर ली। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए गए। भारत का एक व्यापारिक दूत अफगानिस्तान में तैनात होगा जो दोनों देशों के व्यापार को और आसान बनाएगा। साथ ही जो भारतीय कंपनियां या निवेशक अफगानिस्तान के सोने की खदानों में पैसा लगाएंगी, उन्हें पांच साल तक टैक्स में पूरी छूट दी जाएगी। सबसे खास बात ये है कि भारत और अफगानिस्तान के बीच एक एयर कार्गो कॉरिडोर से नया रास्ता खुलेगा। यही मुख्य बातें हैं जो तालिबान शासित अफगानिस्तान के वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने अपनी छह दिन की भारत यात्रा सोमवार को खत्म करते वक्त तय कीं। पिछले हफ्ते भारत आए अजीजी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की थी और भारतीय कारोबारियों से बातचीत की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में अफगान दूतावास में पत्रकारों से बात करते हुए अजीजी ने कहा था कि एक महीने में अफगानिस्तान का व्यापारिक दूत भारत आएगा और काबुल चाहता है कि दोनों देशों का व्यापार एक अरब डॉलर से बहुत ज्यादा हो। उन्होंने कहा कि निजी निवेश के मामले में भारत और अफगानिस्तान दोनों तरफ से बहुत मजबूत रहे। अजीजी ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में पैसा लगाने का ऑफर दिया और कहा कि खदान, खेती, दवा-स्वास्थ्य, आईटी, बिजली और कपड़ा जैसे कई क्षेत्रों में मौका है। उन्होंने बताया कि नए क्षेत्रों में निवेश करने वालों को पांच साल तक टैक्स नहीं देना पड़ेगा। खासकर सोने की खदान में। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन वहां ज्यादा प्रतिद्वंद्वी नहीं मिलेंगे, भारत को जमीन भी देंगे, टैरिफ में छूट देंगे और पांच साल टैक्स माफ करेंगे, ताकि भारतीय कंपनियां आसानी से वहां कारोबार शुरू कर सकें।

मेष- आज आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी, जिससे आपको बिजनेस को एक नई राह में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, लेकिन आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिससे आप अपने सभी कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे। विद्यार्थी किसी खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिता में भाग लेंगे और आपकी राजनीति में भी अच्छी छाप रहेगी, जिससे आपके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको अपने किसी लेनदेन से संबंधित मामले पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी विपरीत परिस्थिति में भी आप धैर्य बनाए रखें और अपनी संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर आप थोड़ा परेशान तो रहेंगे, लेकिन आप उनकी जिम्मेदारियों को फिर भी पूरा करेंगे।

मिथुन- आज आपके कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी। यदि किसी काम को लेकर आप लंबे समय से परेशान थे, तो वह पूरा हो सकता है। आपको भी किसी शारीरिक समस्या से छुटकारा मिलेगा और आप अपनी इनकम को ध्यान में रखकर व्यय करेंगे, जिससे आपकी सेविंग और भी बढ़ेंगी।

कर्क- आज आप अपने खर्चो को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपके मनमौजी स्वभाव के कारण आपके खर्चे बढ़ेंगे। आपकी किसी बात को लेकर परिवार के किसी सदस्य से खटपट हो सकती है। आप अपने बेफिजूल के खर्चों को करने के बारे में बिल्कुल ना सोचे। परिवार में ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आज आपका मन काम को लेकर परेशान रहेगा। यदि आप किसी नए मकान आदि की खरीदारी करें, तो उसमें आपको अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखना होगा। परिवार में किसी बात को लेकर बेवजह कलह उत्पन्न हो सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। आप अच्छे खान पान का आनंद लेंगे, लेकिन कोई पेट संबंधित समस्या आपको टेंशन देगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी नौकरी में अपने बॉस से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने कामों को समय से पूरा करके बॉस को काफी खुश रखेंगे और जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। बिजनेस में दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी और आपकी किसी से कोई बड़ी डील भी फाइनल होने की संभावना है। आप अपने घर के रिजर्वेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिलेगा, लेकिन फिर भी आप उससे घबराएंगे नहीं और आपकी समझ से कामों में एक नई पहचान बनेगी। आपको किसी नए पद की प्राप्ति भी हो सकती है, लेकिन आपको अपने ईर्ष्यालु और झगड़ा करने वाले लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है। माता-पिता से आप कुछ परिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको धैर्य और साहस से काम लेने की आवश्यकता है और कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपके भाई व बहनों से खूब पटेगी और आप बिजनेस में भी कुछ नई योजनाओं पर अच्छा खासा धन लगाएंगे और किसी के साथ पार्टनरशिप कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। वाणी के मधुरता बनाए रखेंगे, जिससे आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा, क्योंकि आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं, जो आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित होंगे, जिसमें आप अपनी राय अवश्य दें।

मकर- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी अपने किसी परिजन से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आप अपने किसी गलती को दोहराएं ना, नहीं तो इससे आपका कोई वाद-विवाद खड़ा हो सकता है और आपको किसी नए पद की प्राप्ति होने से भी मन काफी खुश रहेगा। परिवार में किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी और आपकी माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिसको लेकर आप ढील बिल्कुल न दें। जो जातक किसी सरकारी काम के पूरा न होने से परेशान है, तो उनका वह काम भी पूरा होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन- आज आप परोपकार के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और आप परिवार के सदस्यों के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। माताजी का कोई पुराना रोग भरने से थोड़ी टेंशन होगी, लेकिन किसी अच्छे डॉक्टर के परामर्श से आपकी यह समस्या भी दूर होगी।

शब्दजाल - 8091

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	र	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	ध	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	र	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ.

शब्दजाल - 8090 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7035

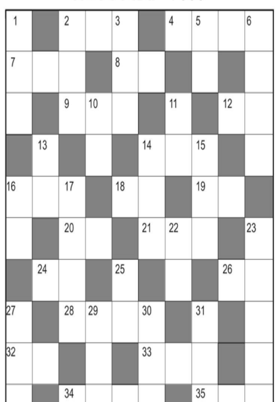

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7034

रि	फ्यू	जी	■	बे	मि	सा	ल	■	क
शि	■	न	म्र	ता	■	या	■	फ	र्ज
ता	क	त	■	बी	ना	■	सु	र	■
■	र्त	■	श	■	स्ति	■	■	दी	पा
दि	व्य	श	क्ति	■	क	न्या	दा	न	■
ल	■	रा	■	रो	■	■	ग	■	ई
से	ह	रा	■	श	र्मी	ली	■	घा	त
■	थि	■	स	नी	■	ला	रा	■	का
द	या	वा	न	■	पॉ	■	जा	लि	म
स	र	■	म	न	च	ली	■	सा	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.56 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	10.01 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.48 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.21 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.51 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.31 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.59 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कन्या	01.11 बजे से
		तुला	03.22 बजे से
		वृश्चिक	05.36 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 330 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 00.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 01.33 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 12.42 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.34 बजे तदनन्तर तैतिल 00.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 5.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872540 **जूलियन दिन** 2461005.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 04 **विशेष** सुब्रह्मण्य षष्ठी, चंपा षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: काम का महत्व

रूसी क्रांति के बाद का दौर था। देश की कमान लेनिन के हाथ में आ चुकी थी। क्रांति के बाद पूरे देश की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई थी। रूसी मजदूरों ने उस वक्त अपनी शनिवार की छुट्टी को, जो कानूनन उन्हें मिलती थी, स्वेच्छापूर्वक राष्ट्र को समर्पित कर दिया था। उस दिन भी वे काम पर आते थे। लेनिन उनके अगुआ थे। वह कहते थे- 'साम्यवादियों का श्रम समाज निर्माण के लिए होता है।' वह किसी ईनाम या पुरस्कार की इच्छा से नहीं, बल्कि 'बहुजन हिताय' अर्पित किया जाता है। उन दिनों लेनिन के गले में तकलीफ थी क्योंकि एक हमलावर ने उन पर छर्रे भरी पिस्तौल चला दी थी। कुछ छर्रे तो निकाल दिए गए थे लेकिन कुछ गले में ही रह गए थे और बहुत कष्ट देते थे। फिर भी लेनिन कष्ट की परवाह न करते हुए मजदूरों का साथ देने के लिए स्वयं सुबह से शाम तक काम में जुटे रहते थे। मजदूर मना करते और कहते कि आप कोई हल्का काम ले लें, किंतु लेनिन नहीं मानते। बल्कि वह खेल-खेल में मजदूरों से मुकाबला करते कि कौन सबसे भारी काम कर सकता है। एक दिन एक मजदूर ने उनसे पूछा, 'श्रीमान् आप देश चलाते हैं। आपके पास कई बड़े-बड़े काम हैं, फिर भी आप इन छोटे कामों को महत्व क्यों देते हैं?' लेनिन ने उस मजदूर के कंधों पर हाथ रखा और कहा, 'देखो दोस्त, कोई काम छोटा नहीं होता। मुझमें और तुझमें कोई अंतर नहीं है। अगर है भी तो यही कि तेरी भुजाएं मुझसे बलिष्ठ हैं।' इतना कह कर वह ठठाकर हंस पड़े।

सूडोकु नवताल- 7344

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7343 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 8559

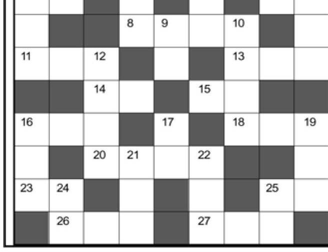

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8558 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	ना	नी	■	ल	व	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	स	■	ह	■
र	स	द	■	ता	ली	ब	जा	ना
बा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
य	■	■	स	ज	दा	■	ना	क
त	ल	घ	र	■	र	ह	म	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सेग्रिकेशन शेड में संचालित की जा रही आंगनवाड़ी

वनांचल ग्राम सतोना को अब तक नहीं मिला आंगनवाड़ी भवन - लीलाराम मानकर, सरपंच

पद्मेश न्यूज ।लांजी।

लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत वनांचल क्षेत्र की पंचायत कंसुली अन्तर्गत ग्राम सतोना में आंगनवाड़ी भवन नही होने परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा वर्तमान में इस ग्राम की आंगनवाड़ी सेग्रिकेशन शेड में संचालित की जा रही है। बतादे कि यू तो शासन प्रशासन वनांचल क्षेत्र हो या नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास को लेकर बड़े-बड़े वायदे करती है। लेकिन मुलभूत सुविधाओं पर शासन प्रशासन का ध्यान नही है। ग्राम पंचायत कंसुली अन्तर्गत ग्राम सतोना के निवासियों ने बताया कि ग्राम में वर्ष 2017 से आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित है लेकिन आज 8 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी ग्राम सतोना में आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य नही कराया गया है। पंचायती व्यवस्था या वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्यत्र स्थानों में आज दिनांक तक आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित किया जा रहा है तथा वर्तमान में ग्राम में उपयोग आने वाले कचरा संग्रहण सेग्रिकेशन शेड में आंगनवाड़ी संचालित की जा रही है।

आंगनवाड़ी भवन अतिआवश्यक - सरपंच लीलाराम मानकर

उक्त संबध में ग्राम पंचायत कंसुली के सरपंच लीलाराम मानकर ने कहा कि ग्राम सतोना जो कि मेरी पंचायत क्षेत्र के अन्तर्गत आता है यहां विगत 8 वर्षो से आंगनवाड़ी भवन नही होने से बच्चों को, महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में मेरे द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कचरा संग्रहण हेतु बनाये गये सेग्रिकेशन शेड में आंगनवाड़ी भवन संचालित किया जा रहा है। जबकि मैने लगतार आंगनवाड़ी भवन को लेकर पत्राचार किया है। कलेक्टर महोदय से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष, सीईओ, महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट, जनपद पंचायत लांजी सहित वर्तमान में विधायक राजकुमार कर्राहे तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल जी को भी ज्ञापन पत्र के माध्यम आंगनवाड़ी भवन की मांग की गई है। वर्तमान में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र में 35 दर्ज संख्या है। अत¬ मेरी शासन प्रशासन से मांग है कि ग्राम सतोना में अतिशिघ्र आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य करवाया जाये ताकि बच्चो एवं महिलाओं को शासन की सुविधाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल सके।

देवेश तिड़के के निधन पर पत्नी श्रीमती गीता तिड़के को प्रदान की गई अंत्येष्टि सहायता राशि

पद्मेश न्यूज ।लांजी। मध्यप्रदेश शासन की जन कल्याणकारी संबल योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की मृत्यु उपरांत परिजनों को अंत्येष्ठि सहायता राशि 5000 रूपए प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना से गरीब परिवार को काफी राहत मिलती है। इसी संबल योजना के तहत नगर परिषद लांजी के द्वारा तत्परता से कार्रवाई कर पात्र हितग्राही को त्वरित लाभ दिलाया जा रहा है। इसी के तहत 2 नवंबर को नगर के वार्ड क्रमांक 9 मनेरी फाटक लांजी निवासी देवेश तिड़के की मृत्यु उपरांत शासन की योजना के अंतर्गत प्रकरण तैयार मृतक की पत्नी श्रीमती गीता तिड़के को अंत्येष्टि सहायता राशि 5 हजार रूपए का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया एवं राशि आनलाईन उनके खाते में डाली गई। इस संबंध में वार्ड पार्षद किशोर रामटेककर ने जानकारी में बताया कि वार्ड क्रमांक 9 मनेरी फाटक लांजी निवासी देवेश तिड़के की बिमारी के चलते 2 नवंबर को निधन हो गया। मृतक संबंल कार्डधारी था, जिसकी सूचना मिलने पर परिजनों से अंत्येष्टि सहायता राशि के लिए नगर परिषद के नाम विधिवत आवेदन करवाया गया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मार्गदर्शन में अंत्येष्टि सहायता राशि लांजी वार्ड पार्षद एवं सभापति किशोर रामटेककर के द्वारा मृतक के घर पहुंच कर मृतक की पत्नी श्रीमती गीता तिड़के को 5 हजार रूपए का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा संबल कार्डधारी की सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपए की पात्रता होती है, जिसके लिए भी आवेदन ऑनलाइन किया गया है। इस दौरान वार्ड नंबर 09 के प्रभारी मचलेश चौरवाड़े एवं योजना प्रभारी मोनू वराडे, साथ ही महेश तिड़के, शोभाराम खोबरागड़े मौजूद थे।

रजेगांव-लांजी पीडब्लुडी मुख्य मार्ग साइड पटरी पर मुरुम की जगह डाली जा रही पीली मिट्टी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत संचालित गिट्टी खदानों में गिट्टियों का अत्यधिक उत्खनन कर बड़ी-बड़ी गहरी खाई में तब्दील कर दिया गया है जो कि 100 से 150 फीट तक गहरी हो चुकी है ऐसे में भला इन खदान का मलमा उठकर अगर सड़क की मुख्य साइड पटरी पर डाला जाएगा तो इन खदानों का भराव कैसे किया जाएगा जो कि यह खदान अब खुली पड़ी है। आपको बता दें कि किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत बेनेगांव में संचालित गिट्टी खदानों के ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य किया गया था सड़क निर्माण के पश्चात यहां से अपनी क्रेशर मशीन लेकर चले गए किंतु खदानों को अत्यधिक गहरा कर दिया गया है। ऐसे में यह खदान अब खुली पड़ी है जो की 100- 150 फीट गहरी होने से आसपास के गांवों के पालतू मवेशी, जंगली जानवर या अन्य लोग भी इस गहरी खदान में अपनी जान गवा सकते हैं। जबकि गिट्टी खदान के आजू-बाजू किसी प्रकार का सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि गिट्टी खदानों में ब्लास्टिंग के दौरान आजू-बाजू के घर कंप जाते है। विभागीय अधिकारियों का भी इस और ध्यान नहीं है। अब भला गिट्टी खदानों के मलमा का उपयोग सड़क की साइट पटरियों पर भराव के लिये किया जाएगा तो गहरी खदानों का भराव कैसे किया जाएगा। यह बेहद ही विचारणीय विषय है। इस संबंध मे ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को साइट पटरियों पर डाली जा रही मिट्टी के संबंध में अवगत करा दिया गया है। वही किरनापुर और हिर्री मे जगह जगह जो पीली मिट्टी डाली जा रही हैं उस पर ना तो पानी का छिड़काव किया जा रहा है और ना तो बेलन या रोलर चलाकर उस मिट्टी को दबाया जा रहा है। जिसके कारण सड़क किनारे डाली हवा में उड़कर लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। जो कि स्कूली छात्र छात्राए सहित दो पहिया वाहन चालकों एवं ग्रामीण नागरिकों के लिए परेशान परेशानी का सबब बन गई है।

जनपद की सामान्य सभा बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सदस्यों में भारी नाराजगी

पद्मेश न्यूज ।लांजी। जनपद पंचायत लांजी के सभागार में 25 नवंबर को सामान्य सभा बैठक अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खौंगल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष अजय अवसरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल यादव, सभी सभापति दिनेश लाडे, रेवाजी करहाटकर, महेश चौधरी, टुमन घोरमारे, गोवर्धन घोरमारे, डॉ. श्यामलाल बेदरे, पदमा कबीरे, कविता मात्रे, श्रीमती बनोठे, योगेश कुराहे, महेन्द्र पटले, नीलकंठ ठाकरे सहित सभी जनपद सदस्य एवं जनपद के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की जानी थी, लेकिन अधिकांश विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की गैर-मौजूदगी के कारण महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस चर्चा नहीं हो सकी। सदस्यों ने इसे गंभीर लापरवाही बताया और कड़ी नाराजगी जताई।

मुख्य बिंदु और सदस्यों की नाराजगी

कृषि विभाग = अधिकारी अनुपस्थित रहे। बीज वितरण और स्टॉक की अधूरी जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग = बीएमओ अनुपस्थित। तृतीय श्रेणी कर्मचारी ने प्रतिनिधित्व किया। अध्यक्ष ने सीईओ को कलेक्टर को प्रस्ताव भेजकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग = विभागीय अधिकारी अनुपस्थित। सुपरवाइजर ने अधूरी जानकारी दी, जिससे सदस्यों में असंतोष।

विद्युत एवं सहकारिता विभाग = संबंधित अधिकारी अनुपस्थित रहे, ऑपरेटर ने अधूरी जानकारी दी।

मनरेगा सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी पर्याप्त चर्चा नहीं हो सकी।

सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि बार-बार अधिकारियों की अनुपस्थिति से जनपद के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनप्रतिनिधियों का समय बर्बाद हो रहा है।

अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खौंगल ने कड़े लहजे में निर्देश दिए कि आगामी सामान्य सभा बैठक में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थिति रहने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों से जनपद के विकास में पूर्ण सहयोग की अपेक्षा भी जताई।

विधायक गौरव पारधी ने हरदौली वॉलीबॉल प्रतियोगिता के समापन में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया

पद्मेश न्यूज। नांदी। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हरदौली में आयोजित ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन ऊर्जा और रोमांच से भरे माहौल में हुआ। इस प्रतियोगिता में आसपास के क्षेत्रों की टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक गौरव सिंह पारधी ने खिलाड़ियों से परिचय करते हुए संवाद किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। वॉलीबॉल टूर्नामेंट में छिंदवाड़ा, पुलिस लाइन बालाघाट, बैहर, सिटी क्लब बालाघाट, बिरसी, बोनकट्टा, सरंडी, खापरखेड़ा, आगरवाडा, कायदी, बिछिया, बरघाट, मल्हारा, सीता सावगी, हरदौली सहित विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कई कड़े मुकाबलों के बाद फाइनल मैच मल्हारा और बिछिया टीम के बीच खेला गया। खिलाड़ियों के शानदार खेल ने दर्शकों को पूरे समय रोमांचित रखा। अंतत: बिछिया ने मल्हारा को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

खिलाड़ियों और युवाओं ने विधायक पारधी का गर्मजोशी से स्वागत किया

प्रतियोगिता में पहुंचे विधायक गौरव सिंह पारधी का खिलाड़ियों और ग्राम के युवाओं ने उत्साह के साथ स्वागत किया। मैदान पर बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने उनके आगमन पर तालियों से माहौल को और जीवंत बना दिया। युवाओं ने बताया कि विधायक की उपस्थिति से उनके मनोबल में बढ़ोतरी होती है और ऐसे आयोजनों को नई दिशा मिलती है।

बिछिया ने जीता प्रथम इनाम

विजेता टीम बिछिया को 10,000 रुपये का प्रथम पुरस्कार विधायक गौरव पारधी के सौजन्य से दिया गया और उपविजेता मल्हारा को जनपद अध्यक्ष के सौजन्य से 5,555 रुपये का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण के दौरान विधायक पारधी ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण प्रतिभाएं लगातार अपना दमखम दिखा रही हैं और यह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

विधायक गौरव ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर दिया जोर

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विधायक गौरव पारधी ने कहा कि बो बोनकट्टा और हरदौली लगातार वॉलीबॉल जैसे खेल आयोजनों के माध्यम से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतियोगिताओं का बड़ा महत्व है क्योंकि यही प्लेटफॉर्म युवाओं की प्रतिभा को आगे लाता है। विधायक ने आश्वस्त किया कि भविष्य में इन आयोजनों को किसी भी प्रकार की जरूरत या सहयोग होगा तो वह उनके द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं में जो ऊर्जा और क्षमता है, उसे सही दिशा देने के लिए ऐसे खेल कार्यक्रम जरूरी हैं और क्षेत्र की हर उभरती प्रतिभा को आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सरपंच प्रतिनिधि सिंधु मिरचुले, उपसरपंच श्रीमती धन्वंती बाहेश्वर, अरविंद देशमुख, मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने, प्रकाश सोनवाने, गुड्डू अग्रवाल, संजय गोपाले, वरुण देशमुख, प्रियांश राऊत, राहुल देशमुख, नानेश्वर पुष्पतोडे, जागेश्वर डहरवाल, अजय पुष्पतोडे, अभिषेक देशमुख, गोपाल नेवारे, हर्षित नेवारे, सागर मानेश्वर, तुषार, गगन गहाने, रोहित मात्रे, जय गहाने, मासूम मेश्राम, अभिषेक बाहेश्वर सहित आयोजन समिति और ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शांति बाई मेश्राम का निधन

पद्मेश न्यूज ।लांजी। नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग जैन मंदिर के बाजू में निवासरत श्रीमती शांति बाई तुकाराम मेश्राम का 82 वर्ष की आयु में 25 नवंबर को शाम 6.30 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार आज 26 नवंबर को दोपहर 1 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। आप अपने पीछे दो पुत्र गजेन्द्र मेश्राम व कमल किशोर मेश्राम व तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। इनके निधन पर रिश्तेदारों और समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के कार्य में जुटे बीएलओ पर काम का दबाव, अफसरों की फटकार और टारगेट से बिगड़ रही तबीयत

मप्र में 10 दिन में 6 बीएलओ की गई जान

भोपाल/शहडोल। शहडोल में सोमवार को लोगों से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का फॉर्म भरवाने के दौरान बीएलओ को एक अधिकारी का कॉल आया, इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर में बीएलओ की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में 10 दिन में 6 बीएलओ की मौत के मामले सामने आए हैं।

मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा में 4 नवंबर से एसआईआर का काम चल रहा है। प्रदेश के कुल 5 करोड़ 74 लाख 5 हजार वोटर्स के फॉर्म डिजिटलाइज करने हैं। इस काम में 65 हजार 14 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन काम के तनाव की वजह से उनकी जान पर बन आई है। मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली को पत्र लिखा है। जिसमें एसआईआर सर्वे के दौरान मृत होने या घायल-तबीयत खराब होने वाले कर्मचारियों को राहत देने की मांग की गई। ठीक उसी तरह जैसे चुनाव के दौरान मदद दी जाती है। मृत कर्मचारी के परिजन को 15 लाख रुपए और घायल या बीमार होने वाले कर्मचारी का सारा इलाज मुफ्त में कराने की मांग की गई है।

अब तक इनकी मौत

शहडोल जिले के सोहागपुर में बीएलओ मनीराम नापित (54) की सोमवार शाम को हार्ट अटैक से मौत हो गई। वे पतेरिया गांव में मतदाताओं से प्रपत्र भरवा रहे थे। वहीं तीन दिन पहले नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में एसआईआर सर्वे कर लौट रहे सहायक शिक्षक सुजान सिंह रघुवंशी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। 20 नवंबर की रात मंडीदीप में एक बीएलओ की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रात में बीएलओ रमाकांत पांडे ऑनलाइन मीटिंग में शामिल थे। मीटिंग खत्म होने के 10 मिनट बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और वे वॉशरूम में गिर पड़े। झाबुआ जिले के रहने वाले सजन के पिता भुवान सिंह चौहान की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पेशे से शिक्षक भुवान सिंह एसआईआर में बीएलओ का काम देख रहे थे। 18 नवंबर को जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें काम में लापरवाही बरतने पर सस्पेंड कर दिया था। परिवार का आरोप है कि सस्पेंशन के तनाव की वजह से उनकी जान गई है। दमोह में बीएलओ सीताराम गोंड की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से जबलपुर रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र-111 के अंतर्गत मतदान केंद्र क्रमांक-10 बोट्टा की बीएलओ और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता नागेश्वर (50) की मंगलवार को नागपुर में मौत हो गई। 13 नवंबर को तबीयत बिगडने के बाद उन्हें गोंदिया में भर्ती कराया गया था।

नायब तहसीलदार की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

विदिशा में पदस्थ नायब तहसीलदार की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। 24 वर्षीय कविता कड़ेले मंगलवार सुबह करीब 11 बजे राजस्व आवास परिसर घायल हालत में मिलीं। आशंका है कि उन्होंने अपनी बिल्डिंग की छत से छलांग लगाई है। मौके पर पहुंचे लोग आनन-फानन में उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों में उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। वहीं इस घटना ने जिले के प्रशासनिक अमले में भी हड ?प मचा दिया है। जिला कलेक्टर समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार नायब तहसीलदार इंदौर की रहने वाली थी और छह माह पहले ही विदिशा जिले के खामखेड़ा वृत्त में पदस्थ हुई थीं। बताया जा रहा है कि वे एसआईआर के काम में लगी हुई थीं, सोमवार को दिनभर वे अएसआईआर के काम में जुटी थी। मगंलवार सुबह यह घटना हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतका सोमवार को दिनभर वे अपने क्षेत्र में गणना पत्रक फॉर्म जमा करने को लेकर भ्रमण कर रही थी। रात करीब 9 बजे तक कलेक्टर की वीसी में भी शामिल रहीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से इसकी जांचकर रही है। मौत का कारण अबतक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी व सी.एंड.डी. वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध निगम की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने के साथ ही स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन न करने व गंदगी फैलाकर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने, स ?कों एवं सार्वजनिक एवं खुले स्थानों पर भवन निर्माण सामग्री एवं सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाकर वायु को प्रदूषित करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए स ?कों व सार्वजनिक स्थलों फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 192 प्रकरणों 40 हजार 250 रूपये की राशि वसूल की जबकि सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 15 प्रकरणों में 01 हजार 700 रुपये की राशि स्पॉट फाईन,जुर्माने के रूप में वसूल करने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा शहर में विभिन्न प्रकार से साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों तथा स ?कों, सार्वजनिक स्थलों पर सी.एंड.डी वेस्ट फेकने व निर्माणाधीन भवनों में ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए जोन क्र. 01 में 11 प्रकरणों में 01 हजार 250 रूपये, जोन क्र. 02 में 03 प्रकरणों में 750 रूपये, जोन क्र. 03 में 19 प्रकरणों में 01 हजार 900 रूपये, जोन क्र. 05 में 10 प्रकरणों में 02 हजार 700 रूपये, जोन क्र. 06 में 04 प्रकरणों में 400 रूपये, जोन क्र. 07 में 11 प्रकरणों में 01 हजार 100 रूपये, जोन क्र. 08 में 09 प्रकरणों में 03 हजार 600 रूपये, जोन क्र. 09 में 01 प्रकरण में 01 हजार रूपये, जोन क्र. 10 में 16 प्रकरणों में 05 हजार 300 रूपये, जोन क्र. 11 में 03 प्रकरणों में 300 रूपये, जोन क्र. 12 में 01 प्रकरण 500 रूपये, जोन क्र. 13 में 12 प्रकरणों 01 हजार 800 रूपये, जोन क्र. 14 में 18 प्रकरणों 03 हजार 500 रूपये, जोन क्र. 15 में 05 प्रकरणों में 05 हजार 400 रूपये, जोन क्र. 16 में 46 प्रकरणों में 06 हजार 200 रूपये, जोन क्र. 17 में 04 प्रकरणों में 01 हजार 650 रूपये, जोन क्र. 18 में 04 प्रकरणों 400 रूपये, जोन क्र. 20 में 10 प्रकरणों 01 हजार रूपये तथा जोन क्र. 21 में 05 प्रकरणों 500 रूपये की राशि वसूल की।

खेलते-खेलते घर का रास्ता भटकी 06 वर्षीय बालिका , डायल-112 जवानों ने परिजन से मिलाया

भोपाल । ग्वालियर के थाना महाराजपुरा क्षेत्र में अद्वितीय पुरम में ग्रीन वुड के पास एक बालिका मिली है,जो घर का रास्ता भटक गयी है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनाँक 24-11-2025 को दोपहर 02¬33 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल महाराजपुरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक शम्भू सिंह गुर्जर आरक्षक धर्मेंद्र सिंह ठाकुर एवं पायलेट शैलेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुँचकर 06 वर्षीय बालिका को संरक्षण में लिया। जो अपने परिजन के बारे में जानकारी नहीं दे पा रही थी, डायल-112 जवानों ने आस पास के क्षेत्र में परिजन की तलाश करने पर कोई जानकारी न मिलने पर बालिका को ए? आर व्ही वाहन से थाने लेकर आए। डायल-112 स्टाफ ने थाने के माध्यम से बालक के मिलने की सूचना आस पास के थाने और कंट्रोल रूम को दी गयी, बालिका के परिजन भी बालिका को ढूँढ रहे थे, उन्हें आस पास के लोगों से जानकारी मिली की एक बालिका को डायल-112 एफआरव्ही वाहन से थाना लेकर गए है बालिका के परिजन उसे ढूँ ?ते हुए थाना पहुँचे । जहाँ बालिका द्वारा पहचान व सत्यापन उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। परिजन द्वारा डायल-112 सेवा की प्रशंसा एवं पुलिस स्टाफ का धन्यवाद किया। प्राप्त जानकारी अनुसार बालिका का नाम शिवानी बघेल पिता प्रताप बघेल उम्र 06 वर्षीय जो घर से खेलते खेलते निकल गयी थी।

मुस्कान अभियान के दौरान वर्ष 2023 की नबालिक बालिका को किया दस्तयाब

भोपाल। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 22.05.23 को सुबह में काम पर चली गयी थी । दोपहर करीब 03.30 बजे घर वापस आयी तो देखी कि मेरी लडकी आयु 15 साल 7 माह निवासी शिवाजी नगर एम.पी. नगर भोपाल घर पर नहीं थी, तो मैने अपनी छोटी लड़की से पूछा कि दीदी कहां है तो उसने बतायी की अभी करीब 03.00 बजे दीदी अपनी सहेली के यहां जाने की बोलकर गयी है साथ में बेग भी ले गयी है।

तो मैने सोचा कि सहेली के घर गयी है आ जायेगी, किन्तु आज भी बापस नही आई तो मैने आज उसकी सहेली नि0- श्याम नगर मल्टी हबीबगंज में जाकर पता किया तो लड़की वहां नहीं पहुंची, इसके बाद लडकी की आसपास तलास किया जो नहीं मिली जो बिना बताये कहीं बली गयी है, मेरी बेटी का हुलिया कद करीब 4 फिट 6 इंच, रंग सांवला, बाल सामान्य, चेहरा गोल जो नीले कलर की सलवार सूट व पिंक कलर की सेंडिल पहने है।

जिसका अभी तक पडोस व रिश्तेदारों तथा संभावित स्थानों में तलाश करने पर कोई पता नहीं चलने से इस समय थाने सूचना देने आयी हूँ उक्त के अवलोकन उपरान्त प्रथ मदृष्ट्या अपराध धारा 363 भादवि का पाया जाने से अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अपराध धारा 363 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

पुलिस मुख्यालय द्वारा बालक-बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे विशेष मुस्कान अभियान में पुलिस उपायुक्त महोदय नगरीय पुलिस जोन-2 भोपाल द्वारा बालक बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु विशेष निर्देश दिये गये। उक्त अभियान में पुलिस उपायुक्त नगरीय पुलिस जोन-2 भोपाल के मार्गदर्शन एवं अति.पुलिस उपायुक्त जोन 02 श्री गौतम सोलंकी, सहायक पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल श्री मनीष भारद्वाज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जयहिन्द शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित कर अपराध क्रमांक 240/23 धारा 363 भादवि मे अपहृर्त बालिका की दस्तयावी करने में सफलता प्राप्त हुई है ।

निरीक्षक जयहिन्द शर्मा ,उप निरी.अर्चना तिवारी ,मआर.425 पूजा अहिरवार ,मआर 4399 वंशिता गोस्वामी , आर.2115 मनोज जाट ,आर. 4662 महेन्द्र माली की सराहनीय भूमिका रही ।

फरार बदमाशो ने धारदार हथियार के साथ वीडियो वायरल कर पुलिस को दिया चैलेजं

भोपाल। राजधानी भोपाल में इन दिनो बदमाशों के हौसलें पुलिस कार्यवाही के बाद भी लगातार बुंलद है। पुलिस बदमाशो को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकालते हुए सलाखो के पीछे भेज रही है, लेकिन पुलिस एक्शन के बाद भी आरोपी खुलेआम पुलिस को चैलेंज कर रहे है। गौमम नगर थाना इलाके में कारोबारी के साथ अड़ीबाजी और कारो में तोड़फोड़ करने वाले फरार बदमाशो ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में बदमाश कह रहे है- की पहली बार जेल नहीं जा रहे, जेल जाने से डरते भी नहीं हैं। जिसने हमारी मुखबिरी की है, उनको छो ?ेंगे नहीं। गिरफ्तार होते ही ऐसे खुलासे करेंगे, जिससे सबके होश उ? जाएंगे। बताएंगे, किसके कहने पर वारदात की है। धमकी भरे दो वीडियो मंगलवार को सामने आए वीडियो में एक बदमाश हाथ में धारदार चाकू दिखाते हुए कहता है की मुखबिरों चाकू उनके घुसेड़ देगे। ये वीडियो उन्हीं बदमाशों का बताया जा रहा है, जिन्होंने शनिवार रात गौतम नगर थाना इलाके की ग्रीन पार्क कॉलोनी में वाहनों में तो ?फो ? की थी। फरार आरोपियो ने अपने अन्य साथियों के जेल जाने के बाद ये वीडियो जारी किया है। गौरतलब है कि इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार कर इलाके में उनका जुलूस निकाला था। फिलहाल पुलिस वीडियो वायरल कर धमकी देने वाले फरार बदमाशो की गिरफ्तारी के प्रयासा कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे प्रस्फुटन समितियों की राशि का अंतरण

भोपाल। मप्र जन अभियान परिषद द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और नागरिक कर्तव्य पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे। आयोजन स्टेट सेंटर भवन, संचालनालय सामाजिक न्याय एवं निशक्त्जन कल्याण भोपाल में संपन्न होगा। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ विजय मनोहर तिवारी, एमीयू के कुलगुरू, डॉ. राका आर्य, प्रो. राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविदयालय भोपाल का प्रेरक उदबोधन दिया जायेगा। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ सहित कई वरिष्ठजन उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मप्र जन अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की प्रोत्साहन राशि का भी अंतरण करेंगे।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने एन.टी.पी.सी. के अधिकारियों से भेंट के दौरान दिए निर्देश

भोपाल।निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने एन.टी.पी.सी के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह आदमपुर में टोरीफाईड चारकोल प्लांट का ट्रायल रन आगामी जनवरी माह में प्रारंभ करें और प्लांट का पूर्ण रूप से संचालन भी शीघ्रता से प्रारंभ किया जाए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन से भेंट करने आए एन.टी.पी.सी के अधिकारियों को यह निर्देश दिए। भेंट के दौरान एन.टी.पी.सी के अधिकारियों ने बताया कि चारकोल प्लांट के सभी कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है और प्लांट संचालन की सभी तैयारियां भी अंतिम चरण में है। प्लांट को शीघ्र ही प्रारंभ कर दिया जाएगा। भेंट के दौरान एन.टी.पी.सी के ए.जी.एम विजय कुमार, डी.जी.एम कुमार सौरभ तथा प्रोजेक्ट इंचार्ज शाद अली व आलोक पाठक आदि मौजूद थे।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन से मंगलवार को नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन के अधिकारियों ने हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित आयुक्त कार्यालय में भेंट की और आदमपुर में सूखे कचरे से टोरीफाईड चारकोल बनाने हेतु निर्मित किए जा रहे प्लांट के संबंध में जानकारी दी। एन.टी.पी.सी के अधिकारियों ने बताया कि प्लांट में प्रतिदिन 400 टन सूखे कचरे से टोरीफाईड चारकोल का निर्माण किया जाएगा जिसे ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। एन.टी.पी.सी के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल देश में बनारस के बाद दूसरा शहर है जहां सूखे कचरे से टोरीफाईड चारकोल बनाने का प्लांट प्रारंभ किया जा रहा है। प्लांट के संचालन की सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में है और प्लांट को शीघ्र ही संचालित किया जाएगा। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने एन.टी.पी.सी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्लांट से संबंधित जो भी कार्य एवं तैयारियां शेष है उन्हें शीघ्रता से पूर्ण कर आगामी जनवरी में माह में इसका ट्रायल रन प्रारंभ करें और इसके उपरांत शीघ्रता से पूर्ण रूप से प्लांट पर संचालन प्रारंभ किया जाए।

सीट कवर बनाने वाले युवक से अड़ीबाजी करने वाले बदमाश शिकंजे में

भोपाल। अयोध्यानगर थाना पुलिस ने बीते दिनो युवक से अड़ीबाजी कर मारपीट करने वाले बदमाशो का गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी राज मडराई 11 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था की वह प्रांजल अस्पताल के सामने बस स्टाप के पास गाडी के सीट कवर बनाने की दुकान लगाता है। घटना वाले दिन तीन युवक उसके पास आये गाली-गलौच करते हुए अड़ीबाजी कर गाडी में बिना पैसै दिये सीट कवर लगाने और शराब पीने के लिये पैसो की मांग करने लगे। जब उसने पैसे देने से इंकार किया तब बदमाशो ने उसके साथ जमकर मारपीट की और धमकी देते हुए फरार हो गये। मामला कायम कर पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर घेराबंदी करते हुए आरोपी रवि शर्मा उर्फ राज शर्मा पिता काशीराम शर्मा (32, हर्ष कैथोरिया पिता सरदार कैथोरिया (25) और नमन स्वामी पिता मनोज स्वामी (19) तीनो निवासी पिपलानी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियो में शामिल रवि शर्मा के खिलाफ थाना अयोध्यानगर, पिपलानी और थाना क्राइम ब्रांच में 10 प्रकरण दर्ज है। वहीं बदमाश हर्ष कैथोरिया के खिलाफ थाना पिपलानी, अवधपुरी और अयोध्यानगर में 7 अपराधिक मामले दर्ज है।

9 दिसम्बर को खजुराहो में होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्री परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रम कानून के संबंध में लिए गए फैसले के लिए मंत्रि-परिषद की ओर से उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग व्यापार के लिए यह अद्भुत कला है, श्रम से संबंधित 44 कानून की बजाय केवल 4 कानून की व्यवस्था से उद्योग व्यापार जगत को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। यह कानून पूरे देश में एक साथ लागू होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खजुराहो में 8 और 9 दिसंबर को विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी ?। इसमें विभागों की दो वर्ष की उपलब्धियों, नवाचारों, आगामी वर्षों के प्रमुख लक्ष्यों, चुनौतियों और कार्य योजनाओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही 9 दिसंबर को मंत्री परिषद की बैठक खजुराहो में होगी। यह गतिविधि केन बेतवा लिंक परियोजना और बुंदेलखंड के विकास को समर्पित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में जन्मी मादा चीता मुखी द्वारा 5 शावकों को जन्म देना बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा और प्रदेश में औद्योगिक तथा निवेश गतिविधियों के विस्तार के लिए हैदराबाद में हुए रोड-शो की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने एक दिसंबर से आरंभ होने वाले गीता जयंती समारोह के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्ष की भांति एक दिसम्बर को गीता जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। कुरूक्षेत्र में 24 नवम्बर से एक दिसम्बर की अवधि में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 में मध्यप्रदेश द्वारा भाग लिया जा रहा है। इसमें जय श्रीकृष्णा नृत्य नाट्य, श्री कृष्ण लीला, कृष्णायन, जनजातीय एवं लोकनृत्य, चित्र प्रदर्शनी इत्यादि विभिन्न कार्यक्रम होगें। प्रदेश के 313 विकासखण्डों, 55 जिला मुख्यालय एवं 10 संभागों में श्रीकृष्ण परंपरा के आचार्यों की सन्निधि में 3 लाख गीता प्रेमी श्रीमद् भागवत गीता के 15 वें अध्याय के श्लोक का सस्वर पाठ करेंगे। कार्यक्रमों में गीता ज्ञान प्रतियोगिता, कृष्णायन-नृत्य नाटिका आदि का भी प्रदर्शन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश के अंतर्गत हैदराबाद में 22 नवम्बर को हुई उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 10 कम्पनियों की ओर से 36 हजार 600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे लगभग 27 हजार 800 नये रोजगार सृजित होंगे। प्रदेश में एजीआई ग्रीनपैक कम्पनी द्वारा पैकेजिंग इंजीनियरिंग सेक्टर में 1500 करोड़ रुपये, एक्सिस एनर्जी वेंचर्स इंडिया कम्पनी द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर में 29 हजार 500 करोड़ रुपये, अनंत टेक्नालॉजीज कम्पनी द्वारा एयरो स्पेस सेक्टर में एक हजार करोड़, ऑटोमेटस्की सॉल्यूशंस कम्पनी द्वारा आईटी सेक्टर में एक हजार करोड़, कोलावेरी इंक कम्पनी द्वारा फार्मा एण्ड ट्रेडिंग सेक्टर में एक हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव ?दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हैदराबाद में ग्रीनको कम्पनी के मुख्यालय का दौरा भी किया। यह कम्पनी प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी में बड़ा काम कर रही है। ग्रीनको ने पिछले 10 वर्षों में 3 हजार मेगावॉट क्षमता वाले नवकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए हैं। आने वाले समय में कंपनी द्वारा 5 वर्षों में 25 हजार करोड़ के निवेश की योजना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत में जन्मी मादा चीता मुखी द्वारा 5 शावकों को जन्म देने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में चीता अफ्रीका से लाये गये थे। उनकी भारत में जन्मी अगली पीढ़ी ने शावकों को जन्म दिया है। यह उपलब्धि भारतीय वनों में चीता प्रजाति के अनुकूलन का महत्वपूर्ण संकेतक है। यह भारतीय आवासों में चीता प्रजाति के अनुकूलन, स्वास्थ्य और दीर्घकालिक संभावनाओं का एक मजबूत संकेतक है। इससे देश में जैव विविधता के संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हो रहे प्रयासों को प्रोत्साहन मिलेगा।

पेंशनरों को त्वरित सेवाएँ

सीबीडीसी के सफल पायलट प्रोजेक्ट पर मध्यप्रदेश अग्रणी

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश की वित्तीय प्रणाली को पूर्ण रूप से डिजिटल और पारदर्शी स्वरूप देने के लिये राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश में डिजिटल करेंसी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये आवश्यक कानूनी और वित्तीय प्रक्रियाएँ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने यह भी कहा कि पेंशन प्रकरणों को संपूर्ण रूप से डिजिटाइज किया जाएगा। इससे लाखों पेंशनरों को त्वरित और सरल सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा मंगलवार को मंत्रालय में वित्त विभाग की गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विगत 2 वर्षों के दौरान प्रदेश का वित्तीय ढांचा अधिक सक्षम, तकनीक-सम्मत और सेवा उन्मुख हुआ है। पेंशन व्यवस्था में किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप अब पेंशन भुगतान एसबीआई द्वारा एग्रीगेटर मॉडल में किया जा रहा है। इससे पेंशनरों को किसी भी बैंक खाते में राशि प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है।

उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने बताया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। इस उपलब्धि से राज्य को 500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है और 66 में से 47 केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की स्वीकृतियाँ जारी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान प्रणाली आज प्रदेश में अधिक त्वरित, सुरक्षित और विश्वसनीय बन चुकी है। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन प्रक्रियाओं को पूर्णतः डिजिटल स्वरूप देने के लिये आईएफएमएस नेक्स्ट जेन को निर्धारित समय सीमा में लागू करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री देव ?ा ने विभागों, कोषालयों तथा आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर भुगतान प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं सटीक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) का सफल पायलट प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है। यह भविष्य में बगैर नकद रकम के लेनदेन, कल्याणकारी योजनाओं के भुगतान में पारदर्शिता और वित्तीय प्रक्रियाओं की गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसे आगामी समय में आईएफएमएस नेक्स्ट जेन से जोड़कर प्रमुख योजनाओं में लागू किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिये ई-जीपीएफ प्रणाली बड़ी राहत के रूप में उभर रही है। महालेखाकार कार्यालय द्वारा प्राधिकृत पत्र जारी होते ही भुगतान सीधे ऑनलाइन हो जाता है तथा अब तक 5,000 से अधिक मामलों में इसका सफल उपयोग किया जा चुका है। इस प्रणाली को अब 57,000 कर्मचारियों तक विस्तारित किया जा रहा है। इससे सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले वित्तीय लाभ समय पर प्राप्त हो सकेंगे।

वित्तीय निरीक्षण एवं सेवा-प्रदान को और मजबूत करने के लिये पांदुर्णा, मऊगंज और मैहर में 3 नए कोषालय स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही चम्बल, नर्मदापुरम और शहडोल में स्थानीय निधि संपरीक्षा संचालनालय के क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विभागीय निगरानी और सेवा-सुगमता बढ़ेगी।

गुवाहाटी टेस्ट में 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 27 रनों पर 2 विकेट गंवाये

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। उसे इस मैच में जीत के लिए केवल आठ विकेट की जरुरत है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को जीत के लिए 549 रनों का विशाल लक्ष्य दिया है जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवरों में 27 रनों पर ही दो विकेट खो दिये। इससे भारतीय टीम को ये मैच जीतने के लिए 522 रनों की जरुरत है और अंतिम दिन उसके लिए इतने अधिक रन बनाना संभव नजर नहीं आता है। इससे पहले मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने ट्रिस्टन स्टब्स के 94 रनों और टोनी डी जोरजी के 49 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर घोषित कर दी। पहली पारी के आधार पर उसके पास 288 रनों की बढ़त थी जिससे उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 549 रनों का लक्ष्य दिया। उसकी ओर से पहली पारी में सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 109 रन की पारी खेली, जिसमें 2 छक्के और 10 चौके

शामिल रहे। उनके अलावा, मार्को जानसेन ने 93 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स ने 49 रन, जबकि कप्तान टेंबा बावुमा ने 41 रन बनाये । वहीं भारतीय टीम की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट हासिल किए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद भारतीय टीम अपनी पहली पारी में केवल 201 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 58 रन जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को जानसेन ने 6 विकेट जबकि साइमन हार्मर ने 3 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपनी दूसरी पारी 260/5 के स्कोर पर घोषित की।

भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चौथे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 13, जबकि केएल राहुल 6 रन बनाकर आउट हो गये । दिन का खेल समाप्त होने के समय बल्लेबाज साईं सुदर्शन 2 और कुलदीप यादव 4 रन बनाकर खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को जानसेन और साइमन हार्मर ने 1-1 विकेट लिया।

रिकेल्टन और मार्करम ने बनाया रिकार्ड दोनो ही पारियों में पचास से अधिक रनों की साझेदारी बनायी

दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन और एडेन मार्करम ने भारतीय टीम के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रिकेल्टन और मार्करम ने पारी की अच्छी शुरुआत करते हुए दूसरी बार 50 से अधिक रन बनाये। ये इतिहास में चौथी बार है जब कोई दक्षिण अफ्रीकी शुरुआती जोड़ी भारत में दोनों पारियों में 50 से अधिक रन बनाने में सफल रही है। दूसरी पारी में रिकेल्टन और मार्करम ने 59 रन की साझेदारी की। यह उपलब्धि इसलिए

अहम है क्योंकि इस मैच की पहली पारी में भी इन दोनों के बीच 82 रन की शुरुआती साझेदारी हुई थी। इस तरह ये जोड़ी भारत में दोनों पारियों में 50 से अधिक रन बनाने वाली चौथी दक्षिण अफ्रीकी शुरुआती जोड़ी बन गई है। अब रिकेल्टन और मार्करम का नाम उन दक्षिण अफ्रीकी जोड़ियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने भारत में दोनों पारियों में पचास से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले हर्शल गिब्स और गैरी कर्स्टन ने मुंबई में साल 2000 में पहली बार दोनो पारियों में पचास से अधिक की साझेदारी की थी। वहीं ग्राहम स्मिथ और एंड्रयू हॉल ने भी कानपुर में साल 2004 में दोनो पारियों में पचास से अधिक रनों की साझेदारी की थी। वहीं ग्रीम स्मिथ और नील मैकेंजी ने चेन्नई, 2008 पहली पारी में शतकीय और दूसरी में 53 रनों की साझेदारी बनायी थी।

सुंदर को आठवें नंबर पर भेजने के लिए गंभीर पर भड़के शास्त्री: टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाये

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की खराब बल्लेबाजी के बाद टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने गंभीर के रवैये को भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार बताया है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की में ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को नंबर 8 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जबकि वह इस नंबर का बल्लेबाज नहीं है। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 201 रन ही बना पायी वहीं दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे। शास्त्री ने टीम की रणनीति को भी लचर बताते हुए कहा , 卐 इसमें कोई दिशा नजर नहीं आती है। मैं इस सोच को समझ नहीं पा रहा हूं। जब वे इस सीरीज को देखेंगे, तो चयन पर जरूर विचार करेंगे। अब भी सोच रहा हूं कि आखिर टीम किस आधार पर बनायी गयी थी। पहले टेस्ट में 4 स्पिनर शामिल थे और उनमें से एक को ही ओवर मिला था। इससे साफ है कि इतने स्पिनरों की जगह आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज को शामिल करते। पिछले टेस्ट में वॉशिंगटन सुंदर को नंबर 3 पर उतारा जाएगा पर यहां आप उन्हें आसानी से नंबर 4 पर भेज सकते थे। सुंदर नंबर 8 के खिलाड़ी नहीं हैं। वह नंबर 8 से कहीं अच्छे बल्लेबाज हैं। वॉशिंगटन और कुलदीप ने दूसरी पारी में आठवें विकेट के लिए 72 रन बनाये। इससे भारतीय टीम 200 रन से अधिक बनाने में सफल रही है।दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। सुंदर 92 गेंदों में 48 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कुलदीप ने 134 गेंदों में 19 रन बनाए।

आगा साल में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने

रावलपिंडी। पाकिस्तान की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने जम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में उतरते ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया

है। रावलपिंडी स्टेडियम में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज़ के चौथे मैच में मैदान पर उतरते ही आगा एक साल में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही आगा ने राहुल द्रविड़, मोहम्मद यूसुफ और महेन्द्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ दिया।

आगा ने इस साल 54वां इंअंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारतीय टीम के बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के नाम था, द्रविड़ ने साल 1999 में 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। वहीं मोहम्मद यूसुफ ने साल 2000 और महेन्द्र सिंह धोनी ने 2007 में भी 53 मैच खेले थे। अब आगा इस सूची में शीर्ष स्थान पर हैं। ये पहली बार है जब किसी पाक खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ी से अधिक मैच खेले हैं। आगा ने इस साल 5 टेस्ट 17 एकदिवसीय और 32 टी20 खेले हैं। इससे अंदाजा होता है कि टीम मैनेजमेंट के वह करीबी हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने एशिया कप का फाइनल भी खेला था।

कमिंस की वापसी पर फैसला कुछ दिनों में लिया जाएगा -मैकडोनाल्ड

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना ही एशेज क्रिकेट सीरीज का पहला टेस्ट मैच जीत लिया है। पहले मैच में स्टीव स्मिथ ने कप्तानी की थी। वहीं 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में कमिंस की वापसी की संभावनाओं को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि कमिंस अब अपनी चोट से उबर गये हैं और अभ्यास के दौरान पूरी क्षमता से गेंदबाजी कर रहे हैं पर उनके खेलने पर अंतिम फैसला कुछ समय बाद ही होगा जाएगा। साथ ही कहा कि चयनकर्ता शीघ्री ही उनकी वापसी की तैयारी पर बात करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक सप्ताह से ज्यादा दिनों का आराम

मिलेगा।

कोच ने कहा, ऐसा लग रहा था कि कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक बातें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं।

वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड के अनुसार एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा उन्होंने तय नहीं कह है। मैकडोनाल्ड ने कहा, हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे। मुझे पता है कि वह सीरीज में उपलब्ध होंगे। यह तय करने के लिए कि वह सीरीज के किस मुकाबले में खेलेंगे, उन्हें थोड़ा रिहैब करना होगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज में खेलेंगे।ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। पर्थ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के शानदार प्रदर्शन से टीम ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया था।

डब्ल्यूपीएल नीलामी गुरुवार को, 277 खिलाड़ी पर लगेगी बोली

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए गुरुवार को यहां होने वाली नीलामी में कुल 277 खिलाड़ी शामिल होंगी। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा रहेंगी। इसमें ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट और भारत की दीप्ति, शर्मा, क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को टीमें मोटी रकम में टीमें शामिल कर सकती हैं। इस नीलामी में पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों के लिए खिलाड़ियों को रखेंगी। इसमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल रहेंगे। इसमें कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में रखे जा सकते हैं। एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय खिलाड़ियों को इस नीलामी में काफी अच्छी धनराशि मिल सकती है।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज कर दिया था, ऐसे में सभी टीमें उन्हें खरीदने का

प्रयास करेंगी। अगर क्रांति और चरणी को भी विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन के कारण काफी रकम मिल सकती है। इसके अलावा हरलीन देओल, रेणुका सिंह और स्नेह राणा पर भी टीमों की नजरें रहेंगी।

नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की प्रमुख स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, हमवतन अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीकी कप्तान वोलवार्ट पर भी बोली लगेगी। यूपी वॉरियर्स के पास नीलामी में सबसे अधिक राशि (14.5 करोड़ रुपए) है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे कम राशि (5.70 करोड़) है। ऐसे में यूपी काफी खिलाड़ियों को खरीद सकती है जबकि दिल्ली ज्यादा खिलाड़ी नहीं ले सकती। यूपी ने केवल एक खिलाड़ी को रिटेन किया था जबकि दिल्ली ने काफी ज्यादा खिलाड़ियों को रिटेन किया था।

शमी की फिर हुई उपेक्षा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त होने का संकेत तो नहीं

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर अनदेखी हुई है। शमी को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। शमी लंबे समय से वापसी के लिए इंतजार रहे थे पर टीम में जगह नहीं मिलने से उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। इससे ये भी अटकलें लगायी जा रही हैं कि शमी अब लगता है चयन समिति की योजनाओं का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभी वह घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में शमी ने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल की ओर से 4 मैचों में 20 विकेट लिए थे और उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए भी जगह मिली थी पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पायी है। जिससे

कहा जा रहा है उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त हो गया है।

ये भी कहा जा रहा है कि जब शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट ले रहे हैं तो फिर उन्हें टीम में जगह क्यों नहीं मिल रही है। क्या चयन समित उसने अपनी नाराजगी निकला रही है। शमी ने कुछ समय पहले चयन समिति पर सवाल उठाये थे। तब मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने एक कार्यक्रम में बताया था कि उन्हें फिटनेस की वजह से टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसके बाद . शमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं और इसी कारण घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं।

गौरतलब है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया गया है। फिलहाल ये दोनों तेज गेंदबाज टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। ऐसे में शमी को अवसर दिया जाना था पर ऐसा नहीं हुआ। एकदिवसीय सीरीज के लिए अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया है जबकि नीतीश कुमार रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाएंगे। शमी ने अंतिम बार इसी साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बहार हैं।

भारत में खेलकर उत्साहित हैं मुथुसामी

नई दिल्ली। गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने दक्षिण अफ्रीका टीम के भारतीय मूल के ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी ने कहा है कि भारत में खेलकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। मुथुसामी ने कहा है कि साल 2019 में भारत दौरे के बाद उन्हें लगा था कि अब उन्हें यहां कभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई अवसर फिर कभी नहीं मिल पाएगा क्योंकि तब वह दो विकेट ही ले पाये थे। इसलिए वह इस बार के भारत दौरे से बेहद उत्साहित हैं।

अब 6 साल बाद मुथुसामी ने भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप के हालातों को हमने बेहतर ढंग से सामझा है। मुथुसामी ने इस साल पाकिस्तान दौरे में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में ही 11 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे

समय में खेली जब टीम ने 201 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। मुथुसामी ने कहा, 'मेरी यात्रा अलग प्रकार की रही है। साल 2019 में भारत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया पर अधिक सफलता नहीं मिली हालांकि क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।' उन्होंने कहा, 'लेकिन 2019 के बाद मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कभी टेस्ट क्रिकेट खेल पाऊंगा। और भारत में खेलने के बारे में तो बिल्कुल भी भरोसा नहीं था। '

मुथुसामी ने कहा, ' मैं बस उस समर्थन के लिए आभारी हूं जो मुझे कोचों, परिवार और सहयोगी स्टाफ से मिला।' साल 2019 की पदार्पण सीरीज के बाद उन्हें चार साल बाद टीम में जगह मिली। इस बीच उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इस क्रिकेटर ने कहा कि भारत दौरे में वह अपनी जड़ों को भी तलाशेंगे। उनके पूर्वज तमिलनाडु के नागपट्टिनम के हैं। वह हालांकि स्वयं कभी वहां नहीं गए। हालांकि उनकी मां और मौसियों ने अपने पुश्तैनी शहर का दौरा किया है।

कुंबले ने कहा, गंभीर के लगातार बल्लेबाजी क्रम बदलने से टीम में अस्थिरता आई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने अपनी ही धरती पर टीम के प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। कुंबले ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद से ही टीम में लगातार बदलाव हो रहे हैं, टीम का बल्लेबाजी क्रम भी तय नहीं है। इससे खिलाड़ियों के अंदर डर बैठ सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक प्रयोग टीम के लिए नुकसानदेह साबित होंगे। कुंबले ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस प्रकार टेस्ट क्रिकेट बेकार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि टीम एक साल के अंदर दूसरी बार घरेलू सीरीज हारने की ओर बढ़ रही है जो चिन्ताजनक बात है। ऐसे में गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के टीम चयन पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कोलकाता टेस्ट में गंभीर ने साई सुदर्शन को बाहर कर ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को तीसरे नंबर पर भेज दिया था। वहीं गुवाहाटी में सुंदर को नंबर 8 पर भेजा गया। कुंबले ने कहा कि सुंदर ने दबाव के बीच ही अच्छी पारी खेली थी। साथ ही कहा कि सुंदर को शीर्ष क्रम में रखा जाना चाहिये। उसमें वह ज्यादा प्रभावी रहेंगे।

कुंबले ने कहा , 卐पिछले तीन-चार सालों में शीर्ष पांच में से चार बल्लेबाज या तो रिटायर हो गए या टीम में नहीं हैं। इसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और आजिंक्य रहाणे जैसे बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टीम के नये कप्तान शुभमन गिल भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं और उनकी कमी भी हमें खली है।

कुंबले ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव खिलाड़ियों के लिए भी अस्थिरता पैदा कर सकता है। हां, वे अच्छा करेंगे, खराब दिन भी आएंगे पर छह, सात या आठ टेस्ट मैचों तक उन्हें अवसर देने की जरूरत है पर अगर आप पिछले 10-12 टेस्ट मैचों को देखें, तो शीर्ष क्रम में काफी बदलाव हुए है। इससे खिलाड़ियों में अस्थिरता आई हैं और उनका प्रदर्शन खराब हुआ है।

विराट को टेस्ट नहीं एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था-श्रीवत्स गोस्वामी

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेटर खेलना जारी रखना था। गोस्वामी ने कहा कि विराट को टेस्ट की जगह पर एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। गोस्वामी ने कहा है कि और एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले श्रीवत्स ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट को टेस्ट क्रिकेट नहीं छोड़ना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के बाद गोस्वामी ने कहा कि कोहली का टेस्ट से अचानक संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहा है।

गोस्वामी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, मेरा मानना है कि विराट को एकदिवसीय खेलना छोड़ देना चाहिए था और टेस्ट क्रिकेट तब तक खेलते रहना चाहिए था, जब तक कि उनका फार्म बरकरार था। एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी ऊर्जा, भारत के लिए खेलने का प्यार और जुनून टीम को हर हाल में जीतने को प्रौत्साहित करता है।

गोस्वामी ने साथ ही लिखा, विराट के अंदर जीतने की जो मानसिकता और जोश था, वह वर्तमान टीम में नहीं है। गौरतलब है कि कोहली का कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 68 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए 40 मुकाबले जीते जबकि 17 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी।

विराट ने इस साल 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कोहली ने अंतिम बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खेली थी जिसमें वह केवल एक शतक ही लगा पाए थे। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले अचानक ही संन्यास ले लिया था।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

66 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 25 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जनसुनवाई में 66 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में सुहद्रा बाई अनुकंपा नियुक्ति देने एवं पेंशन प्रदाय करने की मांग लेकर आयी थी। सुभद्रा बाई का कहना था कि उसके पति रामदास धारवैया शासकीय प्राथमिक शाला झारखेड़ा में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के बाद उनकी हत्या कर दी गई है। उसके परिवार में 04 बच्चे हैं और उनका पालन पोषण करने की जिम्मेदारी सुभद्रा बाई पर ही है। अत- उसके पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति दी जाये और उसे पेंशन प्रदाय की जाये। इस पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को नियमों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

आवेदक सोनेलाल मसराम सरपंच ग्राम पंचायत ग्राम सकरी से है जो यह समस्या लेकर आये थे की ग्राम देवसर्रा, ग्राम पंचायत सकरी से पाद्रीगंज तक सुदूर सड़क निर्माण क कार्य पूर्ण किया जाये। देवसर्रा, जो पाद्रीगंज से 5 किमी दूर है, में सड़क की गंभीर समस्या है। 2 किमी सड़क का निर्माण हो चुका है, लेकिन शेष मार्ग कच्चा है। यह आदिवासी बहुल क्षेत्र जंगल से घिरा है, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और आवागमन अत्यंत दयनीय है। बच्चों को 8वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ती है, मरीजों को रात में अस्पताल पहुंचाना मुश्किल होता है, और रेलवे स्टेशन सिविल अस्पताल नैनपुर, दुरी 15 किमी पहुंचना असंभव होता है। सड़क निर्माण करवाने के लिए आदेश गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम रट्टापायली के देवलाल पांचे अतिवृष्टि से नष्ट हुई भूमि का मुआवजा एवं वैकल्पिक भूमि प्रदान करने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि देवनदी के तट पर स्थित उनकी भूमि अतिवृष्टि एवं बाढ़ में नष्ट हो गई और कुंआ भी ध्वस्त हो चुका है। इससे उसका परिवार आर्थिक संकट में है। अत: उसे नुकसान का मुआवजा दिलाया जाए और वैकल्पिक भूमि प्रदान की जाए। इस प्रकरण में किरनापुर तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लांजी तहसील के ग्राम थानेगांव की 70 वर्षीय फुलनबाई सोनवाने पति की मृत्यु के बाद पेंशन नहीं मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। फुलन बाई का कहना था कि उसके पति जल संसाधन विभाग में अमीन के पद पर कार्यरत थे। जिनकी मृत्यु 6 अक्टूबर 25 को हो गई है। उसके पति ने 14 दिसंबर 1978 से 31 अक्टूबर 2004 तक जल संसाधन विभाग में अमीन के पद पर सेवाएं दी है, लेकिन उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशन नहीं मिल रही थी। पति की मृत्यु के बाद आवेदिका का भरण-पोषण और इलाज मुश्किल हो रहा है। अत: उसे पेंशन दिलायी जाये। इस प्रकरण में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को नियमों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालक छात्रावास बालाघाट के अधीक्षक छात्रावास की व्यवस्थायें सुधारने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि यह समस्या लेकर आये थे की बालक छात्रावास में 100 छात्र निवासरत हैं, लेकिन सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। छात्रावास में छात्रों के निवास कक्ष, अध्यापन कक्ष, शौचालय, बाथरूम पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। अत: छात्रावास में अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, भंडारण, अध्यापन कक्ष की व्यवस्था के साथ स्वास्थ्य सेवाएँ सुधारी जायें। इस पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने कहा गया है।

परसवाड़ा तहसील के ग्राम छपरवाही का मनोज पन्द्रे अपने पिता फागुलाल पन्द्रे की 01 जुलाई 2023 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बाद अब तक संबल योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत लेकर आया था। मनोज का कहना था कि उसके द्वारा सारे दस्तावेजों के साथ ग्राम पंचायत में आवेदन जमा कर दिया गया है। लेकिन अब तक संबल योजना की राशि नहीं मिली है। अत: उसे शीघ्र राशि दिलायी जाये। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। एकल०?य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा के छात्रावास में भोजन प्रदाय करने वाले सागर एवं नवीन जागृति समूह की महिलायें शिकायत लेकर आयी थी कि उनसे कम राशि में अधिक काम लिया जा रहा है। अनावश्यक काम नहीं करने पर विद्यालय के स्टाफ द्वारा उनका काम बंद कराने की धमकी दी जाती है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

वारासिवनी विकासखंड के ग्राम एकोड़ी के ग्रामीण उमरटोला, दन्दूटोला एवं पुसूटोला में नल-जल योजना का कार्य अत्यंत धीमी गति से चलने के कारण ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में परेशानी आने की शिकायत लेकर आये थे। इस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। वारासिवनी तहसरील के ग्राम खापा के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि उनके गांव के श्मशान से बीते कई दिनों से रेत की निकासी का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को तत्काल रोका जाये। इस पर खनिज अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। लालबर्रा तहसील के ग्राम पिपरिया पटेलटोला के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि शासकीय माध्यमिक शाला पटेलटोला के गणित विषय के शिक्षक तरूण कुमार तितरमारे शराब का सेवन का स्कूल आते हैं। जिसके कारण शाला के बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। अत: शिक्षक तरूण कुमार तितरमारे को वहां से शीघ्र हटाया जाये। इस प्रकरण में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

खैरलांजी तहसील के ग्राम भेंडारा का हेमंत लिल्हारे शिकायत लेकर आया था कि उसने 07 फरवरी 2025 को बालाघाट में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में दुर्गा दमाहे के साथ विवाह किया है। लेकिन उसे मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। अत- उसे शीघ्र यह राशि दिलायी जाये। इस पर उप संचालक सामाजिक न्याय को इस प्रकरण में कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम शैला की सुकमनी धुर्वे समग्र आईडी में पति निर्मल सिंह धुर्वे के साथ अपना नाम जोड़ने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि सरपंच एवं सचिव उसका नाम नहीं जोड़ रहे हैं। इस पर परसवाड़ा जनपद के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। बालाघाट विकासखंड के ग्राम गुडरू के ग्रामीण वार्ड नंबर-09 में हेंडपंप खनन की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि हेंडपंप नहीं होने से ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में शक्ति विद्या मंदिर नर्सिंग कालेज भटेरा-बालाघाट की छात्रायें छात्रवृत्ति नहीं मिलने एवं उनके कालेज को मान्यता नहीं होने की शिकायत लेकर आयी थी। छात्राओं का कहना था कि उनका प्रवेश 2021-22 में हुआ है और बताया गया था कि उन्हें छात्रवृत्ति मिलेगी। लेकिन वर्तमान में उनके कालेज को मान्यता नहीं है और न ही उनकी कक्षायें लग रही है। कालेज में नर्सिंग की पढाई के संबंध में कोई सुविधा भी नहीं है। कक्षायें भी एक जगह से दूसरे जगह लगाने के लिए उन्हें परेशान होना पड़ता है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

बिना फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर का संचालन करने पर की गयी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशानुसार एवं पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. उपलप के आदेशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा बालाघाट जिले में औषधि विक्रय करने वाले संस्थानो की जाँच की जा रही है। दिनांक 25 नवंबर 2025 को औषधि निरीक्षक जय प्रकाश कुमार एवं नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया की टीम द्वारा बालाघाट शहर में स्थित मेडिकल स्टोर्स में की गहन जांच गई । जांच के दौरान दवाइयों के उचित वैज्ञानिक तरीके से रखरखाव की स्थिति । एक्सपायरी (अवसान तिथि) बीत चुकी दवाइयों का संधारण । पशु उपयोग हेतु निर्धारित दवाइयों का मानव उपयोग की दवाओं के साथ मिश्रण । विशेष तापमान पर रखी जाने वाली दवाइयों को सामान्य तापमान पर रखने की लापरवाही । बिल वाउचर, स्टॉक रजिस्टर एवं खरीदङ्कविक्रय रिकॉर्ड में विसंगतियाँ । योग्य फार्मासिस्ट/प्रमाणित व्यक्ति की निगरानी में औषधियों का क्रय विक्रय करना देखा गया। जाँच दल ने बालाघाट नगरीय क्षेत्र में संचालित हीरावत मेडिकल स्टोर स्टेशन रोड़ बालाघाट, पहल मेडिकल स्टोर स्टेशन रोड़ बालाघाट, फार्मेसी, गोंदिया रोड़ बालाघाट, राजा मेडिकल स्टोर स्टेशन रोड़ बालाघाट, नेवेध्य फार्मेसी स्टेशन रोड़ बालाघाट, अमित मेडिकल स्टोर मोती नगर बालाघाट, गाँधी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, सरस्वती नगर बालाघाट का निरीक्षण किया। नेवेध्य फार्मेसी स्टेशन रोड़ बालाघाट में अवसान तिथि बीत चुकी दवाइयों का संधारण पाये जाने पर मोके पर औषधियों को नष्ट करने हेतु निर्देशित किया गया एवं गाँधी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, सरस्वती नगर बालाघाट का संचालन बिना फार्मासिस्ट के पाए जाने के कारण जनस्वास्थ को द्रष्टिगत रखते हुए बंद करवाया गया । इन मेडिकल स्टोर्स के संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया एवं अनुज्ञप्तिधारकों द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं होने एवं औषधि एवं सोंदर्य प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन तथा अनुभव आधारित शिक्षण के उद्देश्य से किया प्रेरक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर के विद्यार्थियों को आज दिनांक 25/11/2025 को शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन तथा अनुभव आधारित शिक्षण के उद्देश्य से प्रेरक भ्रमण हेतु कोबरा बटालियन 208, बड़गांव ले जाया गया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास तथा सुरक्षा-विज्ञान एवं रक्षा अध्ययन की समझ बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।भ्रमण के दौरान कोबरा बटालियन के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को कैरियर ओरिएंटेड लेक्चर प्रदान किया गया, जिसमें सुरक्षा बलों में उपलब्ध विभिन्न पदों, चयन प्रक्रिया, आवश्यक योग्यता, शारीरिक दक्षता तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से वे सुरक्षा सेवाओं में सफलतापूर्वक अपना करियर बना सकते हैं।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को युद्ध एवं विशेष अभियानों में उपयोग होने वाले आधुनिक हथियारों और तकनीकी उपकरणों की जानकारी दी गई । विशेषज्ञ जवानों ने इन हथियारों की संरचना, कार्यप्रणाली, उपयोग के तरीके तथा सुरक्षा उपायों के बारे में सरल भाषा में समझाया। विद्यार्थियों ने युद्ध उपकरणों के प्रयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।साथ ही बटालियन के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन, मानसिक दृढ़ता और प्रतिदिन शारीरिक अभ्यास को शामिल करने की प्रेरणा दी गई । उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों में कार्यरत जवान कठोर अनुशासन, नियमित प्रशिक्षण, फिटनेस ड्रिल तथा सकारात्मक मानसिकता के बल पर चुनौतियों का सामना करते हैं। यह संदेश विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।इस भ्रमण से विद्यार्थियों में देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, आत्मविश्वास तथा करियर उन्मुख सोच का विकास हुआ। कार्यक्रम महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन पहल के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुनीता जैन ने कोबरा बटालियन 208 के कमांडेंट सर का एवं समस्त अधिकारी कर्मचारीयो का उनके सहयोग और इस सफल प्रेरक भ्रमण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

जिला स्तरीय जैवविविधता क्विज प्रतियोगिता सम्पपन्नप, 60 टीम शामिल हुई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 25 नवंबर को उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय जैवविविधता क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जैवविविधता संरक्षण,

जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। इस प्रतियोगिता में शासकीय एवं अशासकीय हाईस्कूल तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों की 60 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक विद्यालय से तीन-तीन छात्रों की टीम प्रतियोगिता में शामिल हुई। दोपहर 12-30 से 1-30 बजे तक आयोजित क्विज में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संबंधी प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय कटंगी की कु. कल्याणी मेश्राम, कु. रिया बिसेन व दिव्यम नेवारे की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के पंकज पिपलेवार, कु. खुशबू बिसेन व कु. अंशिका नेवारे की टीम ने द्वितीय स्थान व संदीपनि ? विद्यालय लेंडेझरी की कु. पूर्वा डोरस, कु. मानसी टेम्भरे व कु. सुहाना खरोले की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक जैवविविधता बोर्ड श्री लेकेश कुमार साहू एवं सहायक श्रीमती मेघावी विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के शिक्षकों तथा वन विभाग के वन परिक्षेत्र बालाघाट (सा.) एवं लौगुर (सा.) के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.के. उपाध्याय, विशेष अतिथि के रूप में डॉ.सतीश चिले सेवानिवृत्त प्राचार्य, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय शरद ज्योतिषी, उपवनमंडलाधिकारी बालाघाट (सा.) श्रीमती विनिता फुलबेल, वनक्षेत्रपाल हिमांशु राय वन परिक्षेत्र बालाघाट (सा.) उपस्थित रहे।

26 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक चलेगा विशेष जन जागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 26 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2025 तक यातायात एवं जिला पुलिस बालाघाट द्वारा विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, मृत्युदर में कमी तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। मुख्य रूप से दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट न लगाने पर कार्यवाही, बिना फिटनेस के परिवहन कर रहे वाहनों पर कार्यवाही, तेज गति से वाहन चलाने वालों पर नियंत्रण व चालानी कार्रवाई, बिना ।स्त्रक्क नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्यवाही तथा बिना बीमा वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान केवल दंडात्मक नहीं बल्कि जनजागरूकता आधारित भी रहेगा। इस दौरान सभी थाना क्षेत्रों के विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा कोचिंग संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। वहीं बसङ्कटैक्सी यूनियनों, सामाजिक संगठनों व स्थानीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान आमजन को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व, वाहन बीमा की अनिवार्यता तथा तेज गति से वाहन चलाने के दुष्परिणामों के बारे में सरल और प्रभावी ढंग से जागरूक किया जाएगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संविधान दिवस पर आज किरनापुर मे होंगे विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे आज 26 नवंबर 2025 दिन बुधवार को संविधान दिवस कार्यक्रम धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा।इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमे संविधान दिवस कार्यक्रम मे 26 नवंबर

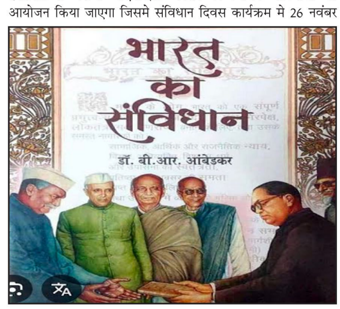

को सर्वप्रथम प्रात: 8-30 बजे शाक्य मुनि बुद्ध विहार मे पूजा वंदना की जाएगी। तत्पश्चात् प्रात: 9 बजे डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। एवं संविधान की उद्देशिका का वाचन कर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ ली जाएगी तथा बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान के बारे मे जन जागरूकता प्रसारित की जाएगी।तथा उपस्थित जनसमुदाय को मिष्ठान वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त ग्रामीण जनता से उपस्थिति की अपील डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति अध्यक्ष जे.पी.रामटेके,उपाध्यक्ष राकेश बोरकर, उमाताई मेश्राम, सरोज गौतम भीमटे, सचिव राहुल वैद्य, स्वाकेश भीमटे, एस आर पटले, एम आर बागड़े, एस सी वैद्य, रविन्द्र शेंडे, व्ही एन मेश्राम,दुर्गेश भीमटे, मिलिंद चौरे, राजेन्द्र वैद्य, हंसराज वाहने,अमरदीप रामटेके सहित समस्त सदस्यों ने की है।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय तकनीकी समूह की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 25 नवंबर कों जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय व अन्य अधिकारीगण और किसान उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ,रबी व अन्य मुख्य फसलों के प्रति हेक्टेयर ऋण मान दरों का निर्धारण को लेकर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने किसानों को ऋण सुविधा प्रदान करने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्य फसलों के प्रति हेक्टेयर ऋण मान दरों का निर्धारण करने पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में ग्राम तुमाड़ी से आये किसान कुंवर बिसेन ने बताया कि यदि सभी किसान भाई धान के अलावा भी गन्ना, मूंग जैसी अन्य फसलों की खेती करते है तो उन्हें उसे अधिक लाभ मिलेगा। इसी प्रकार ग्राम गोंगलई से आये किसान गंगा प्रसाद लिल्हारे ने भी सभी किसान भाईयों से अपील की कि वे सभी धान के अलावा मूंग,चना व गेहूं की ज्यादा से ज्यादा फसल लगाकर लाभ कमाए।

गणना पत्रकों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने पर बीएलओ सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र लिंगा-208 की बीएलओ परबता वामनकर और मतदान केंद्र रोशना-155 की बीएलओ मंजू खोबरागड़े ने अपने-अपने मतदान केंद्रों के गणना पत्रकों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर मिसाल कायम की है। उनके इस उल्लेखनीय कार्य के लिए मतदाता रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री एम.आर. कोल एवं गोपाल सोनी द्वारा दोनों बीएलओ को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिकन्द्रा मतदान केन्द्र क्रमांक 85 की बीएलओ सरोज चौरे एवं मतदान केन्द्र क्रमांक-134 मंगेझरी की बीएलओ दुरगन को वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल द्वारा सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य कर दोनों बीएलओ ने जिले के अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। गणना पत्रकों का समय पर और पूर्ण डिजिटाइजेशन मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीएलओ परबता वामनकर और मंजू खोबरागड़े का यह योगदान निर्वाचन कार्यों की दक्षता को बढ़ाने में निश्चित रूप से सहायक

न्यूज गैलरी

अशासकीय शिक्षण संस्था में शिक्षिका द्वारा छात्र से मारपीट का मामला

विद्यालय प्रबंधन को शिक्षिका को पद से पृथक करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने अशासकीय शिक्षण संस्था गायत्री विद्या मंदिर बुढ़ी बालाघाट में कार्यरत शिक्षिका श्रीमती पुष्पा तुरकर द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र गौरव भोकासे से मार-पीट करने की शिकायत की जांच के बाद विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया है कि इस शिक्षिका को पद से पृथक करने की कार्यवाही करें और दो दिनों के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। शिक्षिका को पद से पृथक नहीं करने या पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर संस्था के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

अशासकीय शिक्षण संस्था गायत्री विद्या मंदिर बुढ़ी बालाघाट में कार्यरत शिक्षिका श्रीमती पुष्पा तुरकर द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र गौरव भोकासे से मार-पीट करने का मामला संज्ञान में आने पर कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिये थे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस शिकायत की जांच दो सदस्यीय समिति से करायी गई। समिति द्वारा जांच में पाया गया कि छात्र से मारपीट किये जाने का तथ्य सही है। शिक्षिका श्रीमती पुष्पा तुरकर द्वारा भी मारपीट किये जाने की बात स्वीकार की गई है। जांच समिति द्वारा जांच प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 में स्पष्ट उल्लेख है कि बाल शिक्षा के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शारीरिक दण्ड या मानसिक उत्पीड़न पर पूर्णत: प्रतिबंध है। इसका उल्लंघन स्पष्ट होने पर ऐसे व्यक्ति या शिक्षक पर सेवा नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने जांच प्रतिवेदन में पाये गये तथ्यों के आधार पर श्रीमती पुष्पा तुरकर शिक्षिका अशासकीय विद्यालय गायत्री विद्या मंदिर बुढ़ी बालाघाट को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में निहित प्रावधानों के तहत मारपीट करने का दोष सिध्द होने के कारण उसे तत्काल पद से पृथक कर विद्यालय प्रबंधन को पालन प्रतिवेदन दो दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने कहा है।

वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनवानी और नवेगाँव के विस्थापितों के साथ हुआ धोखा !!

तीन गांवों के 240 यूनिट परिवारों को अब तक नही मिला पूर्ण मुआवजा, कलेक्ट्रेट में लगाई गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सोनेवानी अभ्यारण्य के विस्थापितों को अब तक आधा अधूरा मुआवजा मिलने से उन्हें कई प्रकार की परेशानी हो रही है.शासकीय योजना के तहत जिले के चिन्हित क्षेत्रो से, वन ग्रामों में रहने वाले बैगा आदिवासी परिवारों को विस्थापित किए जाने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन अब तक विस्थापित किए जाने वाले ग्रामीणों को मुआवजे की पूर्ण राशि का भुगतान नहीं किया गया है।जिसको लेकर विस्थापित होने वाले वन ग्राम के ग्रामीण काफी परेशान है और वह उक्त राशि के लिए आए दिनों शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं।बावजूद इसके भी शासन द्वारा विस्थापन की दूसरी किस्त हितग्राहियों को आवंटित नहीं की जा रही है। जिसे दिए जाने की मांग को लेकर 3 गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र से शीघ्र मुआवजे की पूर्ण राशि का भुगतान किए जाने की गुहार लगाई है।

बैगा आदिवासी ग्रामीणों का आरोप है कि प्रथम किस्त के रूप में शासन द्वारा उन्हें 5 लाख, रु की मुआवजा राशि दी गई थी, जहां प्रति यूनिट के हिसाब से मिली इस प्रथम ि?स्त से उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मकान और खेती खरीदने के लिए ब्याना दे चुके हैं, लेकिन उसकी रजिस्ट्री अब तक नहीं हो पाई है। शासन द्वारा जल्द ही दूसरी किस्त जारी किए जाने की बात कही गई थी, लेकिन आज तक वह किस्त जारी नहीं हुई है जिसके चलते वह काफी परेशान है और जो जमीन खरीदने के लिए उन्होंने ब्याना दिया है वह भी डूबने की कगार पर पहुंच चुका है। उन्होंने उनको इस संकट की घड़ी से बचा की गुहार लगाते हुए

जल्द से जल्द विस्थापन का संपूर्ण मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

प्रति यूनिट मिलना है 15 लाख का मुआवजा

उक्त मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुचे वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी और नवेगांव के ग्रामीणों के अनुसार, वे वन ग्राम से विस्थापन के चलते चिंता और आर्थिक संकट में फंस गए हैं। शासन द्वारा विस्थापन योजना के अंतर्गत प्रत्येक यूनिट को 15 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है, जिसके तहत अब तक ग्रामीणों को पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये प्रदान किए जा चुके हैं। लेकिन नवंबर माह के अंत तक देने का वादा किया गया दूसरी किस्त के 10-10 लाख रुपये अब तक जारी नहीं हुई है, जिससे स्थिति गंभीर हो गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि विस्थापन के लिए सहमति इसलिए दी थी क्योंकि शासन ने समय पर राशि देने का आश्वासन दिया था। लेकिन अब स्थिति यह है कि न वनग्राम में जमीन बची, न नई जगह पर कब्जा मिल पा रहा है और निर्माण सामग्री का भुगतान न होने से काम ठप पड़ा है। यदि नवंबर के अंत तक पूरी राशि नहीं मिली, तो हम वापस वनग्राम में ही रहेंगे, क्योंकि हमारे पास कहीं और जाने का साधन ही नहीं बचेगा।

240 यूनिट का होना है विस्थापन

बताया गया कि इन तीनों गांवों के करीब 240 यूनिट इस विस्थापन योजना में शामिल हैं। इनमें से कई परिवारों ने नई भूमि खरीद ली है और कई नए मकानों का निर्माण करा रहे हैं। लेकिन दूसरी किस्त न मिलने के कारण ग्रामीणों के सामने जमीन, बयाना और निर्माण कार्य सभी पर संकट खड़ा हो गया है।बताया गया कि उन्होंने विस्थापन के भरोसे पर नई जमीन खरीदी, बयाना राशि जमा की, मकान निर्माण के लिए ईंट, सीमेंट, रेत, कांक्रीट उधारी में मंगवाए और शर्तों के अनुसार स्टांप पर तय समय अवधि में शेष राशि देने का वचन दिया। लेकिन अब दूसरी किस्त न मिलने से समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। यदि तय समय पर पैसे नहीं दिए गए तो खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री नहीं करा पाएंगे, बयाना राशि भी जप्त हो जाएगी, अधूरे मकान वैसे ही खड़े रह जाएंगे और विस्थापित ग्रामीण कहीं के भी नहीं रहेंगे। जहां से हटाए गए, वहां जमीन चली गई, और जहां बसने की कोशिश कर रहे हैं, वह जमीन भी हाथ से निकल जाएगी। हम दोहरी मुश्किल में फंस गए हैं।

तो बर्बाद हो जाएगी जिंदगी- किसन मडावी

वन ग्राम चिखलाबड्डी के ग्रामीण किसन मड़ावी ने बताया कि यदि राशि समय पर नहीं मिली, तो मकान निर्माण कार्य अधूरा रह जाएगा, खरीदी गई जमीन हाथ से निकल जाएगी और विस्थापित ग्रामीणों को गंभीर सामाजिक-आर्थिक संकट झेलना पड़ेगा उन्होंने नवंबर माह के अंत तक तीनों गांवों के परिवारों को बकाया मुआवजा के रूप में एकमुश्त 10-10 लाख रुपये की राशि देने की गुहार लगाई है।जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि उन्हें यहां मुआवजा जल्द से जल्द नहीं मिला तो वह पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे।

भाई ने बहन के गले पर मारी कुल्हाडी, हुई मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम मठारी से दर्दनाक वारदात सामने आई है जहां एक कलयुगी भाई ने पारिवारिक विवाद के दौरान अपनी सगी बहन के गले में कुल्हाडी मारकर उसकी हत्या कर दी और घर से फरार हो गया। मृतक महिला का नाम ग्राम मठारी, वार्ड नं.14 सागौनटोला निवासी 42 वर्षीय सोनबती पति चैतराम धुर्वे बताया गया है। जिसके शव को पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही हत्या के आरोप में फरार उसके भाई की तलाश शुरू कर दी है।

विवाह के बाद पति के साथ मायके में ही रहती थी सोनबती

जानकारी के अनुसार मृतिका सोनबती विवाह के बाद से अपने पति के साथ अपने मायके गांव में ही रहती थी और उसका भाई भी उनके साथ ही रहता था। 24 नवंबर की रात्री अचानक भाई-बहन के बीच चांदी के जेवरात बेचने को लेकर विवाद खडा गया और विवाद के दौरान आवेश में आकर भाई ने अपनी बहन के गले पर कुल्हाडी से हमला कर दिया।जिससे उसकी मौत हो गई।

बहन के जेवर बेचकर, नही दे रहा था रकम

बताया जा रहा है कि भाई ने अपनी बहन के चांदी के जेवरात बेच दिये थे। लेकिन उसके पैसे अपनी बहन को नही लौटाये। जहां बहन बार बार भाई को अपने जेवरात वापस देने या फिर पैसे देने की बात करती थी। इस तरह बहन के द्वारा बार बार रोकटोक करने के कारण वह परेशान हो चुका था और इसी बात को लेकर उनके बीच विवाद उत्पन्न हो गया। इस दौरान आरोपी भाई पंचू पिता धरमसिंह परते ने आवेश में आकर अपनी बहन सोनबती धुर्वे के गले पर कुल्हाडी से हमला कर दिया। जिससे महिला की मौत हो गई।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

उधर बहन पर हमला करने के बाद भाई मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना 25 नवंबर की सुबह पुलिस को मिली। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची जहां पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही कर शव बरामद किया गया। वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। बहरहाल बिरसा थाना पुलिस ने मामले को जांच में लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा- रेवाल सिंह बर्डे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बिरसा थाना प्रभारी रेवाल सिंह बर्डे ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई है। घटना के बाद से ही मृतिका का आरोपी भाई फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी के कार्यक्रम में चाकू बाजी में 15 वर्षीय बालक घायल

उपनगरी बूढ़ी में गंगानगर रोड की घटना, घायल बालक अंशु हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 13 गंगानगर रोड बूढ़ी में शादी के कार्यक्रम के दौरान हुई चाकू बाजी में एक बालक घायल हो गया। घायल बालक अंशु पिता नंदकिशोर बारमाटे 15 वर्ष वार्ड नंबर 13 गंगानगर रोड बूढ़ी निवासी को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक अंशु नगर के उत्कर्ष विद्यालय में कक्षा दसवीं का छात्र है। 24 नवंबर को अंशु के चाचा प्रेमलाल बारमाटे के घर वार्ड नंबर 13 गंगानगर रोड बूढ़ी में शादी का कार्यक्रम था। रात 11:45 बजे शादी में नाच गाना हो रहा था। अंशु पास में ही खड़ा था। तभी अचानक नाच गाने के दौरान झगड़ा होने लगा और अंशु के भाई साहिल वाहने को लड़के मारपीट कर रहे थे। किसी ने अंशु को पीछे से धक्का दे दिया और अंश झगड़े के बीच चला गया तभी किसी लड़के ने अंशु को पेट में चाकू मार दिया। पेट में चाकू लगने से अंशु घायल हो गया था। जिसे उसके पापा ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। बताया कि झगड़ा करने के दौरान सात आठ लड़के थे जिनमें दो लड़कों को अंशु चेहरे से पहचानता है। जिला अस्पताल पुलिस ने अंशु का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।वहीं जिला अस्पताल से अंशु को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिसे उसके परिजनों ने बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए हैं।

पत्नी के घर से नहीं निकलने पर पति ने दी मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घुबड़गोंदी में 5 साल से मायके में रह रही महिला के ससुराल में आने पर पति ने उसे घर से नहीं निकलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। खैरलांजी पुलिस ने इस 30 वर्षीय महिला काजल पति भैया लाल करपगये द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति भैया लाल पिता राधेश्याम करपगये के विरुद्ध इस महिला को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार काजल खेती किसानी करती है।जिसका पति उसे आए दिन लड़ाई झगड़ा मारपीट विवाद करते रहता था। जिसके कारण 5 साल से काजल अपने पिता के घर ग्राम खुर्सीपार में रह रही है।काजल के बड़े ससुर का निधन होने पर वह अपने ससुराल घुबड़गोंदी आई थी। 2 दिन पहले की शाम 7:00 बजे काजल का पति भैयालाल आया और पत्नी काजल को घर से निकल जाने बोला और कहा कि मैं तुझे अपने साथ नहीं रखूंगा । काजल ने बोली कि अब मैं कहीं नहीं जाऊंगी और साथ में ही रहूंगी। काजल के यह केहते ही उसका पति भैया लाल उसे अश्लील गालियां देने लगा और मारपीट करने के लिए आमाद होने लगा था यहां तक की भैया लाल ने अपनी पत्नी काजल को घर से नहीं निकलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद काजल रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने काजल द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति भैयालाल करपगये के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

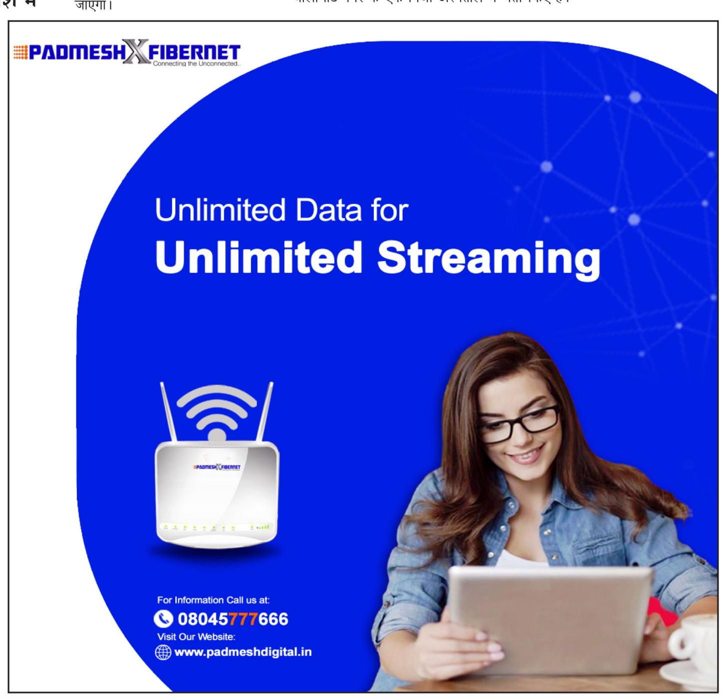

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट